राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 9 अंक 165

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, सोमवार, 24 नवंबर, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

हमें धर्म रक्षा के लिए लड़ना है

>> 6

जागरण विशेष

जंगली घास से खोले आत्मनिर्भरता के द्वार

हरदोई: गांव के छोटे से घर की तंगहाली से जूझती सावित्री देवी आज लाखों महिलाओं के लिए उम्मीद, हिम्मत और संघर्ष का दूसरा नाम बन चुकी हैं। ● पेज-6

मुद्दा

आतंक का नया चेहरा

दिल्ली में हाल में लाल किला के पास हुए आतंकी हमले में सफेदपोश आतंकियों का नेटवर्क सामने आया है। ये आतंकी उच्च शिक्षित मेडिकल पेशेवर हैं। यह बात आश्चर्य पैदा करता है कि एमबीबीएस और एमडी की पढ़ाई करने वाला व्यक्ति भी आत्मघाती हमलावर हो सकता है। आतंक के इस नए रूप ने आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई को और कठिन बना दिया है। आज के 'मुद्दा' में आतंक के नए चेहरे के पीछे छिपी विचारधारा और मानसिकता की पड़ताल। ● पेज-7

संपादकीय

आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधार: नए श्रम सुधार आधुनिक, लचीली और समावेशी आर्थिकी की नींव रखते हैं। इनमें श्रमिकों-उद्यमों दोनों को देश के विकास के केंद्र में रखा गया है। **डा. मनसुख मांडविया** का आलेख।

अशक्त बनाती गुलामी की मानसिकता: मैकाले के शिक्षा तंत्र से उपजी गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान राष्ट्रीय आवश्यकता है। **प्रणय कुमार** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

विमर्श

बच्चों की सुरक्षा के प्रति बढ़ती चिंता: उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में चिंता व्यक्त की है, जिसमें बच्चों के लापता होने को गंभीरता से लिया जाना बताया है। **लालजी जायसवाल** का आलेख।

लोक का तोरण, आस्था की धर्म ध्वजा: पूरा उत्तर प्रदेश विवाह पंचमी के अवसर पर 25 नवंबर को अयोध्या में श्रीराम मंदिर में संपन्न होने वाले ध्वजारोहण अनुष्ठान को लेकर हर्षित है। **भारतीय बसंत कुमार** की डायरी। ● पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

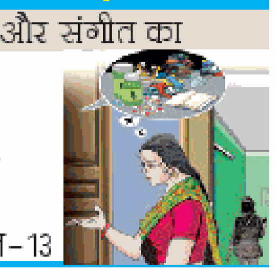

विदा होती बेटियों की मां

चारों दुलहा में बड़का कमाल सखिया...

● पेज-13

आइएसआइ ने गैंगस्टरों से पंजाब में पहुंचाए हथियार

लुधियाना : पुलिस की जांच में सामने आया है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ पंजाब में राजस्थान के रास्ते भी भारी मात्रा में हथियार पहुंचा रही है। इसके लिए राजस्थान में सक्रिय गैंगस्टरों की मदद ली जा रही है। (पेज-5)

डीपफेक और आतंकवाद में एआइ के इस्तेमाल पर रोक जरूरी : मोदी

एआइ का गलत इस्तेमाल रोकने को वैश्विक संधि पर दिया जोर

- जी-20 सम्मेलन में कहा, तकनीक की उपयोगिता वैश्विक होनी चाहिए
- महत्वपूर्ण तकनीकों को वित्त केंद्रित नहीं, बल्कि मानव केंद्रित होना चाहिए

जोहानिसबर्ग, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का गलत इस्तेमाल रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि महत्वपूर्ण तकनीकों को वित्त केंद्रित नहीं, बल्कि मानव केंद्रित होना चाहिए। जी-20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि डीपफेक और आतंकवाद में एआइ के इस्तेमाल पर रोक जरूरी है। उन्होंने कहा-तकनीक की उपयोगिता राष्ट्रीय के बजाय वैश्विक होनी चाहिए। इसे ओपन सोर्स के आधार पर विकसित किया जाना चाहिए, न कि विशेष माडल के आधार पर। इसी दृष्टिकोण के आधार पर भारत का तकनीकी ईकोसिस्टम बनाया गया है। इसके महत्वपूर्ण लाभ हुए हैं, चाहे वह अंतरिक्ष क्षेत्र हो, एआइ हो या डिजिटल भुगतान, जहां हम विश्व में अग्रणी हैं।

इससे एक दिन पहले शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पीएम ने ड्रग्स तस्करी और आतंकवाद के बीच गठजोड़ को दुनिया के लिए खतरा बताया था और इसके खिलाफ एक नया वैश्विक अभियान शुरू करने का प्रस्ताव रखा था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि मादक पदार्थों की तस्करी सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन गई है।

शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र में पीएम ने कहा-हम सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआइ का उपयोग वैश्विक हित में हो और इसका दुरुपयोग रोका जाए। ऐसा करने के लिए हमें एक वैश्विक संधि बनानी होगी। इसमें प्रभावी मानवीय निगरानी, डिजाइन के जरिये सुरक्षा और पारदर्शिता को शामिल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही डीपफेक, अपराध और आतंकी गतिविधियों में एआइ के दुरुपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

(पेज-3 भी देखें)

जोहानिसबर्ग में रविवार को जी-20 सम्मेलन को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। इस अवसर पर विदेश मंत्री जयशंकर भी उपस्थित रहे। एएनआइ

> मानव जीवन, सुरक्षा या सार्वजनिक विश्वास को प्रभावित करने वाली एआइ प्रणालियां जिम्मेदार और आडिट योग्य होनी चाहिए। एआइ को मानवीय क्षमताओं को बढ़ाए, लेकिन निर्णय लेने की अंतिम जिम्मेदारी मनुष्यों के पास ही रहनी चाहिए। -नरेन्द्र मोदी

एआइ के इस युग में हमें अपना दृष्टिकोण बदलना होगा

मोदी ने कहा कि एआइ के इस युग में हमें अपने दृष्टिकोण को तेजी से बदलना होगा। हमें 'आज की नौकरियों' से 'कल की क्षमताओं' की ओर बढ़ना होगा। हमने दिल्ली जी-20 सम्मेलन में इस विषय पर प्रगति की थी। हमें उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों में जी-20 प्रतिभा में गतिशीलता के लिए एक वैश्विक ढांचा विकसित करेगा।

फरवरी में एआइ पर समिट की मेजबानी करेगा भारत

पीएम ने कहा कि भारत फरवरी 2026 में 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' विषय पर एआइ इंपैक्ट शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। उन्होंने सभी जी-20 देशों को इस मुहिम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। कहा कि हम सतत विकास और सभी की समृद्धि के लिए प्रगति के पक्ष में हैं।

शीतकालीन सत्र में चंडीगढ़ पर नहीं आएगा कोई विधेयक : गृह मंत्रालय

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, चंडीगढ़ के साथ पंजाब या हरियाणा के संबंधों को परिवर्तित करने की कोई बात नहीं
- सभी हितधारकों से पर्याप्त विचार-विमर्श के बाद ही इस मुद्दे पर लिया जाएगा कोई फैसला

पंजाब विधानसभा चुनाव से एक साल पहले चंडीगढ़ से संबंधित प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक पर मचे राजनीतिक घमासान के बीच गृह मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसका संसद के शीतकालीन सत्र में चंडीगढ़ पर विधेयक लाने का कोई इरादा नहीं है। चंडीगढ़ के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों से पर्याप्त विचार-विमर्श के बाद ही इस मुद्दे पर उचित निर्णय लिया जाएगा। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 को आगामी सत्र के लिए 10 विधेयकों की प्रस्तावित सूची में शामिल किए जाने के एक दिन बाद गृह मंत्रालय ने यह स्पष्टीकरण दिया है। संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू हो रहा है।

गृह मंत्रालय ने यह भी कहा है कि चंडीगढ़ के प्रशासनिक ढांचे में बदलाव की उसकी कोई योजना नहीं है। चंडीगढ़ के साथ पंजाब या हरियाणा के परंपरागत संबंधों को परिवर्तित करने की भी कोई बात नहीं है। चंडीगढ़ के लिए केंद्र सरकार द्वारा सिर्फ कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव विचाराधीन है। इस प्रस्ताव पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। गृह मंत्रालय ने साफ किया है कि प्रस्तावित संविधान संशोधन पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और यह विचाराधीन है।

राजनीतिक दल इस आधार पर कर रहे विरोध

सरकार द्वारा प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक को चंडीगढ़ पर पंजाब के दावे के खिलाफ बताकर इसका विरोध शुरू हो गया है। पंजाब के राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि इस संविधान संशोधन विधेयक के पास होने से केंद्र सरकार को सीधे उपराज्यपाल को नियुक्त करने का अधिकार मिल जाएगा और पंजाब का दावा हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा।

इस समय केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में 60% पंजाब और 40% हरियाणा के कर्मियों की नियुक्ति होती है। अहम पदों पर केंद्र शासित कैडर के अधिकारी भी नियुक्त किए जाते हैं। चंडीगढ़ पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी है।

हावड़ा के बंगालपाड़ा में अधिकांश घरों में लटके ताले, 80 प्रतिशत बांग्लादेशी घुसपैठियों की आबादी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

एसआइआर का खौफ

- 15 साल पहले तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद ही घुसपैठियों ने यहां शुरू किया था बसना
- डर कि मतदाता सूची से नाम कटने पर इन्हें बंगाल छोड़ना पड़ेगा अथवा हिरासत शिविर में भेज दिया जाएगा

बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के डर से राज्य से बांग्लादेशी घुसपैठियों के भागने की रफ्तार तेज होती जा रही है। इसी क्रम में हावड़ा जिले के केशवपुर इलाके में अधिकांश घरों में ताले लटक गए हैं। इस इलाके को बंगालपाड़ा के नाम से भी जाना जाता है। कथित तौर पर यहां रहने वाले 80 प्रतिशत लोग बांग्लादेशी घुसपैठिये हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक इनके पास वैध कागजात नहीं हैं। यही कारण है कि एसआइआर की प्रक्रिया शुरू होते ही ये लोग अपने घरों में ताला लगाकर जाने लगे हैं।

बता दें कि एसआइआर के डर से राज्य के उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हावड़ा समेत कई जिलों के विभिन्न इलाकों में बड़ी संख्या में घुसपैठियों को बांग्लादेश वापस जाते हुए देखा जा रहा है। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि घुसपैठियों ने लगभग 15 साल पहले तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से ही बांग्लादेशियों ने यहां बसना शुरू कर दिया था। अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले इन बांग्लादेशियों के पास वैध कागजात नहीं है। इन्हें डर है कि मतदाता सूची में नाम कटने पर इन्हें बंगाल छोड़ना पड़ेगा अथवा हिरासत शिविर में भेज दिया जाएगा। इसीलिए इन्होंने यहां से भागना शुरू कर दिया है।

सीमा पर इकट्ठा हो रहे बांग्लादेशी: बंगाल में उत्तर 24 परगना में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बड़ी संख्या में घुसपैठिये वापस जाने के लिए पिछले कुछ दिनों से समूह में लगातार इकट्ठा हो रहे हैं। इनकी संख्या सैकड़ों में है। जिसके चलते सीमा अभी घुसपैठियों से भरी पड़ी है। ये लोग किसी तरह अपने देश वापस लौटना चाहते हैं। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि हाल के सप्ताह में विशेषकर उत्तर 24 परगना और मालदा जिलों में भारत-बांग्लादेश सीमा के बिना बाड़ वाले इलाकों के जरिये अवैध तरीके से लौटने की कोशिश करने वाले बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या में बड़ी वृद्धि देखी गई है। ये इंतजार कर रहे हैं कि कब उन्हें सीमा पार करने की अनुमति दी जाएगी।

बांग्लादेश वापस जाने के लिए उत्तर 24 परगना जिले में इकट्ठा घुसपैठिए। फाइल

तृणमूल कार्यकर्ता गिरफ्तार

उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली के नैजाट थाना इलाके में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता जमीरुल इस्लाम मोल्ला को बीएलओ के काम में बाधा देने और मनमाने तरीके से गणना फार्म भरने के लिए दबाव देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि बीएलओ को जान से मारने की धमकी भी दी जा रही थी। पुलिस ने संदेशखाली-एक नंबर ब्लाक के बीडीओ की शिकायत पर तृणमूल कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया है।

सीमाएं बदल सकती हैं, भारत में लौट सकता है सिंध : राजनाथ

- रक्षा मंत्री ने सिंधी समाज के कार्यक्रम में लालकृष्ण आडवाणी के कथन को दोहराया
- कहा, सभ्यतागत और सांस्कृतिक तौर पर सिंधवासी हमेशा हमारे बने रहेंगे

नई दिल्ली, एएनआइ: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि बंटवारे के दौरान पाकिस्तान में गया सिंध प्रांत भविष्य में भारत में शामिल हो सकता है। उन्होंने पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के उस कथन का हवाला दिया, जिसमें आडवाणी ने कहा था कि 'सीमाएं स्थायी नहीं होतीं, वे बदल भी सकती हैं। कौन जानता है, कल सिंध दोबारा भारत का हिस्सा बन जाए।'

राजनाथ सिंह ने कहा कि सिंध, जिसे सिंधी समाज की मातृभूमि माना जाता है, भारतीय सभ्यता के मूल केंद्र सिंधु घाटी सभ्यता का अभिन्न हिस्सा रहा है। सिंधी समाज के एक सम्मेलन में उन्होंने कहा, 'आज भले ही सिंध भारत की भौगोलिक सीमा में शामिल नहीं है, लेकिन सभ्यतागत दृष्टि से यह हमेशा भारत का अंग रहा है। जहां तक भूमि की बात है, सीमाएं समय के साथ बदलती रही हैं।'

उन्होंने सिंध क्षेत्र की महत्ता बताते हुए कहा कि 'सिंध के अनेक मुसलमान भी मानते हैं कि सिंधु नदी का पानी मक्का के आब-ए-जमजम से कम पवित्र नहीं है।'

रक्षा मंत्री ने इस मौके पर लालकृष्ण आडवाणी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि आडवाणी ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि उनकी पीढ़ी के सिंधी हिंदू अब तक सिंध के भारत से अलग हो जाने को पूरी तरह स्वीकार नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे सिंधी भाइयों ने सिंधु को पवित्र बनाए रखा है। वे चाहे दुनिया में कहीं भी रहें, वे हमारे अपने हैं और हमेशा हमारे ही रहेंगे।'

कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सिंधी समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में इसकी अहम भूमिका है।

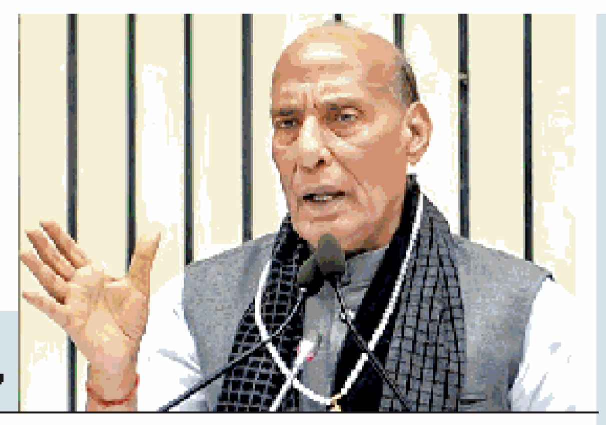

नई दिल्ली में सिंधी समाज के कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। प्रेट्र

व्यापक उद्देश्यों वाले हैं सीएए के प्रविधान

सीएए का व्यापक उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी या ईसाई समुदाय के प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करना है। शर्त ये है कि ये 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में आए हों।

सीएए से शरणार्थी हिंदुओं को मिला हक

राजनाथ ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों में लगातार हिंसा का सामना कर रहे अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए सीएए लाना जरूरी कदम था। हिंदू समुदाय को मदद की जरूरत थी, लेकिन इसे दरकिनार किया गया और पीएम नरेन्द्र मोदी ने उनकी पीड़ा को समझा।

भाजपा का आपरेशन बंगाल शुरू, छह संगठन सचिव तैनात

नई दिल्ली : बंगाल में मार्च-अप्रैल में विधानसभा के चुनाव होने हैं। लेकिन, अमित शाह ने पांच महीने पहले ही छह संगठन सचिवों और छह वरिष्ठ नेताओं को तैनात कर दिया है। बंगाल में भी बिहार और महाराष्ट्र की रणनीति अपनाई गई है। महाराष्ट्र और बिहार को पांच-पांच संभागों में बांटा गया था। बंगाल को छह संभागों में बांटा गया है। (पेज-4)

बैडमिंटन स्टार लक्ष्य बने आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन

सिडनी: भारत के बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने रविवार को अपने करियर की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए आस्ट्रेलियन ओपन 2025 का खिताब जीता। पुरुष सिंगल्स के फाइनल में लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को 21-15, 21-11 से हराया। यह मुकाबला महज 38 मिनट चला, जिसमें भारतीय शटलर ने शुरुआत से अंत तक नियंत्रण बनाए रखा। (पेज-12)

एलएसी पर 10 महिला बीओपी होंगी स्थापित

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- एलएसी पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए आइटीबीपी की पहल
- लद्दाख के लुकुंग और हिमाचल के थांगी में बीओपी पर काम जारी

चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा बढ़ाने के लिए इंडो तिब्बतन बार्डर पुलिस (आइटीबीपी) 10 नई महिला बार्डर आउट पोस्ट (बीओपी) स्थापित करेगी। इन चौकियों पर सिर्फ महिला कर्मियों को ही सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जाएगी। देश में चीन से लगती 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी के अहम हिस्सों में ये विशेष चौकियां स्थापित होंगी। इस दिशा में लद्दाख के लुकुंग व हिमाचल प्रदेश के थांगी में दो महिला पोस्ट स्थापित करने का काम जारी है। फ्रंट पर जल्द अन्य महिला बार्डर आउट पोस्ट भी स्थापित की जाएंगी।

आइटीबीपी के महानिदेशक प्रवीण कुमार ने कहा कि दुर्गम व बर्फीली वास्तविक नियंत्रण रेखा पर महिलाओं की 10 अग्रिम चौकियां स्थापित होंगी। वह ऊधमपुर में आइटीबी के 64वें स्थापना दिवस में हिस्सा लेने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि 2020 में पूर्वी लद्दाख के गलवन में हुए सैन्य टकराव के बाद शुरू किए गए फारवर्डाइजेशन प्लान के तहत अब तक 215 बार्डर आउट पोस्ट स्थापित किए जा चुके हैं। इससे पहले आइटीबीपी के 180 बार्डर आउट पोस्ट हैं। महानिदेशक ने बताया कि हमने फारवर्डाइजेशन प्लान पर गंभीरता से काम किया है। सात नई बटालियनों और एक सेक्टर मुख्यालय की स्थापना ने इस योजना को मजबूत करने के साथ अग्रिम मोर्चों पर निगरानी क्षमता बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि जल्द 41 नए फारवर्ड आउट पोस्ट स्थापित की जाएंगी। इनके स्थापित होने से भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा व समन्वय और मजबूत होगा। महानिदेशक ने बताया कि आइटीबीपी ने प्रशिक्षण संस्थानों को पुनर्गठित किया है। जवानों के लिए पहाड़ी युद्ध, विपरीत हालात में बचने जैसी कलाओं पर आधारित पांच नए स्किल माड्यूल जोड़े गए हैं। आइटीबीपी के जवान देश में 9,000 फीट से लेकर 14,000 फीट से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में सुरक्षा संभाल रहे हैं।

प्रतीकात्मक

अच्छी पहल

शिक्षा मंत्रालय ने की तंबाकू मुक्त यूथ नाम से अभियान के नए चरण की शुरुआत, सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से शैक्षणिक संस्थानों में अभियान शुरू कराने के दिए निर्देश

स्कूल-कालेज चलाएंगे तंबाकू मुक्त पीढ़ी तैयार करने की मुहिम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

स्कूल, कालेज सहित दूसरे शैक्षणिक संस्थान अब सिर्फ पढ़ा-लिखाकर ही देश की नई पीढ़ी को नहीं संवारेंगे बल्कि उन्हें तंबाकू सहित दूसरी बुराइयों से बचाने की भी मुहिम चलाएंगे। शिक्षा मंत्रालय ने बड़ों के साथ बच्चों में भी तंबाकू के इस्तेमाल की बढ़ती लत को देखते हुए देशभर में 'तंबाकू मुक्त पीढ़ी' नाम से बड़ा अभियान शुरू किया है। इसमें स्कूल, कालेज, विश्वविद्यालय, कोचिंग सहित देशभर के सभी शैक्षणिक और प्रशिक्षण संस्थान हिस्सा लेंगे। साथ ही संस्थान और उसके आसपास एक ऐसा परिवेश तैयार करेंगे, जिससे देश की नई पीढ़ी को तंबाकू के किसी भी तरह के इस्तेमाल से बचाया जा सके। शिक्षा मंत्रालय ने इस दौरान ऐसे शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान का भी दर्जा देने का फैसला लिया है जो मंत्रालय की ओर से तय किए गए मानकों पर खरे उतरेंगे। इस दौरान उन्हें सबसे पहले अपने संस्थान को तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित करना होगा। यानी वहां कोई भी तंबाकू का इस्तेमाल न करता हो। संस्थान को इसका बोर्ड भी लगाना होगा। साथ ही परिसर में तंबाकू के इस्तेमाल के कोई सुबूत भी नहीं दिखने चाहिए। इसके अलावा संस्थान परिसर से करीब 100 मीटर की दूरी के क्षेत्र को रेड जोन घोषित किया जाना चाहिए, जहां तंबाकू के किसी भी तरह के उत्पादों की बिक्री न होती हो।

मंत्रालय ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा है कि वह यह सुनिश्चित करें कि सभी शैक्षणिक संस्थान तंबाकू मुक्त पीढ़ी को गढ़ने के अभियान से जुड़ें। मंत्रालय ने इस दौरान सभी शैक्षणिक संस्थानों से तंबाकू के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान को लेकर बच्चों के बीच असेंबली से लेकर कक्षाओं तक में जानकारी देने को कहा है। साथ ही यदि कोई बच्चा इसका इस्तेमाल कर रहा है तो उसे इसे छुड़वाने के लिए काम करें। संस्थान में नियमित रूप से तंबाकू से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों की आयोजन करें। मंत्रालय ने कहा है कि वैसे तो यह अभियान सिर्फ 60 दिनों का है लेकिन स्कूल और दूसरे शैक्षणिक संस्थान इसे लेकर सालभर काम करें।

तंबाकू से निजात पाने की अच्छी पहल। प्रतीकात्मक

अभियान की जरूरत क्यों पड़ी

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस अभियान की जरूरत इसलिए पड़ी है, क्योंकि देश में तंबाकू का इस्तेमाल करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में करीब दस साल की उम्र से ही बच्चों में तंबाकू खाने या धूम्रपान की लत देखने को मिल रही है। जबकि स्कूल जाने वाले 13 से 15 साल तक की उम्र के बच्चों में यह 8.4 प्रतिशत है। माना जा रहा है कि बच्चों में तेजी से फैल रही इस बुराई को यदि समय रहते नहीं थामा गया तो यह विकराल रूप ले लेगा। वैसे भी रिपोर्ट की मानें तो देश में हर साल करीब 13 लाख लोगों यानी हर दिन 3500 लोगों की मौत तंबाकू के किसी न किसी तरह से होने वाले इस्तेमाल के कारण होने वाली बीमारियों से हो रही है। ऐसे में यह पहल काफी महत्वपूर्ण है।

सफेदपोश आतंकी माड्यूल : पकड़े गए मौलवी को बकाया किराये की फिक्र

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- मौलवी के घर आतंकी मुजम्मिल ने लिया था किराये पर कमरा, 2900 किग्रा मिला था विस्फोटक
- पूछताछ में मौलवी बोला-मुजम्मिल ने मेरे घर उर्वरक रखने पर प्रति माह 2500 रुपये देना किया था तय

सफेदपोश आतंकी माड्यूल में पकड़े गए हरियाणा के एक मौलवी से पूछताछ के दौरान एक ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसने पूछताछ केंद्र के माहौल को हल्का कर दिया। पूछताछ के दौरान मौलवी को यह चिंता सताती रही कि जो आतंकी डाक्टर हिरासत में लिए गए हैं, उन्होंने उसका छह महीने का किराया नहीं दिया है, उसे दिला दें।

हरियाणा के मेवात के मौलवी इश्तियाक को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय के बाहर स्थित उसके घर से हिरासत में लिया था। सफेदपोश आतंकी माड्यूल के प्रमुख सदस्य डा. मुजम्मिल इसी मौलवी के घर किराये पर रहता था। मुजम्मिल से पूछताछ के दौरान मौलवी का नाम सामने आया था। उसकी निशानदेही पर ही पुलिस ने मौलवी के घर से करीब 2900 किग्रा. विस्फोटक बरामद किया था।

सूत्रों के अनुसार, मौलवी इश्तियाक ने पूछताछ में दावा किया कि मुजम्मिल और विस्फोट करने वाला उमर ने इस साल की शुरुआत में उससे संपर्क किया था और उससे अपने घर पर उर्वरक रखने को कहा था और 2500 रुपये प्रति माह किराया तय हुआ था। मौलवी ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी, श्रीनगर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अन्य अधिकारियों से मुजम्मिल से बकाया किराया वसूलने को कहा, ताकि वह पैसे घर भेज सके।

****

30 नवंबर को होने वाले एमसीडी के वार्डों के उपचुनाव के लिए बुजुर्गों का घर से मतदान आरंभ हो गया है। उन्हें घर जाकर निर्वाचन कर्मी मतदान करा रहे हैं। कुल 12 वार्ड के लिए हो रहे मतदान में 80 वर्ष से अधिक उम्र के 14,471 मतदाता हैं। जिनके लिए यह सुविधा दी गई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 24 नवंबर, 2025

आज का मौसम

सोमवार को सुबह के समय हल्का कोहरा होगा। दिन में आसमान साफ रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
24 नवंबर	25.0	10.0
25 नवंबर	25.0	9.0
नोएडा		
24 नवंबर	26.0	10.0
25 नवंबर	25.0	9.0
गुरुग्राम		
24 नवंबर	25.0	12.0
25 नवंबर	25.0	11.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

छात्र खुदकुशी मामले में दो शिक्षिकाओं से हुई पूछताछ

नई दिल्ली: राजेंद्र नगर में सेंट कोलंबस स्कूल के दसवीं की छात्र के आत्महत्या किए जाने के मामले में आरोपित चार में से दो शिक्षिकाओं से रविवार को पूछताछ की गई। इससे पहले पुलिस ने चारों शिक्षिकाओं को पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया था। इसके बाद दो शिक्षिकाएं पुलिस के समक्ष पेश हुईं। बता दें कि 18 नवंबर को छात्र ने स्कूल से छुट्टी के बाद राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन पर प्लेटफार्म से कूदकर खुदकुशी कर ली थी। (जासं)

प्लाट दिलाने के नाम पर एम्स के विज्ञानी से 60 लाख ठगे

नई दिल्ली: वसंतकुंज दक्षिण थाना क्षेत्र निवासी व एम्स में कार्यरत विज्ञानी के साथ 60 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने अपना घर बनाने के लिए शांतिकुंज इलाके में एक प्लाट देखा था, जिसे खरीदने के लिए उसने प्लाट के मालिकों से संपर्क किया। आरोपितों ने पीड़ित से रुपए तो ले लिए पर प्लाट नहीं दिया। पीड़ित की शिकायत पर वसंतकुंज दक्षिण थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। (जासं)

कैंसर की एक्सपायर दवा की तस्करी करने वाले तीन धरे

गाजियाबाद: पुलिस और औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने कैंसर मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह दिल्ली से केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के लिए आपूर्ति की जाने वाली दवाओं को चोरी से मांगकर महाराष्ट्र और दिल्ली में बेच रहा था। इसके साथ ही, कैंसर की एक्सपायर दवाओं को भी इसी तरह से बेचा जा रहा था। पुलिस ने 19 लाख रुपए की कैंसर की दवाएं और 8.85 लाख रुपए बरामद किए गए हैं। (जासं)

दिल्ली की हवा 'बहुत खराब', अगले तीन दिन ऐसे ही रहने के आसार

बढ़ा प्रदूषण ▶ स्विस एप आइक्यू एयर ने सुबह साढ़े नौ बजे एक्यूआइ 463 जबकि जो रात साढ़े नौ बजे 461 यानी 'खतरनाक' श्रेणी में दर्ज किया

राज्य ब्यूरो, जागरण। नई दिल्ली

सर्द मौसम और हवा की रफ्तार कम होने से दिल्ली में प्रदूषण का स्तर रविवार को और बढ़ गया। इसीलिए समग्र दिल्ली का एक्यूआइ कहने को 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा, लेकिन था 'गंभीर' श्रेणी से थोड़ा ही नीचे। हवा में मानकों से साढ़े तीन गुना से भी ज्यादा प्रदूषक कण मौजूद रहे। वजीरपुर और विवेक विहार का एक्यूआइ तो रविवार को 'अति गंभीर' श्रेणी में यानी 450 से भी ऊपर पहुंच गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, रविवार को दिल्ली का औसत एक्यूआइ 391 रहा। इस स्तर की हवा को 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले शनिवार को यह 370 रहा था। बीते 24 घंटे के दौरान इसमें 21 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। मानकों के मुताबिक हवा में पीएम 10 का स्तर 100 और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम रहने पर ही उसे स्वास्थ्य के लिए हितकर माना जाता है। लेकिन रविवार अपराहन चार बजे पीएम 10 का औसत स्तर 373.3 और पीएम 2.5 का औसत स्तर 215.8 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर रहा। यानी हवा में अभी प्रदूषक कणों का स्तर सामान्य से साढ़े तीन गुना से भी ज्यादा है।

सीपीसीबी के समीर एप के अनुसार, दिल्ली के 19 निगरानी केंद्रों ने 'गंभीर' वायु गुणवत्ता दर्ज की और शेष 19 केंद्रों ने 300 से अधिक रीडिंग के साथ 'बहुत खराब' वायु गुणवत्ता दर्ज की। वहीं स्विस एप आइक्यू एयर के मुताबिक सुबह साढ़े नौ बजे दिल्ली का एक्यूआइ 463 यानी 'खतरनाक' श्रेणी में दर्ज किया गया था, जो रात साढ़े नौ बजे 461 यानी 'खतरनाक' श्रेणी में दर्ज किया गया। दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के साथ ही दो जगहों का एक्यूआइ 450 से ऊपर पहुंच गया। वायु गुणवत्ता के मानकों के मुताबिक 450 से ऊपर जाने पर उसे 'अति गंभीर' श्रेणी में रखा जाता है। रविवार तीन बजे वजीरपुर और विवेक विहार का एक्यूआइ 'अति गंभीर' श्रेणी में रहा। कुल मिलाकर 18 जगहों का एक्यूआइ 400 से ऊपर यानी 'गंभीर' या 'अति गंभीर' श्रेणी में है।

राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के विरोध इंडिया गेट पर प्रदर्शन करते लोग। जागरण

इंडिया गेट पर लोगों का वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन

जासं, नई दिल्ली: दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर रविवार को इंडिया गेट पर लोगों ने प्रदर्शन किया। दिल्ली की गंभीर होती वायु गुणवत्ता को देखते हुए प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न संदेश लिखे पोस्टर उठाए। इनमें गैस का चैंबर बन गई दिल्ली, दिल्ली को बचाओ जैसे नारे प्रमुख थे, जो प्रदूषण से पैदा हुए भय और चिंता को खुलकर व्यक्त कर रहे थे। इस प्रदर्शन में आम लोगों के साथ जेएनयू के छात्र, सामाजिक संगठ, पर्यावरण कार्यकर्ता और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए।

राजस्थान के दस शहरों में सांस लेना मुश्किल

जागरण संवाददाता, जयपुर

▶ सीकर में सांस लेने में समस्या होने पर 22 लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया

राजस्थान के दस शहरों में दो दिन से लोगों का सांस लेना मुश्किल हो रहा है। धुंध का प्रभाव बढ़ने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। उत्तर-पश्चिम से आ रही हवाओं के कारण प्रदेश के कई जिलों में सुबह सात बजे तक दृश्यता क्षमता कम हो रही है। इसके असर से राज्य के दस शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) का स्तर बिगड़ गया है। एनसीआर में शामिल प्रदेश के भिवाड़ी में 383, जयपुर के सितापुरा क्षेत्र में 343 और टोंक में 311 तक पहुंच गया। साथ ही कोटा, सीकर, अलवर, चूरू, जैसलमेर, जोधपुर, करौली, नागौर, सवाईमाधोपुर, श्रीगंगानगर में एक्यूआई का स्तर 200 से अधिक दर्ज किया गया है। उधर सीकर जिले के औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार रात को लोगों को सांस लेने में परेशानी के साथ ही सीने में दर्द होने लगा। स्वास्थ्य बिगड़े पर 22 लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जिन्हें उपचार के बाद रविवार को घर भेज दिया गया। लोगों ने बताया कि अचानक सांस लेने में परेशानी होने के साथ सीने में दर्द होने लगा। पहले तो अधिकांश लोगों ने घरों में ही प्राथमिक उपचार करने का प्रयास किया, लेकिन सुधार नहीं होने पर एसके.अस्पताल में भर्ती करवाया गया। चिकित्सकों का कहना है कि सभी मरीज अब स्वस्थ हैं। फैक्ट्री से निकलने वाले धुएं के कारण उन्हें तकलीफ हुई थी। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस फैक्ट्री से ज्यादा धुआं निकला वहां पुराने कपड़े जलाकर उनमें से तांबा निकालने का काम होता है। शनिवार रात को भी यही काम हो रहा था। वायु प्रदूषण एवं मौसम के कारण अस्थमा रोगियों को सांस लेने में काफी मुश्किल हो रही है।

छतरपुर में फ्लैट से 262 करोड़ कीमत की 328.54 किलो ड्रग्स बरामद

कार्रवाई ▶ एनसीबी व स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस ने दो सदस्यों को किया गिरफ्तार

नगालैंड की रहने वाली युवती ने छतरपुर में मेथामफेटामाइन तस्करी के लिए किराए पर लिया था फ्लैट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस के साथ मिलकर नगालैंड की रहने वाली युवती समेत दो ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर एक अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ड्रग्स कार्टेल का पर्दाफाश किया है। यह कार्रवाई आपरेशन क्रिस्टल फोर्ट्रेस के तहत की गई। इनकी निशानदेही पर छतरपुर स्थित किराए के फ्लैट से 262 करोड़ रुपये कीमत की 328.54 किलोग्राम मेथामफेटामाइन नामक ड्रग्स बरामद की गई।

युवती ने छतरपुर में यह फ्लैट ड्रग्स तस्करी के लिए किराए पर लिया था। एजेंसी का दावा है कि इस सिंडिकेट के तार दुबई से लेकर दिल्ली व पूर्वोत्तर राज्यों तक फैले हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली में मेथामफेटामाइन की यह सबसे बड़ी जब्ती में से एक है। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एनसीबी की इस कार्रवाई को ड्रग्स मुक्त भारत की दिशा में बड़ा कदम बताया है।

एनसीबी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तस्करों के नाम शाने वारिस व एस्थर किनिमी है। शाने वारिस को 20 नवंबर की सुबह दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अमरोहा के मंगरौली गांव का रहने वाला है। वह पिछले कुछ महीने से नोएडा सेक्टर-पांच में किराए के मकान में रह रहा था और फेक सिमकार्ड, वाट्सएप, जैंगी और दूसरे सुरक्षित एप से दुबई से एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन के जरिये जुड़ा हुआ था। दुबई में बैठे सरगना के इशारे पर वह दुबई से आने वाले सिंथेटिक ड्रग्स की डिलीवरी, पिकअप और स्टोरेज मैनेज करता था। उससे पूछताछ के बाद ही एस्थर किनिमी को गिरफ्तार किया गया। शाने वारिस की निशानदेही पर एनसीबी की टीम शनिवार की रात छतरपुर एन्क्लेव फेज-दो, जैन हाउस की चौथी मंजिल पर फ्लैट नंबर 402 पहुंची तो एक कमरे से 328.54 किलो मेथामफेटामाइन ड्रग्स बरामद हुई। यह फ्लैट अस्थायी स्टोरेज के तौर पर इस्तेमाल हो रहा था। एनसीबी को शक है कि यह एक ठिकाना नहीं, बल्कि बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है।

एनसीबी द्वारा बरामद मेथामफेटामाइन ड्रग्स। सौजन्य: एनसीबी

हमारी सरकार बहुत तेज़ी से ड्रग्स कार्टेल को खत्म कर रही है। ड्रग्स की जांच के लिए टाप टू बाटम और बाटम टू टाप अप्रोच को सख्ती से अपनाते हुए नई दिल्ली में 262 करोड़ कीमत का 328 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की जब्ती और दो लोगों की गिरफ्तारी से एक बड़ी कामयाबी मिली। यह आपरेशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नशामुक्त भारत के विजन की दिशा में कई एजेंसियों के बीच सीमलैस तालमेल का एक शानदार उदाहरण था। एनसीबी और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम को बधाई।
– अमित शाह, गृह मंत्री (एक्स पर पोस्ट)

पोर्टर जैसे डिलीवरी एप से तस्करी

शाने वारिस नोएडा में सेल्स मैनेजर बनकर घूम रहा था और गुपचुप तरीके से करोड़ों की ड्रग्स का रैकेट चला रहा था। उसने पूछताछ में बताया एस्थर किनिमी ने उसे हाल ही में एक कंसाइनमेंट दिया था। वह खुद सामने नहीं आती थी बल्कि पोर्टर जैसे डिलीवरी एप के जरिए राइडर के हाथ ड्रग्स आपूर्ति करती थी।

तस्करी में इस्तेमाल होने के बाद बदल दिए जाते थे फोन

एनसीबी का कहना है कि दुबई से लेकर दिल्ली और पूर्वोत्तर राज्यों तक फैले इस सिंडिकेट को ट्रैक करना आसान नहीं था क्योंकि लोकेशन बार-बार बदली जा रही थी और कंसाइनमेंट हमेशा मूव में रहते थे। तस्करी में इस्तेमाल होने वाले फोन कुछ घंटे बाद बदल दिए जाते थे लेकिन टीम ने टेक्निकल सर्विलांस, ह्यूमन इंटेलिजेंस और क्रास स्टेट इंफो शेयरिंग के जरिए धीरे-धीरे सिंडिकेट का पता लगा लिया।

नगर निगम के उपचुनाव प्रचार में भाजपा ने लगाई ताकत

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

▶ पार्टी ने रविवार को 50 चुनावी सभाएं और बैठक कीं

▶ सीएम रेखा गुप्ता ने सात स्थानों पर किया जनसंपर्क

नगर निगम उपचुनाव के प्रचार में तेजी आने लगी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित दिल्ली भाजपा के सभी नेता अपने प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। कार्यकर्ता जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। रविवार को उपचुनाव वाले 12 वार्डों में भाजपा की 50 चुनावी बैठकें और नुक्कड़ सभाएं हुईं।

उपचुनाव के लिए अगले रविवार (30 नवंबर) को मतदान है। उपचुनाव वाले 12 वार्डों में से नौ पर भाजपा का कब्जा था। इन वार्डों में जीत दोहराने और आम आदमी पार्टी के कब्जे वाले तीन वार्डों में भी प्रदर्शन सुधारने की चुनौती है। इसे ध्यान में रखकर पार्टी चुनाव प्रचार में पूरी ताकत लगा रही है। प्रत्येक उपचुनाव वाले वार्ड में दिल्ली सरकार के मंत्री को प्रभारी बनाया गया है। विधायक या वरिष्ठ पदाधिकारी चुनाव संयोजक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। रविवार को सुबह कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क अभियान चलाया। मुख्यमंत्री ने अशोक विहार, वेस्ट विनोद नगर, संगम विहार, ग्रेटर कैलाश, नारायणा सहित सात स्थानों पर चुनावी सभाओं और पन्ना प्रमुखों की बैठकों को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से परिश्रम के साथ मतदाताओं के बीच जनसंपर्क करने का आह्वान किया। चुनावी सभाओं में लोगों से ट्रिपल इंजन की सरकार को समर्थन देने की अपील की। कहा कि दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से विकास कार्य में तेजी आई है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा प्रत्याशियों को लोगों का समर्थन मिल रहा है। भाजपा अपनी संगठनात्मक शक्ति के बल पर चुनाव मैदान में उतरता है। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम जीत सुनिश्चित करते हैं। लोग केंद्र और दिल्ली सरकार के काम के आधार पर मतदान करेंगे। दिल्ली सरकार के कई मंत्री, सांसद, विधायक व पार्टी के पदाधिकारियों ने अलग-अलग वार्डों में चुनाव प्रचार किया।

वेस्ट विनोद नगर में आयोजित जनसभा में लोगों का अभिवादन स्वीकार करतीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। पारस कुमार

दूसरे पक्ष को परेशान करने को नहीं हो सकती स्थगन या पास-ओवर की मांग

जासं, नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने अधिवक्ता की अनुपलब्धता या अस्वस्थ होने के कारण स्थगन या पास-ओवर की मांग पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने कहा कि सुनवाई स्थगित करने या पास ओवर देने का निर्णय अदालत की ओर से वकील को दी गई सुविधा है। इसका उपयोग दूसरे पक्ष को परेशान करने के लिए नहीं किया जा सकता।

हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर की। 2006 के एक मुकदमे में ट्रायल कोर्ट ने बचाव पक्ष के गवाह से जिरह करने की मांग पर रोक लगा दी थी। इस फैसले के खिलाफ दायर याचिका में तर्क दिया गया था कि वादी ने अदालत द्वारा लगाए जुर्माने का भुगतान नहीं किया था। पीठ ने याचिकाकर्ता के तर्क को खारिज कर दिया कि दोपहर दो बजे तक पास ओवर मांगा था। पीठ ने कहा कि स्थगन का अनुरोध मुख्य वकील की बीमारी के आधार पर किया गया था, लेकिन जब मेडिकल दस्तावेज मांगे गए तो प्राक्सी वकील ने पारिवारिक कारणों का हवाला दिया।

निवेश के नाम 5.92 करोड़ रुपए की ठगी के मामले में चार गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ इनके खातों का इस्तेमाल अलग-अलग राज्यों में ठगी के 10 मामले में किया गया

अच्छा रिटर्न दिलाने का लालच देकर एक पीड़ित से निवेश के नाम पर 5.92 करोड़ रुपए की ठगी करने के मामले में क्राइम ब्रांच ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। साइबर सिंडिकेट ने इन लोगों के खातों का इस्तेमाल किया था। वहीं इस सिंडिकेट ने इनके बैंक खातों का इस्तेमाल अलग-अलग राज्यों में साइबर ठगी के 10 अन्य मामलों में भी किया है। नेशनल क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल की जांच से पुलिस को यह जानकारी मिली, जिनमें 1.1 करोड़ रुपए ठगे जाने का पता चला है। ये सभी आरोपित हल्द्वानी के रहने वाले हैं और क्राइम ब्रांच ने इन्हें वहीं से गिरफ्तार किया है।

डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार गिरफ्तार अनस अंसारी ने अपने बैंक खाते आरोपित दानिश को दिए थे। इसे ठगी से मिले रुपए में से नकद में कमीशन मिलता था। मोहम्मद कैफ ने साइबर सिंडिकेट को कई बैंक खाते उपलब्ध कराए थे। इसे भी खातों में आए रुपए में से कमीशन काटकर शेष रकम नकद निकाल कर हैंडलर को दे दी जाती थी। आकिब ने भी अपना बंधन बैंक का खाता साइबर ठगों को दिया था। हैंडलर के साथ इसने भी ओटीपी और अकाउंट एक्सेस शेयर किया और कमीशन काटकर रुपए दे दिए थे। वहीं दानिश ने दुबई के एक हैंडलर के लिए म्यूल खाते का इंतजाम किया था। यह सिंडिकेट के आपरेटरों को गैर-कानूनी पैसे निकालने और बांटने में सहयोग करता था।

डीसीपी ने बताया कि बीती 17 अप्रैल को स्पेशल सेल में 5.92 करोड़ रुपए की ठगी का मामला दर्ज किया गया था, जिसकी जांच कर चारों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। ठगने के लिए फेसबुक पर एक युवती ने संपर्क किया था। युवती ने बताया कि वह मुंबई की एक एनबीएफसी से जुड़ी है। ठगों ने दो महीने से ज्यादा तक पीड़ित को धोखाधड़ी वाले ज्यादा रिटर्न वाले ट्रेडिंग अकाउंट में निवेश करने के लिए उकसाया।

26 नवंबर को दिल्ली विधानासभा आएंगे उपराष्ट्रपति

वि. जागरण, नई दिल्ली : दिल्ली विधानसभा 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाएगी, जो 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान के अंगीकरण की ऐतिहासिक स्मृति को समर्पित है। इस दिन दिल्ली विधानसभा में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन एक विशेष रूप से तैयार काफी टेबल बुक का विमोचन करेंगे, जो भारत के प्रथम निर्वाचित भारतीय स्पीकर विट्ठलभाई पटेल के 24 अगस्त, 1925 को केंद्रीय विधानसभा के अध्यक्ष चुने जाने के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रकाशित की जा रही है।

एलजी वीके सक्सेना व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी समारोह में शामिल रहेंगीं। कार्यक्रमों के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा तैयार तीन मिनट की लघु फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। इसे लेकर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को दिल्ली पुलिस, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), उद्यान विभाग व विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक कर 75वें संविधान दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की।

इतिहास का इंसाफ, समागम में सिख गुरुओं के वंदन में दंडवत लाल किला

नेमिष हेमंत ● जागरण

नई दिल्ली : इतिहास कैसे बदलता है, वह कैसे अपना इंसाफ लेता है। यह नजदीक से देखना हो तो लालकिले में चल रहे अध्यात्म और वीरता से ओतप्रोत समागम में पहुंचें। जिस किले से ठीक 350 वर्ष पहले अहंकारी, उन्मादी और धर्मांध मुगल सम्राट औरंगजेब ने नौवें गुरु तेग बहादुर जी के सिर को कलम करने का आदेश दिया था, वह किला कैसे आज उसी सिख परंपरा के गुरुओं के साहस को प्रणाम कर रहा है। जहां आज गुरुद्वारा सीसगंज साहिब मौजूद हैं। वहां औरंगजेब के आदेश से गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान हुआ था।

वह मैदान जहां जमी मुगल सेना के बर्बर सैनिक भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी को क्रूरता की हदों से आगे जाकर हत्या के वक्त अट्टाहस कर रही थी, वह आज गुरुओं का वंदन करते हुए दंडवत है। चहुंओर धर्म व अध्यात्म का संगम है। गुरुवाणी गुंजायमान है। मैदान एक ओर से दूसरी ओर तक गुरु गुणगान में रमा हुआ है। समागम में देशभर से संगत जुटा हुआ है। जिसके लिए लाल किले में टेंट सिटी बनी है। संगत में बच्चों के गुरुवाणी का पाठ देखते ही बन रहा है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी व दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित यह समागम 19 से आरंभ है, जिसमें लाल किले की दिवार पर ही भव्य साउंड एंड लाइट शो के माध्यम से गुरुओं व सिख धर्म की महानता और शौर्य गाथा दर्शायी जा रही है। विवार से 25 नवंबर तक भव्य तीन दिवसीय सिख समागम (कीर्तन दरबार) का शुभारंभ हो गया है। जिसमें गुरु साहिब के जीवन, सत्य और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद किया जा रहा है।

गुरु तेग बहादुर के 350वें बलिदान दिवस पर लालकिला में लाइट व साउंड शो का आयोजन। जागरण

रविवार को व्यापार मेले में पहुंचे एक लाख से अधिक लोग

दर्शकों का हुजूम

छूट मिलने से मेले में लोगों ने की जमकर खरीदारी, 27 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का होगा समापन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

समापन की तरफ बढ़ रहे 44वें अंतरराष्ट्रीय मेले में रविवार को दर्शकों का हुजूम देखने को मिला। सुबह से ही मेले में भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। शाम तक स्थिति यह हो गई थी कि निर्बाध आवागमन में भी परेशानी होने लगी थी। गुरुवार को मेले का समापन हो जाएगा। इसलिए मेले में छूट मिलने लगी है और लोग खरीदारी भी खूब कर रहे हैं।

मेला आयोजक भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आइटीपीओ) के मुताबिक रविवार को एक लाख दो हजार 492 लोगों मेले का भ्रमण किया। रविवार को भी बिहार मंडप लोगों की भीड़ और उत्साह का केंद्र बना रहा। चाहे वह हैंडलूम हो, हैंडमेड उत्पाद हों या जीविका दीदियों के स्वदेशी हैंड मेड उत्पाद। मंडप की स्टालों पर उमड़ी भीड़ ने साबित कर दिया कि देशभर के लोग बिहार की कला, संस्कृति और उनके उत्पादों को कितने मन से अपनाते और सराहते हैं। फोकस स्टेट के रूप में शामिल झारखंड मंडप इस वर्ष दर्शकों का खास आकर्षण बना हुआ है। यहां प्रदर्शित आदिवासी एवं सिल्वर आभूषण दर्शकों को अपनी ओर खींच रहा है। झारखंड के प्रसिद्ध आदिवासी आभूषण जैसे हसुली, ठेला, पैरी, बंगारी तथा अन्य चांदी एवं धातु के आभूषण अपने अनूठे डिजाइन, पारंपरिक तकनीक और सांस्कृतिक महत्व के कारण लोगों को बेहद पसंद आ रहे हैं। स्टाल संचालिका गीता रानी ने बताया कि विशिष्ट डिजाइन, सांस्कृतिक पहचान और किफायती कीमतों ने झारखंड के आभूषण को दर्शकों के बीच तेजी से पसंदीदा बनाया है। पर्यटन विभाग द्वारा पतरातू वैली, नेतरहाट, सारंडा फारेस्ट, बेतला नेशनल पार्क, चांडिल डैम और पारसनाथ जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का वर्चुअल रियलिटी प्रस्तुतीकरण भी दर्शकों को अनुभव प्रदान कर रहा है। इसके अलावा दर्शक हाल नं. नौ, 10, 11 में भी घरेलू उपयोग के सामान की खरीदारी करते नजर आए। विदेशी स्टाल भी दर्शकों को भा रहा है। फूड कोर्ट में लोग विभिन्न राज्यों के व्यंजनों का लुत्फ लेते भी नजर आए।

भारत मंडपम में चल रहे भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के झारखंड मंडप में रविवार को मेला घूमने पहुंचे लोगों की भीड़। हरीश कुमार

एएआइ के मंडप में कैरियर के बारे में जानकारी लेते दिखे युवा

हाल नं. एक में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआइ) के मंडप में भी रविवार को खासी भीड़ देखने को मिली। खासकर युवा तो यहां पंक्तिबद्ध होकर कैरियर के बारे में जानकारी लेते देखे गए। लोगों ने लाइव एटीसी प्रदर्शन के जरिये यह भी जाना कि हवाई जहाज उड़ते हुए नीचे से किस तरह जुड़े रहते हैं। कैसे उन्हें सिग्नल मिलते हैं और कैसे उन्हें नीचे से निर्देश दिए जाते हैं।

जेएनयू की लाइब्रेरी से हटाया गया फेस रिकग्निशन सिस्टम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनएसयू) के विरोध के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन को सेंट्रल लाइब्रेरी में लगाए गए फेस रिकग्निशन सिस्टम (चेहरे की पहचान प्रणाली) को हटाना पड़ा। छात्र इसे निगरानी बढ़ाने, प्रवेश सीमित करने और विश्वविद्यालय की लोकतांत्रिक परंपरा को कमजोर करने वाला कदम मान रहे थे। छात्र संघ ने कहा कि यह जीत उस सामूहिक प्रतिरोध का परिणाम है, जिसमें छात्रों ने किसी भी तरह की निगरानी व्यवस्था को कैंपस में स्थापित होने से रोकने का संकल्प लिया।

छात्रों का कहना है कि मुख्य लाइब्रेरियन मनोरमा त्रिपाठी लगातार इस प्रणाली को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही थीं। वहीं, पूर्व छात्र संघ को आश्वासन दिया गया था कि किसी भी निर्णय से पहले एक समिति का गठन होगा और छात्रों से विचार-विमर्श किया जाएगा। छात्रों के अनुसार न तो समिति बनी और न ही कोई चर्चा हुई। इसके उलट, व्यवस्थाओं को चुपचाप आगे बढ़ाया जाता रहा और इसे लागू करने के प्रयास तेज होते गए। छात्रों ने आरोप लगाया कि उनसे बार-बार ईमेल के माध्यम से अपने बायोमेट्रिक डेटा की मांग की जा रही थी, जैसे उनकी सहमति पहले ही ले ली गई हो। प्रशासन इसे तकनीकी सुधार बताकर पेश कर रहा था, जबकि यह व्यवस्था प्रत्यक्ष रूप से छात्रों के अधिकारों, गोपनीयता और कैंपस की लोकतांत्रिक प्रकृति को प्रभावित करती है।

जेएनयूएसयू ने कहा विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी केवल छात्रों के लिए ही नहीं, बल्कि शोधार्थियों, पूर्व छात्रों और व्यापक अकादमिक समुदाय के लिए भी खुली जगह होनी चाहिए।

****

2035 तक विकासशील देशों के लिए क्लाइमेट फंडिंग तिगुना हो जाएगी। लेकिन काप-30 सम्मेलन में जीवाश्म ईंधनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की रूपरेखा तय करने पर सहमति नहीं बन सकी।

सरकार के खिलाफ फैसला नहीं तो जज स्वतंत्र नहीं की धारणा गलत : गवई

निवर्तमान सीजेआइ ने कहा- एससी/एसटी कोटा से क्रीमीलेयर को अलग करना जरूरी

माला दीक्षित ● जागरण

- कहा-केस इस आधार पर तय नहीं होता कि वादी सरकार है या नहीं
- सेवानिवृत्ति के बाद नहीं लेंगे कोई पद, आदिवासी क्षेत्र में समाज सेवा करेंगे

जस्टिस बीआर गवई। फाइल

नई दिल्ली: सेवानिवृत्त हुए प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि कुछ वर्गों का यह सोचना है कि अगर आपने सरकार के खिलाफ फैसला नहीं दिया तो आप स्वतंत्र जज नहीं हैं। एक जज के बारे में यह सोच ठीक नहीं है। केस इस आधार पर तय नहीं किया जाता कि मुकदमेदार सरकार है या कोई निजी व्यक्ति। निर्णय जज के सामने मौजूद दस्तावेजों के आधार पर होता है, उसमें सरकार जीत भी सकती है हार भी सकती है। इसके अलावा, गवई ने एससी/एसटी आरक्षण से प्रभावशाली व संपन्न लोगों को बाहर किए जाने की पुरजोर पैरवी करते हुए कहा कि इससे समानता आएगी और ज्यादा जरूरतमंद लोगों को लाभ होगा।

पहले बौद्ध व दूसरे दलित सीजेआइ गवई ने अपने निवास पर पत्रकारों से कहा कि आरक्षण उन लोगों तक जरूर पहुंचना चाहिए, जिन्हें इसकी वाकई जरूरत है। अगर इसके लाभ बार-बार उन्हीं परिवारों को मिलते रहेंगे तो एक वर्ग में ही और वर्ग बन जाएंगे। उन्होंने पूछा कि अगर एक ही गांव से एक मुख्य सचिव के बेटे या एक भूमिहीन मजदूर की संतान को एक आइएएस अधिकारी या आइपीएस अधिकारी के बेटे से प्रतियोगिता करनी हो तो क्या यह समानता का मुकाबला होगा? उन्होंने चेताया कि अगर आरक्षण से क्रीमीलेयर को अलग नहीं किया गया तो पीढ़ियों तक इसका लाभ कुछेक परिवारों तक ही सीमित रहेगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस पर अंतिम निर्णय तो कार्यपालिका और संसद को ही लेना है।

जस्टिस गवई ने कहा कि अगर न्यायपालिका में भरोसा कायम रखना है तो उसकी स्वतंत्रता हमेशा बनाए रखी जानी चाहिए। यह आलोचना होती है कि जज ही जज की नियुक्ति करते हैं, लेकिन मेरा सोचना है कि यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखने में मददगार है। कहा कि हम लोग नियुक्ति के वक्त कार्यपालिका की भी राय लेते हैं, आइबी रिपोर्ट पर विचार किया जाता है। न्याय और कानून मंत्रालय की राय देखी जाती है और संतुलित नजरिया अपनाया जाता है। कुछ वर्गों में यह सोच है कि जब तक आपने सरकार के खिलाफ फैसला नहीं दिया तो आप स्वतंत्र जज नहीं हैं। यह सही सोच नहीं है। कोलेजियम व्यवस्था पर जस्टिस गवई ने कहा कि कोई भी व्यवस्था फूलप्रूफ नहीं होती लेकिन यह सिस्टम अच्छा है। नियुक्ति में भाई-भतीजावाद पर उन्होंने कहा कि यह धारणा गलत है। मैं ऐसा नहीं मानता। 10 या 20 प्रतिशत ही जजों के रिश्तेदार नियुक्त होते होंगे। सिर्फ जज का रिश्तेदार होने के आधार पर उनकी मेरिट को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

घर में नकदी मिलने के मामले में महाभियोग प्रक्रिया का सामना कर रहे इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने से संबंधित सवाल पर उन्होंने मामला संसद में लंबित होने की बात कहते हुए जवाब देने से मना कर दिया। न्यायपालिका में सुधार की प्राथमिकताओं पर जस्टिस गवई ने कहा कि न्यायपालिका में सभी स्तरों पर लंबित मुकदमों की संख्या समस्या है। सबसे बड़ी प्राथमिकता लंबित मुकदमों का निपटारा है। एआइ का प्रयोग और मुकदमों का वर्गीकरण करके उससे निपटा जाना चाहिए। उन्होंने अपने कार्यकाल और काम के प्रति संतोष जताते हुए दोहराया कि वह सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद नहीं लेंगे। उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद आदिवासी क्षेत्रों में समाजसेवा करने की बात कही।

जस्टिस सूर्यकांत आज 53वें प्रधान न्यायाधीश की शपथ लेंगे

- 15 महीने प्रधान न्यायाधीश के पद पर रहेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज सूर्यकांत
- अनुच्छेद 370, एसआइआर, पेगासस पर फैसले देने वालों में रहे हैं शामिल

जस्टिस सूर्यकांत। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे। जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त करने, बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) और पेगासस स्पाइवेयर मामले पर अहम फैसले देने वाली पीठों का हिस्सा रहे जस्टिस सूर्यकांत निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई का स्थान लेंगे जो रविवार शाम को सेवानिवृत्त हो गए।

जस्टिस सूर्यकांत को 30 अक्टूबर को अगले प्रधान न्यायाधीश के रूप में नामित किया गया था और वह लगभग 15 महीनों तक इस पद पर रहेंगे। वह 9 फरवरी, 2027 को 65 वर्ष की उम्र में इस पद से सेवानिवृत्त होंगे। जस्टिस सूर्यकांत हाल ही में प्रेसीडेंशियल रेफरेंस पर फैसला सुनाने वाली पीठ का भी हिस्सा रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा तय किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट की राय मांगी थी। राजद्रोह कानून को निलंबित रखने वाली पीठ का हिस्सा रहे जस्टिस सूर्यकांत ने निर्देश दिया था कि इस पर कोई नई एफआइआर दर्ज नहीं की जाए जब तक कि सरकार इसकी समीक्षा न करे।

जस्टिस कांत ने बिहार में मसौदा मतदाता सूची से 65 लाख मतदाताओं को बाहर करने के चुनाव आयोग के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई करते हुए आयोग को इन मतदाताओं के विवरण को उजागर करने के लिए भी प्रेरित किया।

उन्होंने रक्षा बलों के लिए वन रैंक-वन पेंशन योजना को संविधान के अनुसार मान्य ठहराया और स्थायी कमीशन में समानता की मांग करने वाली महिला अधिकारियों की याचिकाओं की सुनवाई जारी रखी। उन्होंने पेगासस स्पाइवेयर मामले की सुनवाई की और अवैध निगरानी के आरोपों की जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों की समिति का गठन किया।

'सही तरीके से लागू करने को लोकपाल कानून में बदलाव की जरूरत'

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकपाल कानून में 'किसी भी तरह की मर्जी की गुंजाइश को रोकने' और इसे सही तरीके से लागू करने के लिए इसमें बदलाव की जरूरत है। सूत्रों ने कहा कि सरकार के कुछ हलकों में ऐसी भावना प्रबल है कि एक दशक से भी पहले बने इस कानून के कुछ नियमों पर अब 'फिर से विचार' किया जाए।

राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम 2013 एक जनवरी, 2014 को अस्तित्व में आया। हालांकि, इसने अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के बाद 27 मार्च, 2019 को ही काम करना शुरू किया। फिलहाल लोकपाल के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अजय माणिकराव खानविलकर हैं, और इसमें आठ सदस्य हो सकते हैं - चार ज्यूडिशियल और चार नान-ज्यूडिशियल।

सूत्रों ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि मौजूदा अध्यक्ष ने मामलों की सुनवाई करते समय सभी सदस्यों वाली और खुद की अध्यक्षता वाली एकल पीठ के जरिये काम करने का फैसला किया है। कानून में भ्रष्टाचार की शिकायतों पर फैसला करने के लिए दो या उससे ज्यादा ज्यूडिशियल और नान-ज्यूडिशियल सदस्यों वाली अलग-अलग पीठों को काम करने की इजाजत देने का प्रविधान है।

भारतीय नौसेना में आज शामिल होगा पनडुब्बियों का दुश्मन स्वदेशी युद्धपोत 'माहे'

भारतीय नौसेना में शामिल होने वाला आइएनएस माहे। प्रेट्र

नई दिल्ली, आइएएनएस: देश की रक्षा तैयारियों के मामले में नौसेना आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से एक और कदम बढ़ाने जा रही है। 80 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री से तैयार पनडुब्बियों के दुश्मन युद्धपोत 'माहे' को सोमवार को नौसेना में शामिल किया जाएगा। माहे श्रेणी का ये पहला अत्याधुनिक युद्धपोत है, जो नौसेना में शामिल होने जा रहा है। ऐसे आठ युद्धपोत और तैयार करने की योजना है।

माहे श्रेणी के 'एंटी सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट' की कमीशनिंग समारोह मुंबई स्थित नेवल डाकयार्ड में आयोजित होगा, जिसकी मेजबानी वेस्टर्न नेवल कमांड के फ्लैग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन करेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी करेंगे।

'माहे' का शामिल होना स्वदेशी उथले पानी के युद्धपोतों की नई पीढ़ी की शुरुआत माना जा रहा है, जो तेज, फुर्तीले और तकनीकी रूप से उन्नत माने जाते हैं। जहाज में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी घटकों का उपयोग किया गया है, जो भारत की बढ़ती डिजाइन और निर्माण क्षमताओं का प्रमाण है।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित 'माहे' को पश्चिमी समुद्रतट पर 'साइलेंट हंटर' की भूमिका निभाने के लिए तैयार किया गया है। यह जहाज समुद्र की उथली गहराइयों में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने, तटीय गश्त करने और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम है।

मालाबार तट के ऐतिहासिक कस्बे माहे के नाम पर रखे गए जहाज के शिखर पर कलारीपयट्टू की प्रतीकात्मक लचीली तलवार 'ऊरुमि' को दर्शाया गया है, जो जहाज की फुर्ती, सटीकता और घातक क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है।

माहे की खूबियां

- समुद्र के बजाय तटीय जल क्षेत्र या नदी मुहाने जैसे उथले पानी वाले क्षेत्रों में काम करेगा युद्धपोत
- टारपीडो, कई भूमिका वाली पनडुब्बी-रोधी मिसाइल, उन्नत रडार और सोनार से लैस
- परियोजना के तहत कुल आठ अत्याधुनिक पोत बनाए जा रहे हैं, जिनमें यह पहला
- अत्याधुनिक सोनार सिस्टम से समुद्र की गहराइयों में होने वाली गतिविधियों का लगाएगा पता

80% स्वदेशी सामग्री से तैयार युद्धपोत स्टील्थ क्षमता की वजह से दुश्मन की निगाह में नहीं आता

25 नाट प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से गश्त करने में माहिर है यह युद्धपोत

78 मीटर लंबा यह पोत डीजल इंजन-वाटरजेट संयोजन से संचालित होगा

8 युद्धपोत माहे श्रेणी के तैयार किए जाने हैं नौसेना के लिए

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार समय की जरूरत : मोदी

- कहा-आतंकवाद पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं
- इब्सा की बैठक में रखा डिजिटल इनोवेशन अलायंस का प्रस्ताव
- जी-20 सम्मेलन से इतर भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीकी नेताओं की बैठक

जोहानिसबर्ग में रविवार को जी-20 सम्मेलन से इतर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा (मध्य) के साथ बैठक के दौरान पीएम नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

जोहानिसबर्ग, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार अब एक विकल्प नहीं, बल्कि समय की जरूरत है। भारत-ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) के त्रिपक्षीय मंच को वैश्विक संस्था में बदलाव के लिए स्पष्ट संदेश भेजना चाहिए। जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर इब्सा नेताओं के शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया बिखरी और विभाजित नजर आती है, इब्सा एकता, सहयोग और मानवता का संदेश दे सकता है। उन्होंने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए इब्सा एनएसए स्तरीय बैठक को संस्थागत बनाने का भी प्रस्ताव रखा।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा की उपस्थिति में आयोजित बैठक में मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमें करीबी समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा। इतने गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं है। मानव-केंद्रित विकास सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने तीनों देशों के बीच यूपीआइ जैसे डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, कोविन जैसे स्वास्थ्य मंचों, साइबर सुरक्षा ढांचे और महिलाओं के नेतृत्व वाली तकनीकी पहल को साझा करने के लिए 'इब्सा डिजिटल नवाचार गठबंधन' की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में 40 देशों में परियोजनाओं के समर्थन में इब्सा के कार्य की सराहना करते हुए उन्होंने दक्षिण-दक्षिण सहयोग को और आगे बढ़ाने और जलवायु अनुकूल कृषि के लिए इब्सा फंड का प्रस्ताव रखा। मोदी ने इब्सा बैठक को समयोचित बताया, क्योंकि यह अफ्रीकी धरती पर आयोजित प्रथम जी-20 शिखर सम्मेलन के साथ हुई है। यह ग्लोबल साउथ देशों द्वारा लगातार चार बार जी-20 की अध्यक्षता किए जाने का नतीजा है, जिनमें से अंतिम तीन अध्यक्षता इब्सा सदस्यों द्वारा की गई है। इसके परिणामस्वरूप मानव-केंद्रित विकास, बहुपक्षीय सुधार और सतत विकास पर केंद्रित कई महत्वपूर्ण पहल हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इब्सा तीन महाद्वीपों, तीन प्रमुख लोकतांत्रिक देशों और तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। मोदी ने अगले वर्ष भारत में आयोजित होने वाले एआइ इंपैक्ट शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इब्सा नेताओं को आमंत्रित किया।

कनाडा से व्यापार 50 अरब डालर करने का लक्ष्य

जोहानिसबर्ग, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी से मुलाकात के दौरान दोनों नेता व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने के अलावा रक्षा तथा अंतरिक्ष क्षेत्रों में गहन सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर सहमत हुए। यह मोदी और कार्नी की दूसरी मुलाकात थी। इससे पहले दोनों नेता जून में कनाडा के कनानास्किस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे।

मोदी ने एक्स पर लिखा-कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ बहुत उपयोगी बातचीत हुई। हमने साल 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। कनाडाई पेंशन फंड भी भारतीय कंपनियों में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। बताते चलें, भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 30 अरब डालर के आंकड़े को पार कर गया था। भारत उस साल कनाडा का सातवां सबसे बड़ा व्यापार साझेदार बनकर उभरा था।

आइएएनएस के अनुसार, इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने पीएम मोदी के साथ मुलाकात के दौरान लाल किला आतंकी हमले पर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की और आतंकवाद से निपटने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत ने जलवायु शिखर सम्मेलन में लिए गए निर्णयों पर जताया संतोष

- काप-30 में समावेशी नेतृत्व के लिए ब्राजील का किया समर्थन
- जलवायु परिवर्तन से प्रभावित देशों को अधिक वित्तीय सहायता का वादा

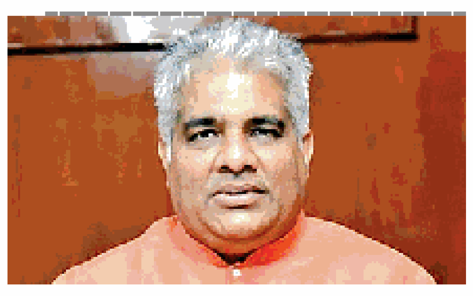
भूपेंद्र यादव। फाइल

बेलम, प्रेट्र : संयुक्त राष्ट्र कान्फ्रेंस आफ पार्टीज (काप-30) जलवायु शिखर सम्मेलन में अध्यक्षता के दौरान समावेशी नेतृत्व के लिए ब्राजील को भारत ने रविवार को समर्थन दिया और जलवायु शिखर सम्मेलन में अपनाए गए निर्णयों का स्वागत किया।

हालांकि नई दिल्ली ने कई निर्णयों पर संतोष जताया, लेकिन जलवायु परिवर्तन की समस्याओं को रोकने के उद्देश्य से किसी नीति को तैयार करने में काप-30 में विशिष्ट सफलता नहीं मिली।

जलवायु परिवर्तन से प्रभावित गरीब देशों को मौसम की मार से निपटने के लिए और अधिक वित्तीय सहायता के वादे के साथ ब्राजील के बेलम में काप-30 का शनिवार को समापन हुआ। समझौते के तहत 2035 तक विकासशील देशों के लिए क्लाइमेट फंडिंग तिगुना हो जाएगी। इस सम्मेलन में जीवाश्म ईंधनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की रूपरेखा तय करने पर सहमति नहीं बन सकी। जलवायु शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने किया। भारत ने सीओपी अध्यक्ष आंद्रे कोरिया दो लागो के नेतृत्व के प्रति भी आभार जताया। भारत ने उम्मीद जताई कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना के साथ 33 साल पहले रियो में किए गए वादे अब बेलम में उठाए गए कदमों के कारण पूरे होंगे। भारत ने काप-30 की प्रमुख उपलब्धियों, विशेष रूप से न्यायसंगत परिवर्तन तंत्र की स्थापना पर संतोष जताया। बयान में इसे मील का पत्थर बताया गया और उम्मीद जताई गई कि यह वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर समानता और जलवायु न्याय को क्रियान्वित करने में मदद करेगा।

मप्र में समीक्षा कर विकास कार्यों का खाका खींचेंगे सांसद और विधायक

सौरभ सोनी ● नईदुनिया

- अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश
- मुख्यमंत्री को हर माह सौंपी जाएगी विकास कार्यों की समीक्षा रिपोर्ट

मोहन यादव। फाइल

भोपाल : मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार अब जिले में विकास कार्यों और सरकार की योजनाओं की समीक्षा का जिम्मा सांसद और विधायकों को सौंपने जा रही है। समीक्षा के साथ ही ये जनप्रतिनिधि अपने जिले में विकास कार्यों का खाका भी खींचेंगे। सरकार की ओर से बनाई जा रही व्यवस्था के अनुसार, सांसद और विधायक अपने-अपने जिले में हर माह विकास कार्यों की समीक्षा कर विकास कार्य की प्रगति जानेंगे। इसकी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को दी जाएगी।

दरअसल, 13 नवंबर को दो वर्ष कार्यकाल पूरा करने जा रही मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार से सांसद और विधायकों अपनी सुनवाई न होने के मामले उठाते रहे हैं। जनप्रतिनिधियों की शिकायत रहती है कि अधिकारी उनकी सुनते नहीं हैं और विकास कार्यों में उनसे कोई सुझाव नहीं लिया जाता।

सूत्रों का कहना है कि भाजपा हाईकमान तक ऐसी शिकायतें पहुंचीं और कई असंतुष्ट जनप्रतिनिधियों ने इस मुद्दे को सार्वजनिक तौर पर भी उठाया है। नतीजतन, भाजपा हाईकमान के निर्देश पर मुख्यमंत्री डा. यादव ने अब सांसद और विधायकों की उनके जिलों के विकास कार्यों में भागीदारी की व्यवस्था बनाने का निर्णय लिया है।

इसी कड़ी में अधिकारियों से कहा गया है कि वे जनप्रतिनिधियों से तालमेल बनाकर काम करें। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया है कि सांसद व विधायक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं को पात्रता अनुसार दिलाना भी सुनिश्चित करें। यह भी देखें कि कोई भी हितग्राही जनहितैषी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

मंत्री भी करेंगे प्रतिमाह अपने-अपने विभागों की समीक्षा

मंत्री भी अपने-अपने विभागों की समीक्षा करेंगे। वे विधायक, सांसद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र में की गई अनुशंसा के आधार पर कार्य स्वीकृत करेंगे। जो प्रकरण कैबिनेट भेजे जाएंगे उनके प्रस्ताव तैयार कराए जाएंगे। खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देकर कार्य करने के निर्देश हुए हैं।

हरित ऊर्जा

ओएनजीसी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआइ) के साथ मिलकर किया सर्वे, ओएनजीसी की हरित ऊर्जा की दिशा में की जा रही महत्वाकांक्षी पहल का अहम हिस्सा

उत्तराखंड में 62 जियोथर्मल स्रोत ओएनजीसी ने किए चिह्नित

अशोक केडियाल ● जागरण

उत्तराखंड का एक जियोथर्मल स्रोत। जागरण आर्काइव

देहरादून : आयल एंड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) ने उत्तराखंड में 62 स्थलों की पहचान की है जहां भू-तापीय (जियोथर्मल) स्रोत उपलब्ध हैं और जिनसे ऊर्जा उत्पादन की संभावना है। ओएनजीसी की हरित ऊर्जा की दिशा में की जा रही महत्वाकांक्षी पहल का यह एक हिस्सा है। ओएनजीसी पहले भी जियोथर्मल ऊर्जा को दोहन करने में सक्रिय रहा है। ओएनजीसी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआइ) के साथ मिलकर सर्वे कार्य प्रारंभ किया है।

ओएनजीसी ने राज्य सरकार को प्रस्ताव देने के साथ ही एक अध्ययन टीम भी तैयार की है। कंपनी का यह कदम राज्य की नवनिर्मित जियोथर्मल एनर्जी पालिसी, 2025 के अनुरूप उठाया गया है, जिसे हाल ही में कैबिनेट की मंजूरी मिली है।

इस नीति का उद्देश्य इन गर्म जल स्रोतों का उपयोग बिजली उत्पादन, हीटिंग कूलिंग और जल शुद्धीकरण जैसी बहुआयामी उपयोगी गतिविधियों के लिए करना है। इस तरह, ओएनजीसी की यह पहल उत्तराखंड में जियोथर्मल ऊर्जा को हकीकत में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में स्थिरता और स्थानीय विकास दोनों में योगदान दे सकती है।

ओएनजीसी ने जिन जियोथर्मल क्षेत्रों को चिह्नित किया है उनमें बदरीनाथ का तप्तकुंड, यमुनोत्री का सांस्कृतिक स्थल, तपोवन का तप्त कुंड के अलावा अलकनंदा, मंदाकिनी भागीरथी, यमुना, टौंस नदी घाटी के क्षेत्र हैं। ये सभी प्राकृतिक गर्म पानी के स्रोत 1000 से 4000 मीटर तक की ऊंचाई पर स्थित हैं। इन गर्म पानी के स्रोत का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस 90 डिग्री सेल्सियस तक है।

30 सालों के लिए लाइसेंस देने की तैयारी : राज्य सरकार ने जियोथर्मल एनर्जी नीति के अंतर्गत परियोजनाओं को 30 साल के लिए लाइसेंस देने की व्यवस्था की है और निजी या सार्वजनिक दोनों तरह की कंपनियों को प्रतिस्पर्धात्मक बोली (बीडिंग) के जरिये प्रोजेक्ट आवंटित किए जाएंगे।

पारिस्थितिक संवेदनशीलता बड़ी चुनौती

पर्यावरणविद और भू-विज्ञानी इस परियोजना की पारिस्थितिक संवेदनशीलता पर चिंता भी जता रहे हैं। हिमालयी क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधि, जल स्रोतों पर दबाव और भूमि धंसाव जैसे जोखिमों को देखते हुए सावधानी बरतने की मांग हो रही है। इसके अलावा पहाड़ों की भू-आकृति, ट्रांसमिशन क्षमता की सीमाएं, सामुदायिक व भूमि उपयोग से जुड़े विवाद, पर्यावरण और वन संवेदनशीलता इसके निर्माण में बड़ी चुनौतियां हैं।

ओएनजीसी ने उत्तराखंड में 62 स्थलों की पहचान की है जहां भू-तापीय (जियोथर्मल) स्रोत उपलब्ध हैं और जिनसे ऊर्जा उत्पादन की संभावना है। ओएनजीसी ने जीएसआइ के साथ मिलकर यह सर्वे किया है। इस परियोजना की पारिस्थितिक संवेदनशीलता का भी अध्ययन किया जा रहा है। - संजय मुखर्जी, मुख्य महाप्रबंधक ओएनजीसी

****

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

20 नवंबर को कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे हो गए हैं। सरकार के पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री के संभावित परिवर्तन की अटकलें तेज हैं।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 24 नवंबर, 2025

भाजपा का आपरेशन बंगाल शुरू, शाह ने छह संगठन सचिवों को किया तैनात

महाराष्ट्र और बिहार में ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली रणनीति बंगाल में भी आजमाने की तैयारी

मालदा में अनंत नारायण मिश्र तो हावड़ा-हुबली में पवन राणा ने संभाला मोर्चा

- बंगाल में अगले साल मार्च-अप्रैल में होने हैं विधानसभा के चुनाव
- बड़ी चुनौती को देखते हुए प्रदेश को छह रणनीतिक संभागों में बांटा

नीलू रंजन ● जागरण

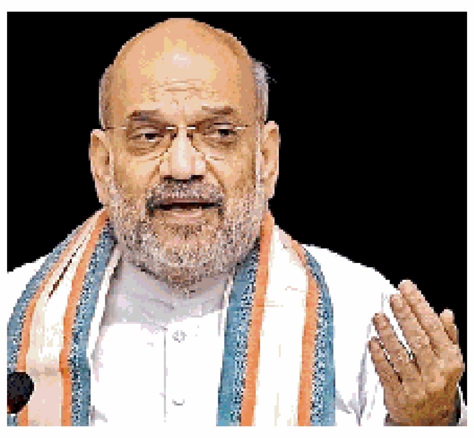

अमित शाह। फाइल

नई दिल्ली: बिहार में ऐतिहासिक जीत के साथ ही भाजपा का आपरेशन बंगाल शुरू हो गया है। बंगाल में मार्च-अप्रैल में विधानसभा के चुनाव होने हैं। लेकिन, अमित शाह ने पांच महीने पहले ही छह संगठन सचिवों और छह वरिष्ठ नेताओं को तैनात कर दिया है। ये सभी आने वाले पांच महीनों तक बंगाल में ही डेरा डालेंगे। बंगाल में भी बिहार और महाराष्ट्र की रणनीति अपनाई गई है। महाराष्ट्र और बिहार को पांच-पांच संभागों में बांटा गया था। बंगाल में बड़ी चुनौती को देखते हुए छह संभागों में बांटा गया है।

भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, उत्तरी बंगाल में पूर्वोत्तर भारत को जोड़ने वाले गलियारे में मालदा जैसे इलाके की जिम्मेदारी अरुणाचल प्रदेश के संगठन मंत्री अनंत नारायण मिश्र को मिली है। अनंत नारायण मिश्र का पूर्वोत्तर भारत में भाजपा के लिए काम करने का लंबा अनुभव है।

राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण भाजपा इस इलाके को काफी अहम मान रही है। जबकि राढ़बंगा क्षेत्र की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ के संगठन मंत्री पवन साई को दी गई है। पवन साई के साथ उत्तराखंड सरकार के मंत्री धन सिंह रावत को लगाया गया है। उनका जोर पुरुलिया और बर्धमान जैसे इलाकों में भाजपा की जमीन को मजबूत करने की होगी। वहीं, हावड़ा, हुगली और मेदिनीपुर क्षेत्र की जिम्मेदारी दिल्ली के संगठन मंत्री पवन राणा को दी गई है। उनके साथ हरियाणा के वरिष्ठ नेता संजय भाटिया काम करेंगे। मेदिनीपुर क्षेत्र में यूपी सरकार के मंत्री जेपीएस राठौर को तैनात किया गया है। यह शुभेंदु अधिकारी के प्रभाव वाला इलाका है। कोलकाता महानगर और दक्षिण 24 परगना क्षेत्र की कमान हिमाचल के संगठन मंत्री एम. सिद्धार्थन को दी गई है।

कोलकाता में सबसे अनुभवी टीम उतारी

सूत्र बताते हैं कि उनके साथ कर्नाटक के दिग्गज नेता और पूर्व भाजपा महामंत्री सीटी रवि को लगाया गया है। कोलकाता वह इलाका है जो टीएमसी का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है, इसलिए पार्टी ने यहां सबसे अनुभवी टीम उतारी है। नवद्वीप और उत्तर 24 परगना क्षेत्र में आंध्र प्रदेश के संगठन मंत्री एन. मधुकर को जिम्मेदारी दी गई है। उनके साथ यूपी के मंत्री सुरेश राणा होंगे। यह इलाका राजनीतिक संवेदनशीलता, सांप्रदायिक समीकरणों और टीएमसी की गहरी पकड़ के लिए जाना जाता है। सिलीगुड़ी में कर्नाटक के संगठन मंत्री अरुण बिन्नाडी को भेजा गया है। इस क्षेत्र में पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। चुनाव की घोषणा के पहले अमित शाह स्वयं इन संभागों में जाकर स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे और उन्हें चुनावी जीत की रणनीति समझाएंगे। इसके पहले तैनात किए संगठन मंत्री और नेता स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर संगठन की कमजोरियों को दूर करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और समर्थकों को उत्साहित करने का काम करेंगे। बताया जा रहा है कि सभी नेता और संगठन मंत्री प्रतिदिन छह-सात बैठकें कर रहे हैं। जमीनी हालात से शीर्ष नेतृत्व को अवगत भी करा रहे हैं।

टीवीके प्रमुख विजय ने शुरू किया चुनाव प्रचार

चेन्नई, प्रेट्र : तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने दो महीने के अंतराल के बाद रविवार को 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए अपना प्रचार अभियान फिर से शुरू कर दिया है। उन्होंने सत्तारूढ़ द्रमुक का सीधे नाम लिए बिना उस पर अवैध रेत खनन के जरिए 4,730 करोड़ रुपये की लूट का आरोप लगाया। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से पार्टी पर वंशवाद की राजनीति का आरोप लगाया और दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी अपने संस्थापक सी.एन. अन्नादुरई के 'लोगों के पास जाओ' के आदेश को भूल गई है।

विजय ने टीवीके की विचारधारा पर सवाल उठाने के लिए द्रमुक की आलोचना की और कहा कि उनकी पार्टी ठोस वैचारिक दृष्टिकोण पर आधारित है। यह समानता के सिद्धांत से शुरू होती है। वह कांचीपुरम के सुंगुवरचट्टीराम में एक शैक्षणिक संस्थान के इनडोर सभागार में कार्यकर्ताओं, प्रशंसकों और स्थानीय लोगों को संबोधित किया।

विजय ने आरोप लगाते हुए कहा कि द्रमुक की विचारधारा लूट है। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने द्रमुक का मजाक उड़ाया और उस पर दिखावा करने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि टीवीके ने द्रमुक की तरह नीट को समाप्त करने के खोखले दावे नहीं किए, बल्कि संविधान की समवर्ती सूची से शिक्षा को राज्य सूची में स्थानांतरित करने की मांग की।

बिहार में कांग्रेस के बागी नेताओं पर कार्रवाई को लेकर दुविधा

- नोटिस के जवाब में बागी नेताओं ने खोली प्रदेश नेतृत्व की पोल, कई आरोप भी लगाए
- चुनाव में हार और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में 43 नेताओं को मिले थे नोटिस

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

प्रतीकात्मक

बिहार कांग्रेस में जारी अंदरूनी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पार्टी ने जिन 43 नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, उन सभी ने प्रदेश नेतृत्व को औपचारिक रूप से जवाब भेज दिए हैं। इन नेताओं ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है, वहीं प्रदेश नेतृत्व की कार्यशैली और निर्णय प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। नोटिस का जवाब मिलने के बाद से ही प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व इन पर कार्रवाई को लेकर दुविधा में है। चर्चा है कि प्रदेश नेतृत्व इस मामले में केंद्रीय नेतृत्व की मदद लेगा। मालूम हो कि बिहार कांग्रेस ने चुनाव में पराजय के बाद पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाकर पुराने 43 नेताओं को नोटिस दिया था। जिसका जवाब देने के लिए 21 नवंबर तक का समय दिया गया था।

सूत्रों के अनुसार, नोटिस मिलने के बाद संबंधित नेताओं ने सामूहिक चर्चा कर विस्तृत जवाब तैयार किया। बागी नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष पर संगठन को व्यक्तिगत निर्णयों से चलाने, पार्टी के भीतर लोकतांत्रिक परंपराओं को दरकिनार करने के आरोप भी लगाए हैं। कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व को आरएसएस-भाजपा के हाथों का खिलौना तक करार दिया है। अब जवाब मिलने के बाद प्रदेश नेतृत्व असमंजस में है कि आगे क्या कदम उठाया जाए। एक ओर एक खेमा नाराज नेताओं पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ पार्टी मान रही है कि चुनावी हार के बाद पार्टी पहले से संगठनात्मक चुनौतियों से गुजर रही है। कठोर निर्णय से असंतोष और बढ़ सकता है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय का कहना है कि सभी जवाबों की समीक्षा की जा रही है और राष्ट्रीय नेतृत्व से परामर्श से निर्णय लिया जाएगा।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने के लिए कांग्रेस में खरीद फरोख्त तेज : भाजपा

- भाजपा नेता नारायणस्वामी का दावा, 50 करोड़ नकद, फ्लैट और गाड़ी देने का है प्रस्ताव
- जनता के पैसों की बंदरबांट रोकने के लिए भाजपा ईडी से करेगी मामले की जांच की मांग

बेंगलुरु, प्रेट्र: कर्नाटक कांग्रेस में दो धड़ों के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए खींचतान का आरोप लगाते हुए भाजपा ने कहा कि विधायकों को अपने पक्ष में करने के लिए 50 करोड़ रुपये, एक फ्लैट और एक कार का लालच दिया जा रहा है। भाजपा ने चेताया कि कांग्रेस सरकार जनता के मुद्दों को छोड़कर इन सब कामों में लगेगी तो पार्टी चुप नहीं बैठेगी।

भाजपा नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी और एआइसीसी महासचिव रणदीप सुरजेवाला मंत्री बनने के आकांक्षी नेताओं से सौदेबाजी में जुट गए हैं। वह कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये मांग रहे हैं। एक नेता ने तो एडवांस भी दे दिया है। उन्होंने कहा इस मामले की जांच के लिए ईडी से शिकायत की जाएगी। जनता के पैसे की बंदरबांट की निश्चित तौर पर जांच होनी चाहिए।

> कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर बताने के लिए मेरे पास कुछ भी नहीं है। जो भी फैसला होगा, वह पार्टी हाईकमान करेगा।
>
> – मल्लिकार्जुन खरगे, एआइसीसी अध्यक्ष

उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री के संभावित परिवर्तन की अटकलों के बीच आई है। इसे कुछ नेता 'नवंबर क्रांति' भी कहते हैं, जो मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उनके उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण समझौते से जुड़ा है। बता दें कि 20 नवंबर को कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे हो गए हैं। नारायणस्वामी ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, नेता विपक्ष आर अशोक और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करके आगे की रणनीति तय की जाएगी।

जी परमेश्वर ने दिए संकेत, वह भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार : कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने रविवार को संकेत दिए कि राज्य में यदि सत्ता परिवर्तन होता है तो वह भी एक दलित नेता के तौर पर मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। हालांकि, उन्होंने राज्य में मुख्यमंत्री बदलने को लेकर पार्टी में भ्रम से जुड़ी रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस हाई कमान की तरफ से इस मामले में किसी ने कोई बात नहीं कही है, न तो इस पर कांग्रेस विधायक दल में ही कोई चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की जरूरत पड़ी तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी से चर्चा करने के बाद एआइसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस बारे में तय करेंगे।

राजद का वही हश्र होगा, जो डायनोसार का हुआ : मांझी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना : केंद्रीय मंत्री और हम के संरक्षक जीतन राम मांझी ने कहा कि बिहार में अब कभी राजद की वापसी नहीं हो सकती। जो हश्र धरती पर डायनोसार का हुआ, आने वाले वक्त में वही हश्र बिहार में राजद का होगा। उन्होंने रविवार को कहा कि शायद कभी धरती पर डायनोसार वापस चला भी आए, लेकिन बिहार में राजद सत्ता में नहीं आ सकता। बिहार की जनता ने जो जनादेश दिया, उसके बाद ये तय हो चुका है कि अब लालू यादव और उनके कुनबे को सत्ता नसीब नहीं होने वाली।

बिहार की जनता ने अगर एनडीए को बड़ा जनादेश देते हुए राजद को नकार दिया है तो इसका केवल एक ही मतलब है कि लालू परिवार और उनकी पार्टी का स्वार्थी चरित्र सभी समझ चुके हैं। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार तेज गति से राज्य का विकास करेगी जिससे राजद का सत्ता वापसी का सपना कभी पूरा नहीं होगा।

राजद ने 32 गायकों को नोटिस भेज पूछा, विधानसभा चुनाव में क्यों बिगाड़ी छवि

- नोटिस में सवाल, पार्टी और नेताओं के नाम और उनकी छवि के उपयोग के लिए क्यों नहीं ली गई अनुमति

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

स्पष्टीकरण नहीं देने वाले कलाकारों के विरुद्ध दायर किया जाएगा मानहानि का मुकदमा

छवि धूमिल करने के कुचक्र को भी राजद विधानसभा चुनाव में अपनी करारी हार का एक कारण मान रहा। शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर परिणाम की व्याख्या हर दृष्टिकोण से हो रही, जिसमें महागठबंधन की जीत पर विरोधियों द्वारा जताई गई जंगलराज की पुनर्वापसी की आशंका भी है। ऐसे बोल-वचन वाले गीतों से भी इस आशंका को बल मिलता है, लिहाजा राजद ने उन 32 गायकों को नोटिस भेजा है, जिन्होंने पार्टी सहित लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव आदि के नाम का उल्लेख करते हुए गीत गाए हैं। इनमें भोजपुरी गायक टुनटुन यादव सहित मैथिली-मगही के भी गायक हैं, उनमें से कई बिहार के बाहर के राज्यों से भी हैं। नोटिस में लिखा है कि स्पष्टीकरण नहीं देने वाले कलाकारों के विरुद्ध मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा। हालांकि, राजद उन गायकों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं कर रहा।

राजद की यह पहल वस्तुत: मनोरंजन उद्योग में अपने नाम के राजनीतिक दुरुपयोग को रोकने की है। दरअसल, चुनाव अभियान के दौरान इंटरनेट मीडिया पर ऐसे गाने बहु-प्रसारित हो गए थे, जिनमें हिंसक, उकसाऊ और अराजकता फैलाने वाले डायलाग थे। राजद का मानना है कि ऐसे गीतों से उसकी छवि धूमिल हुई है, जिसकी मंशा विरोधियों की थी और ऐसा जान-बूझकर किया गया। नोटिस में पूछा गया है कि पार्टी और नेताओं के नाम व उनकी छवि के उपयोग के लिए अनुमति क्यों नहीं ली गई? पार्टी की कानूनी टीम अब उन गायकों के स्पष्टीकरण की समीक्षा करेगी। उत्तर संतोषजनक नहीं हुआ तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। पार्टी की पहचान वाले झंडे, प्रतीक-चिह्न या नारों का उपयोग मनोरंजन सामग्री, रील्स या गानों में किया जाना अवैध माना जाएगा।

सबक लेने के बजाय कलाकारों पर दोष मढ़ रहा राजद : राजद द्वारा कलाकारों को नोटिस भेजे जाने पर भाजपा ने आपत्ति जताई है। पार्टी की प्रदेश इकाई के मीडिया सह प्रभारी प्रभात मालाकार ने कहा कि राजद और तेजस्वी यादव सबक लेने के बजाय कलाकारों पर दोष मढ़ रहे है। जब चुनावी जनसभा में कलाकार प्रस्तुति दे रहे थे तो ठीक थे और जब महागठबंधन परास्त हो गया है तो कलाकार दोषी हो गए। कलाकारों का कोई धर्म-संप्रदाय या संगठन-दल नहीं होता।

राष्ट्रीय फलक

असम एसआर में अनुचित और बिना तस्वीरों वाली प्रविष्टियों की जांच करेंगे बीएलओ

- निर्वाचन आयोग ने एसआर के मद्देनजर असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को दिया निर्देश
- ब्लैक एंड व्हाइट, बिना तस्वीर वाली प्रविष्टियों के लिए साफ्टवेयर आधारित रिपोर्ट तैयार करने को कहा

नई दिल्ली, प्रेट्र : बिहार में मतदाता सूची में बिल्लियों और कुत्तों की तस्वीरें होने के दावों के बीच निर्वाचन आयोग ने असम में अपने कर्मियों को मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआर) के दौरान मतदाता सूची में अनुचित एवं बिना तस्वीरों वाली प्रविष्टियों की जांच करने और उनकी जगह पंजीकृत मतदाताओं की उचित तस्वीरें लगाने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि इंटरनेट मीडिया पर दावा किया जा रहा था कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान कुछ लोगों ने मतदाता सूची में कुत्तों और बिल्लियों की तस्वीरें डालकर व्यवस्था में खामियां दिखाईं।

असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जारी निर्देशों में आयोग ने कहा कि ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों, गैर संबद्ध तस्वीरों, अनुचित तस्वीरों और बिना तस्वीर वाली प्रविष्टियों के लिए 'साफ्टवेयर आधारित' रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए।

आयोग के आदेश में कहा गया है, ऐसी तस्वीरों को बदलने के लिए बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) द्वारा सत्यापन किया जाना चाहिए और तस्वीर के साथ फार्म-8- मतदाताओं से अनिवार्य रूप से एकत्र किया जाना चाहिए। बीएलओ को विकल्प के रूप में मतदाताओं की तस्वीरें लेने का भी अधिकार है।

मतदाता सूची से विसंगतियों और संभावित फर्जी या एकाधिक प्रविष्टियों को हटाने के संबंध में आयोग ने कहा है कि ड्राफ्ट सूची प्रकाशित होने से पहले सभी त्रुटियों को दूर किया जाना चाहिए, पते मानकीकृत किए जाने चाहिए तथा तस्वीरों की गुणवत्ता की जांच की जानी चाहिए। काल्पनिक मकान नंबर के इस्तेमाल के संबंध में निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि इससे संबंधित संपत्तियों का कानूनी दर्जा प्रभावित नहीं होगा। आयोग ने कहा, काल्पनिक मकान संख्या के आवंटन के साथ ही बीएलओ को आस-पास के चिह्न का भी उल्लेख करना चाहिए ताकि पूछताछ करने पर घर की स्पष्ट पहचान हो सके।

निर्वाचन आयोग ने 17 नवंबर को असम में मतदाता सूचियों के 'विशेष पुनरीक्षण' का आदेश दिया था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। एक जनवरी 2026 को 18 साल की उम्र पूरी करने वाले इसमें शामिल हो सकेंगे। अधिकारियों के मुताबिक असम में एसआर कराने का फैसला लिया गया है, जो एसआइआर और एसएसआर (स्पेशल समरी रिवीजन) के बीच की पहल है।

ध्वजारोहण को लेकर अयोध्या में उत्सवी उमंग

- विष्णु सहस्त्रनाम व गणेश अथर्वशीर्ष के मंत्रों से सवा लाख आहुतियां
- दूर्वा से गणपति का पूजन, पांच घंटे तक किया गया हवन

जागरण संवाददाता, जागरण ● अयोध्या

भार लेकर जानकी मंदिर से श्रीराम मंदिर की ओर जाते श्रद्धालु। जागरण

ध्वजारोहण से पूर्व राम मंदिर के यज्ञ मंडप में जप, पाठ व हवनकुंड में आहुतियां डाली जा रही हैं। इन धार्मिक अनुष्ठान व हवन-पूजन से संपूर्ण परिसर व नगर सुवासित हो रहा है। यहां का कण-कण उत्सवी उमंग में है।

रविवार को रामलला की विशेष अर्चना हुई। फिर वेदी पर रखी दो ध्वजाओं की पूजा की गई। दूसरी ओर भगवान शिव का विशिष्ट औषधियों से अभिषेक हुआ और बाबा का श्रृंगार किया गया। दूसरी ओर यजमानों ने भगवान शिव, सूर्य, गणेश, अन्नापूर्णा, दुर्गा माता व हनुमानजी के मंदिरों में जाकर विधिवत षोडश उपचार पूजन किया। तत्पश्चात विष्णु सहस्त्रनाम व अथर्वशीर्ष के मंत्रों से पांच घंटे तक यजमान संग लगभग 80 ब्राह्मणों ने कुंड में आहुति डाली। शाम को यज्ञ मंडप में आरती के साथ ही तीसरे दिन का पूजन समाप्त हुआ। आचार्य पंकज कौशिक ने बताया कि अब तक पुरुष सूक्त के मंत्रों से सवा लाख आहुतियां दी जा चुकी हैं। इससे पहले भगवान गणेश का दूर्वा (दूब) से पूजन हुआ।

मंदिरों के शिखर पर फहराती ध्वजाओं के पीछे गहन शास्त्रीयता : ध्वज को ऊर्जा का केंद्र भी माना जाता है। यह आत्मगौरव के साथ श्रद्धा, विनम्रता और समर्पण का परिचायक है। यह स्थान, संस्था या समुदाय की आध्यात्मिक पहचान भी बताता है। यथा-मंदिरों में भगवा ध्वज, गुरुद्वारों में निशान साहिब, जैन मंदिरों में पंचरंगी ध्वज ये सभी अपने-अपने गौरव, मर्यादा और पवित्रता को दर्शाते हैं। ज्योतिषाचार्य पं.प्रवीण शर्मा के अनुसार मंदिर के ध्वज के दर्शन करने मात्र से ही भक्तों को संपूर्ण मंदिर के दर्शन का पुण्य प्राप्त हो जाता है, ऐसा हमारे प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है। ध्वज उस मंदिर या स्थान के देवता का दृश्यमान प्रतिनिधि है। राम मंदिर के अनेकानेक अनुष्ठान से जुड़े रहे प्रख्यात कथाव्यास एवं प्रतिष्ठित पीठ रामकुंज के महंत रामानंददास के अनुसार केसरिया रंग का ध्वज नियत करने के पीछे न केवल सनातन परंपरा की पसंद है बल्कि श्रीराम की सूर्यवंशीय पृष्ठभूमि भी है और इसका त्रिकोणात्मक आकार भी अग्नि अथवा तेज का परिचायक है। केसरिया ध्वज सूर्य की अजस्र ऊर्जा का परिचायक है और इस पर अंकित कोविदार अयोध्या के उन यशस्वी सूर्यवंशीय नरेशों के राज चिह्न का परिचायक है, श्रीराम जिनके वंशज थे।

ध्वजारोहण के बाद ही जलपान करेंगे प्रधानमंत्री : 'रामकाज कीन्हें बिनु, मोहि कहां विश्राम।' राम के काज को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दायित्व इसी चौपाई का जीवंत उदाहरण दिखता है। राममंदिर का भूमि पूजन फिर प्राण-प्रतिष्ठा और अब ध्वजारोहण में आ रहे प्रधानमंत्री एकबार फिर अन्न-जल रहित होकर राममंदिर पहुंचेंगे। पीएम शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण करने एवं पूरक मंदिरों के दर्शन के पश्चात ही जलपान करेंगे।

पटियाला में मुठभेड़ के बाद बंबीहा गैंग के दो शूटर गिरफ्तार

जासं, पटियाला : पंजाब पुलिस के सीआइए (अपराध जांच एजेंसी) स्टाफ ने रविवार दोपहर बंबीहा गैंग के दो शूटरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गोली लगने से दोनों घायल हो गए।

एसएसपी वरुण शर्मा ने बताया कि गैंग्स्टरों की पहचान पटियाला के 24 वर्षीय हरप्रीत सिंह उर्फ मक्खन और नाभा के 20 वर्षीय गौतम उर्फ बादशाह के रूप में हुई है। रविवार दोपहर दोनों शूटर भादसों रोड से होते हुए गांव के रास्ते से सरहिंद की तरफ जा रहे थे। सीआइए स्टाफ के इंचार्ज इंस्पेक्टर प्रदीप बाजवा टीम के साथ गश्त पर थे। उन्हें सूचना मिली कि दविंदर बंबीहा गैंग के गुर्गे इस रास्ते से गुजर सकते हैं। पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश की, तो शूटरों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में दोनों जख्मी हो गए। आरोपितों से दो पिस्तौल .पांच कारतूस, पांच खोल व एक बिना नंबर की बाइक बरामद की गई है।

बंगाल में एसआइआर के कारण 37 साल बाद चाचा से मिला भतीजा

- चक्रवर्ती परिवार ने 1988 में अपने बड़े बेटे को खो दिया था
- फोन पर जानकारी लेने के दौरान जुड़ती गई परिवार की कड़ियां

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

विवेक चक्रवर्ती।

बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के चलते पुरुलिया जिले में लगभग चार दशक से बिछड़े एक परिवार को फिर से मिला दिया। चक्रवर्ती परिवार ने 1988 में अपने बड़े बेटे विवेक चक्रवर्ती को खो दिया था। काफी खोजबीन की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। उन्हें उम्मीद ही नहीं थी कि कभी फिर मिलन होगा लेकिन एसआइआर ने ऐसा किया कि वर्षों से लापता बेटे का पता चल गया।

विवेक के छोटे भाई का नाम प्रदीप चक्रवर्ती है। वह उसी इलाके के बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) हैं। एसआइआर के दौरान हर फार्म पर उनका नाम और मोबाइल नंबर छपा था। विवेक का बेटा कोलकाता में रहता है जो अपने चाचा के बारे में कुछ नहीं जानता था। उसने दस्तावेजों के लिए मदद मांगने की खातिर प्रदीप को फोन किया। पहले कागजात को लेकर बातें हुईं, लेकिन धीरे-धीरे परिवार की कड़ियां जुड़ने लगीं। प्रदीप ने बताया कि मेरा बड़ा भाई आखिरी बार 1988 में घर आया था। उसके बाद से गायब है। जब इस लड़के के जवाब हमारे परिवार की उन बातों से मिलने लगे जो सिर्फ हम ही जानते हैं, तब मुझे पता चला कि मैं अपने भतीजे से बात कर रहा हूं। इस तरह 37 साल से लापता चक्रवर्ती परिवार का बड़ा बेटा मिल गया। दोनों तरफ खुशी है। इसके बाद प्रदीप ने खुद विवेक से बात की।

तृणमूल के एसआइआर शिविर में तोड़फोड़ के बाद लगाई आग

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि बंगाल के नदिया जिले के कल्याणी में पार्टी द्वारा स्थापित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) सहायता शिविर में आग लगा दी गई, उसने इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कल्याणी शहर के वार्ड नंबर छह में स्थित शिविर में आधी रात के बाद तोड़फोड़ कर आग लगा दी गई।

पोस्ट में आगजनी वाले शिविर का एक वीडियो संलग्न किया गया है। तृणमूल ने कहा कि जनता को सहायता और राहत प्रदान करने के लिए स्थापित इस शिविर में जानबूझकर तोड़फोड़ की गई और संपत्ति व उपकरणों को नुकसान पहुंचाया गया। घटना के संबंध में स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने कहा कि उसने उपद्रवियों की तलाश शुरू कर दी है।

****

तेजप्रताप यादव बने ब्लागर, लांच किया नया यूट्यूब चैनल

चुनाव हारने के बाद तेज प्रताप यादव बने ब्लागर, दूध की कर रहे ब्रांडिंग। सौ : इंटरनेट मीडिया।

जागरण संवाददाता, पटना

बिहार में वैशाली जिले के महुआ से विधानसभा चुनाव में हार के बाद राजद प्रमुख लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव अब नए अंदाज में नजर आ रहे हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव में जनशक्ति जनता दल नाम की पार्टी बनाई थी, कई उम्मीदवार मैदान में उतारे थे। चुनाव का परिणाम आ जाने के बाद अब वह ब्लागर के रूप में चर्चा में बने हुए हैं। तेजप्रताप ने अपने नए यू-ट्यूब चैनल पर मिल्क प्रोडक्शन फैक्ट्री का वीडियो अपलोड किया है, जिसमें दूध की पैकेजिंग, प्रोसेसिंग सहित पशुपालक से ग्राहक तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी गई है। उनका पहले भी वीडियो और शार्ट वीडियो (रील्स) प्रसारित होता रहा है। तेजप्रताप ने चुनाव के बाद अपना नया ब्लागिंग चैनल शुरू किया है।

चंडीगढ़ के मुद्दे पर एक सुर में बोले पंजाब के सभी दल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़ : चंडीगढ़ से संबंधित प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक पर केंद्र के स्पष्टीकरण के बीच पंजाब के सभी राजनीतिक दल एकमत दिखे। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, भाजपा और शिअद ने चंडीगढ़ को लेकर पंजाब के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं करने की बात की। साफ है कि पंजाब के हितों की रक्षा के लिए वे एकजुट हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक्स पर लिखा, "मुझे खुशी है कि केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ से संबंधित बिल को वापस लेने और संसद में बिल नहीं लाने का निर्णय किया है। आशा है कि भविष्य में भी पंजाब से संबंधित कोई भी फैसला पंजाब के लोगों से पूछे बिना नहीं होगा।" भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने भी एक्स पर लिखा कि चंडीगढ़ पंजाब का अभिन्न हिस्सा है। पंजाब भाजपा राज्य के हितों के साथ खड़ी है।

4 किलो हेरोइन पंजाब के फिरोजपुर में बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान बार्डर स्थित ढाणी गुरमुख सिंह वाला के क्षेत्र में बरामद किया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि किसी व्यक्ति ने हेरोइन के साथ एक जोड़ी स्पोर्ट्स जूते, एक जैकेट और थैला भी छिपाकर रखा था।

आइएसआइ ने गैंग्स्टरों से पंजाब में पहुंचाए हथियार

पर्दाफाश ▶ पुलिस ने राजस्थान की जेलों व बाहर बैठे 26 गैंग्स्टरों की सूची की तैयार, जो करते हैं हथियार सप्लाई

आइएसआइ एजेंट जस्सा पाकिस्तान से संचालित कर रहा पूरा रैकेट

जागरण संवाददाता, लुधियाना

लुधियाना में ग्रेनेड हमले को विफल करने और गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ में लगातार नई जानकारी आ रही है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ न केवल पंजाब में बल्कि पाकिस्तान सीमा से सटे राजस्थान के रास्ते भी भारी मात्रा में हथियार पहुंचा रही है। इन हथियारों को पंजाब तक पहुंचाने के लिए राजस्थान में सक्रिय गैंग्स्टरों की मदद ली जा रही है। खास बात यह है कि इनमें से कई गैंग्स्टर राजस्थान की जेलों में बंद हैं। पुलिस ने राजस्थान के 26 लोगों की सूची तैयार की है, जो आइएसआइ के लिए पंजाब में हथियार सप्लाई करते रहे हैं। पुलिस अब इन गैंग्स्टरों को प्रोडक्शन वारंट पर पंजाब लाने की तैयारी कर रही है।

जांच में पता चला है कि इस पूरे नेटवर्क को आइएसआइ एजेंट जसबीर सिंह जस्सा पाकिस्तान से संचालित कर रहा है। 19 नवंबर को पुलिस ने शमशेर नामक व्यक्ति को दो हैंड ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ के बाद दो और लोगों को पकड़ा गया। 20 नवंबर को पुलिस ने ट्रैप लगाकर दो लोगों को उस समय गिरफ्तार किया जब वे लाडोवाल के पास हैंड ग्रेनेड उठाने के लिए पहुंचे थे। इन दोनों से पुलिस ने पांच पिस्टल और 40 से अधिक गोलियां बरामद की थीं। दोनों मुठभेड़ में घायल हुए थे और उनका उपचार अभी सिविल अस्पताल में चल रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, राजस्थान के रास्ते पंजाब में भेजे गए भारी मात्रा में हथियारों की रिकवरी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। माना जा रहा है कि पुलिस जल्द ही बड़ी मात्रा में हथियारों की रिकवरी कर सकती है।

बुलेट प्रूफ जैकेट का प्रयोग कर रहे गैंग्स्टर : गैंग्स्टर अब बुलेट प्रूफ जैकेट का प्रयोग करने लगे हैं। हाल ही में अमृतसर में गिरफ्तार किए गए लूटपाट के आरोपित बलजीत सिंह के कब्जे से भी पुलिस ने बुलेट प्रूफ जैकेट बरामद की है। पूछताछ में उसने बताया कि यह जैकेट उसने विदेश में बैठे गैंग्स्टर हैप्पी जट के गुर्गों से छीनी थी। सूत्रों के अनुसार, पुलिस भी रणनीति में बदलाव पर विचार कर रही है। अब कार्रवाई से पहले पुलिसकर्मी बुलेट प्रूफ जैकेट पहनेंगे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुलेट प्रूफ जैकेट पहनने का चलन अब हथियार रखने जैसा हो गया है। कई बड़े कारोबारी आनलाइन बुलेट प्रूफ जैकेट खरीद रहे हैं।

कश्मीर में सक्रिय 131 आतंकियों में से 122 पाकिस्तानी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

- सुरक्षा बलों ने वर्ष 2025 में अब तक 45 आतंकियों को मार गिराया
- दिल्ली हमले के बाद आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई तेज

दिल्ली में लाल किले के पास आत्मघाती हमले के बाद देश में बड़े पैमाने पर दहशत मचाने के लिए फैले आतंकी नेटवर्क की परतें खुल गई हैं। ऐसे हालात में जम्मू-कश्मीर में मौजूद विदेशी आतंकियों के मंसूबों को नाकाम बनाना सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती है।

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में 131 आतंकी सक्रिय हैं। इनमें से 122 पाकिस्तानी हैं व सिर्फ नौ स्थानीय हैं। यह आंकड़ा कश्मीर में आतंकियों की भर्ती प्रक्रिया में बड़े बदलाव की ओर संकेत करता है। स्थानीय भर्ती में गिरावट के बीच सफेदपोश आतंकी सामने आए हैं। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि आतंकी संगठन अब स्थानीय युवाओं को गुमराह करने में असफल साबित हो रहे हैं। इसके चलते वे अब पढ़े-लिखे नौकरी पेशा युवाओं को निशाना बना रहे हैं।

उन्हें कट्टरपंथी बनाकर लाजिस्टिक्स, फंडिंग व भर्ती जैसे कामों में इस्तेमाल किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर एक कार की जांच करते हथियारबंद सुरक्षाकर्मी। प्रेट्र

ऐसे पेशेवर सफेदपोश आतंकी समाज में घुल मिलकर सामान्य प्रोफाइल बनाए रखते हुए गुप्त रूप से आतंकी गतिविधियों को आगे बढ़ाते हैं। ये और भी अधिक खतरनाक हैं।

दिल्ली लाल किला धमाके में इसका स्पष्ट उदाहरण देखने को मिला है। इसके लिए डाक्टरों जैसे पेशेवर जिम्मेदार हैं। 10 नवंबर को हुए इस हमले में कई लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे। इस घटना के बाद से जम्मू कश्मीर में सेना, सुरक्षा बल व खुफिया एजेंसियां बेहतर समन्वय बनाकर सक्रिय आतंकियों व उनके मददगार लोगों की पहचान कर रही हैं।

सुरक्षा बलों ने वर्ष 2025 में अब तक 45 आतंकियों को मार गिराया है। पिछले वर्ष 2024 में कुल 61 आतंकी मारे गए थे। इनमें से 45 कश्मीर में और 16 नियंत्रण रेखा पर मारे गए थे। मारे गए आतंकियों में 21 पाकिस्तानी थे। वर्तमान में जम्मू कश्मीर में सक्रिय आतंकियों पर दबाव बनाकर उन्हें मारने की रणनीति पर काम हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय सीमा, नियंत्रण रेखा के साथ अंदरूनी इलाकों में बड़े पैमाने पर कार्रवाई जारी है।

दिल्ली में हमले के बाद जांच में यह सामने आया है कि सफेदपोश आतंकी माड्यूल में जम्मू-कश्मीर में प्रशिक्षित आतंकी शामिल थे। इसके बाद केंद्र सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे माड्यूल को तबाह करने के लिए कार्रवाई को तेज कर दिया है। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि आतंकवाद का खात्मा करने के लिए सफेदपोश आतंकी इकोसिस्टम को खत्म करना बहुत जरूरी है।

बिहार के साइबर बदमाशों का पाक कनेक्शन आया सामने

जासं, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण)

- 19 नवंबर को मोतिहारी शहर में गिरफ्तार किए गए थे दो युवक
- जब्त सेलफोन से पता चला कि पाक नंबर पर वाट्सएप से हुई है चैटिंग

बिहार के मोतिहारी शहर से 19 नवंबर को गिरफ्तार पश्चिम चंपारण जिले के निवासी अमित कुमार उर्फ लड्डू और राहुल कुमार गुप्ता नामक साइबर बदमाशों का पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आया है। इनके कब्जे से दो डेबिट कार्ड, पांच सेलफोन और 54 हजार की नकदी जब्त की गई थी।

राहुल के सेलफोन की जांच से पता चला कि उसने वाट्सएप के जरिए पाकिस्तानी नंबर पर बातचीत की थी। बदमाशों ने बातचीत के बाद संबंधित मैसेज लाक कर दिया था। पुलिस ने जब तकनीकी जांच की तो पूरा मामला सामने आया। साइबर थाने की पुलिस पाकिस्तानी नंबर की पहचान में जुटी है। यह पता किया जा रहा है कि यह किसका फोन नंबर है और कहां से उसका उपयोग किया जा रहा है।

पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड के तौर पर संतोष और आलोक यादव को चिह्नित किया है। वहीं, तीन अन्य मोबाइल नंबर भी पुलिस के सामने आए हैं। पुलिस सभी संदिग्ध नंबरों का सत्यापन कर रही है। गिरोह के अन्य सदस्यों की भी पहचान की जा रही है।

कई राज्यों में गिरफ्तार बदमाशों का नेटवर्क : गिरफ्तार दोनों साइबर बदमाशों का नेटवर्क चंपारण, मुजफ्फरपुर,

प्रतीकात्मक

गोपालगंज व वैशाली के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, गुजरात व हिमाचल प्रदेश तक फैला है। पुलिस की जांच उपरोक्त प्रदेशों तक भी पहुंच रही है।

इस बारे में साइबर थाने के पुलिस उपाधीक्षक अभिनव परासर ने बताया कि गिरोह का हैंडलर पाकिस्तान में बैठा है। वहां से पुलिस को गुमराह करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहा है। वह भारत में युवाओं को लालच देकर गुमराह र रहा है। पाकिस्तानी नंबर से वाट्सएप ग्रुप बनाकर गिरोह का संचालन किया जा रहा है। गिरोह में शामिल अन्य बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

न्यूज गैलरी

मुंबई से दून आ रहे विमान से पक्षी टकराया, यात्री सुरक्षित

ऋषिकेश : देहरादून एयरपोर्ट पर मुंबई से शाम 6 :40 बजे आने वाली इंडिगो की फ्लाइट पर लैंडिंग से ठीक पहले पक्षी टकरा गया। जिसके चलते विमान के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा है। इंडिगो एयरलाइंस के इस विमान में 186 यात्री सवार थे। विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुइ। देहरादून हवाई अड्डे पर एक माह में दूसरी बार इस तरह की घटना हुई है। देहरादून एयरपोर्ट के निदेशक भूपेश सीएच नेगी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पायलट की ओर से एयरपोर्ट प्रबंधन को लैंडिंग के दौरान पक्षी के टकराने की सूचना दी गई है। इसके बाद तकनीकी टीम ने जांच की तो विमान के नोज को नुकसान पहुंचा था। (जासं)

धमकी के बाद हैदराबाद जा रही फ्लाइट मुंबई डायवर्ट

हैदराबाद : आरजीआइ हवाई अड्डे को रविवार को बहरीन से हैदराबाद जा रही एक उड़ान में बम होने की धमकी मिली, जिसके बाद विमान को मुंबई डायवर्ट कर दिया गया। यह विमान वहां सुरक्षित उतर गया। अधिकारी ने कहा कि धमकी एक अफवाह निकली। हवाई अड्डे के अधिकारियों द्वारा इस संबंध में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे को मिले धमकी भरे ईमेल में दावा किया गया था कि बहरीन से हैदराबाद आ रही उड़ान में बम रखा गया है। (प्रेट्र)

जामताड़ा के साइबर ठग पिता-पुत्र गिरफ्तार

जामताड़ा : झारखंड के जामताड़ा के नारायणपुर में रविवार को पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। इन दोनों को साइबर थाना की पुलिस ने नारायणपुर थाना के पास जंगल-झाड़ के बीच से गिरफ्तार किया है। इनके नाम 44 वर्षीय रघुनाथ मंडल और उनका 19 वर्षीय पुत्र राकी कुमार है। जामताड़ा साइबर थाने में मीडिया के साथ बातचीत में इंस्पेक्टर रवींद्र नाथ यादव ने बताया कि गिरफ्तार रघुनाथ काफी पहले से ठगी की घटनाओं में शामिल रहा है। उसके खिलाफ अप्रैल, 2017 में करमाटांड़ थाने में भी प्राथमिकी दर्ज हुई थी। पुलिस ने छापेमारी के दौरान दोनों के पास से 10 मोबाइल, आठ सिम कार्ड, छह एटीएम कार्ड, दो आधार, दो पैन कार्ड व एक लैपटाप जब्त किया। (जासं)

जमीयत उलमा पर भाजपा हुई हमलावर, कहा- आतंकी बचाओ अभियान सक्रिय

- पूनावाला बोले, तुष्टीकरण के भाईजान और आतंकी बचाओ जमात सक्रिय
- शाहनवाज हुसैन बोले- अरशद मदनी का बयान बेहद गैरजिम्मेदाराना

नई दिल्ली, प्रेट्र: दिल्ली लाल किला कार बम धमाके के आतंकियों की पनाहगाह बनी अल फलाह यूनिवर्सिटी के कुलपति पर कार्रवाई को मुसलमानों के साथ भेदभावपूर्ण बताने वाले जमीयत उलमा ए हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा ने कहा कि आतंकी बचाओ जमात सक्रिय हो गई है।

भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने प्रतिक्रिया में कहा कि वोट बैंक के नाम पर 'तुष्टीकरण के भाईजान' और 'आतंकी बचाओ जमात' सक्रिय हो उठे हैं। उन्होंने कहा कि अरशद मदनी जी, मेयर तो छोड़िए, ये देश मुसलमानों को राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधान न्यायाधीश और गृह मंत्री भी बनते देख चुका है। देश से सबसे बड़े कलाकार और कारोबारी भी मुस्लिम समुदाय से आते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई आतंकी घटना होती है, तो वे लोग, जो कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, धर्म के आधार पर आतंकवादियों की वकालत करने लगते हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

शाहजद पूनावाला। फाइल

ने कहा कि देश में एपीजे अब्दुल कलाम मुस्लिमों के आदर्श हैं। उन्होंने मस्तक ऊंचा रखा। दूसरों को आदर्श क्यों बनाना। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि अरशद मदनी का बयान बेहद गैरजिम्मेदाराना है। उन्हें याद रखना चाहिए कि जमीयत उलमा ए हिंद ने आजादी के आंदोलन में योगदान दिया। वह ऐसी टिप्पणी करके नाम खराब कर रहे हैं।

अरशद मदनी ने कहा था

मौलाना अरशद मदनी ने रविवार को जमीयत के मुख्यालय में आयोजित एक सत्र में कहा था कि एक तरफ जोहरान ममदानी न्यूयार्क के मेयर चुने जाते हैं, एक खान लंदन का मेयर बन सकता है, लेकिन वहीं भारत में मुसलमान किसी विश्वविद्यालय का कुलपति भी नहीं बन सकता। अगर कोई बन भी जाए तो उसे जेल भेज दिया जाता है, जैसे कि आजम खान। देखिए, आज अल फलाह में क्या हो रहा है। इसके संस्थापक को जेल में डाल दिया गया है और कोई नहीं जानता कि वह कितने वर्षों तक जेल में रहेंगे। मदनी ने आरोप लगाया कि सरकार ये सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है कि मुसलमान अपना सिर न उठाने पाएं।

दिल्ली विस्फोट मामले में एनआइए व एटीएस की टीमों ने उप्र में की 14 डाक्टरों से पूछताछ

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

दिल्ली में हुए विस्फोट के मामले में एनआइए और एटीएस की टीमों ने रविवार को 14 डाक्टरों से पूछताछ की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत इन डाक्टरों से जांच एजेंसियों ने डा. शाहीन और उसके भाई डा. परवेज से संपर्क के बारे में जानकारी ली है। पूछताछ के बाद नौ डाक्टरों को छोड़ दिया गया है, जबकि पांच डाक्टरों से पूछताछ की जा रही थी। इनमें सहारनपुर के तीन डाक्टर शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में आतंकियों के नेटवर्क की जड़ें तलाशने में जुटी एनआइए ने शाहीन और परवेज के संपर्क में रहे 40 से ज्यादा डाक्टरों की सूची तैयार की है। इनसे पूछताछ कर आतंकी नेटवर्क की तह तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। अभी तक की जांच में यह सामने आया है कि शाहीन और परवेज विभिन्न मुद्दों पर डाक्टरों की राय लेकर यह तय करते थे कि उन्हें आतंकी नेटवर्क के साथ जोड़ा जाए या नहीं। इससे पहले संबंधित डाक्टरों के

यूपी एटीएस। फाइल

बारे में सारी जानकारी हासिल की जाती थी। इसके बाद उन्हें लक्ष्य दिया जाता था। आतंक के इस सफेदपोश माड्यूल ने आतंकी वारदात के लिए एकत्र की जाने वाली सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए अस्पतालों को ठिकाना बनाया था। जम्मू-कश्मीर में कुछ अस्पतालों की जांच भी की गई है। इसके बाद उत्तर प्रदेश में इनके ठिकानों की तलाश के लिए डाक्टरों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ से पहले संबंधित डाक्टरों के मोबाइल फोन नंबरों व इंटरनेट मीडिया अकाउंट की भी जांच की जा रही है।

गर्म कपड़े व ड्राई फ्रूटस बेचने वाले कश्मीरियों पर भी खुफिया नजर

जागरण टीम, मुरादाबाद : दिल्ली विस्फोट मामले में एनआइए को अल फलाह विश्वविद्यालय के साथ कश्मीरी कनेक्शन भी मिला है। इसके बाद एटीएस ने अल फलाह विश्वविद्यालय के संपर्क में रहे चिकित्सकों व गैर चिकित्सकों के अलावा कश्मीरी कनेक्शन वालों पर खुफिया नजर तेज कर दी है। इसी कड़ी में कश्मीर से आए चिकित्सकों, विभिन्न फर्मों के कर्मचारी, सिक्योरिटी गार्डों से पूछताछ कर उनका सत्यापन किया जा रहा है। एजेंसियों की नजर उन कश्मीरियों पर भी है, जो सर्दी में गर्म कपड़े व ड्राई फ्रूटस बेचने के लिए आते हैं। इन सभी के आधार कार्ड, स्थायी पते, मोबाइल नंबर, बैंक विवरण, काल डिटेल और कार्यस्थल समेत कई दस्तावेजों की जांच की जा रही है

उप्र में घुसपैठियों का सत्यापन शुरू, भेजे जाएंगे वापस

- नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों की पहचान शुरू
- फर्जी दस्तावेज का उपयोग करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद उत्तर प्रदेश में घुसपैठियों का सत्यापन शुरू कर दिया गया है। रविवार को नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों सहित बड़े शहरों में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान शुरू कर दी गई है। पुलिस और जिला प्रशासन के सहयोग से शुरू किए गए इस अभियान के तहत अवैध रूप से रह रहे लोगों को डिटेंशन केंद्रों पर रखा जाएगा। इनकी पहचान की जानकारी एकत्र करने के बाद फर्जी दस्तावेज के आधार पर रह रहे लोगों को वापस भेजा जाएगा।

सभी जिलों के एसएसपी और पुलिस कमिश्नरों को निर्देश दिए गए हैं कि सत्यापन की प्रक्रिया में निर्दोष व्यक्तियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

वहीं दूसरी ओर संदिग्ध गतिविधियों में शामिल या फर्जी दस्तावेज का उपयोग करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस ने सभी थानों में किरायेदारों के सत्यापन के दस्तावेज को नए सिरे से खंगालना

योगी आदित्यनाथ। फाइल

शुरू कर दिया है। पिछले कुछ समय से राज्य में बांग्लादेशियों की घुसपैठ काफी बढ़ी है। कई गिरोह बांग्लादेशियों को फर्जी दस्तावेज तैयार करा कर राज्य में बसा रहे हैं। कुछ समय में कई बांग्लादेशियों को पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार भी किया है।

मध्य प्रदेश के रायसेन में छह साल की बच्ची से दरिंदगी, आक्रोशित लोग सड़कों पर उतरे

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेन

- रायसेन जिले में हिंदू संगठनों का प्रदर्शन, बाजार बंद कर लगाया जाम

मध्य प्रदेश में रायसेन जिले के गौहरगंज थाना क्षेत्र में छह साल की बच्ची से दरिंदगी की की गई। मासूम लहूलुहान अवस्था में जंगल में मिली। भोपाल के अस्पताल में भर्ती बच्ची की सर्जरी करनी पड़ी। फिलहाल, उसे आइसीयू से सामान्य वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। शनिवार रात को अंजाम दी गई इस वारदात के विरोध में रविवार को पूरे दिन रायसेन जिले में आक्रोश देखने को मिला है। इस दरिंदगी को अंजाम देने का आरोपित सलमान खान उर्फ नजर फरार है। उसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों ने ओबेदुल्लागंज और सुल्तानपुर कस्बों में जाम लगाया, जिसमें आम लोग भी शामिल हो गए। समर्थन में मुस्लिमों ने भी हिस्सा लिया।।

पुलिस के अनुसार, आरोपित सलमान खान उर्फ नजर गौहरगंज में किराये के मकान में रहता है। शनिवार रात वह कस्बा के पड़ोस वाले गांव में पहुंचा और वहां एक परिवार की छह वर्षीय

रायसेन जिले के कस्बा गौहरगंज में बच्ची से दरिंदगी के आरोपित सलमान खान की गिरफ्तारी के विरोध में रविवार को जाम लगाकर बैठे लोग। -नईदुनिया

बच्ची को बहला-फुसलाकर जंगल की ओर से गया और उससे दुष्कर्म किया। लहूलुहान अवस्था में बच्ची को जंगल में ही छोड़कर फरार हो गया। वारदात के विरोध में रविवार को अनेक लोग सड़क पर उतर आए। बाजार बंद रहे। लोगों ने सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि सोमवार दोपहर तक आरोपित गिरफ्तार नहीं हुआ तो जिले के सभी कस्बों में उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

आरोपित की ड्रोन से तलाश, 20 हजार का इनाम : आरोपित सलमान मूलरूप से सीहोर जिले के श्यामपुर का रहने वाला है। उसकी तलाश में पुलिस की आठ टीमें जुटी हुई हैं। जंगल में ड्रोन की मदद से तलाशी ली जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है।

शिवराज ने अस्पताल पहुंचकर जाना बच्ची का हाल: रविवार को भोपाल के अस्पताल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बच्ची का हाल जाना और परिवार को आश्वस्त किया कि बिटिया को न्याय दिलाया जाएगा। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को समुचित इलाज करने के साथ पुलिस अधिकारियों से आरोपित को गिरफ्तार करने को कहा।

अमेरिका का वीजा नहीं मिलने पर महिला डाक्टर ने दे दी जान

अमरावती, प्रेट्र : आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले की एक महिला डाक्टर ने अमेरिका का वीजा नहीं मिलने पर कथित तौर पर डिप्रेशन या अवसाद के कारण हैदराबाद में अपने फ्लैट में आत्महत्या कर ली है।

इस बारे में पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि यह घटना शनिवार को तब सामने आई जब महिला के परिवार के सदस्य, जो शहर के एक अन्य क्षेत्र में रहते हैं महिला के फ्लैट में पहुंचे। उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर दरवाजा तोड़कर अंदर गए और उन्हें मृत पाया। महिला की पहचान रोहिणी के तौर पर हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आशंका है कि उसने शुक्रवार रात नींद की गोलियों का ओवरडोज लिया। हालांकि मौत का सही कारण अभी ज्ञात नहीं है। घर से एक सुसाइड नोट मिला जिसमें कहा गया था कि वह डिप्रेशन में थी और उसमें वीजा आवेदन खारिज होने का भी जिक्र है।

ठंड बढ़ी

श्रीनगर में तापमान गिरा, हिमाचल में सबसे ठंडी रात

पर्वतीय राज्यों में कई जगहों पर तापमान जमाव बिंदु से नीचे गया, पंजाब के साथ हिमाचल में भी धुंध होने से घटी दृश्यता

जागरण टीम, नई दिल्ली

पर्वतीय राज्यों में ठंड लगातार बढ़ रही है। ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों और कश्मीर घाटी में रात के समय तापमान जमाव बिंदु के नीचे जाने लगा है। श्रीनगर में शनिवार रात को न्यूनतम तापमान माइनस 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

यह इस सीजन में सबसे ठंडी रातों में से एक है। उधर, हिमाचल में भी शनिवार रात को इस सीजन में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। लाहूल स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान मानइस सात डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। उत्तराखंड में न्यूनतम तापमान गिरने से ठिठुरन बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार अभी कुछ दिन तापमान गिरने का सिलसिला जारी रहेगा और ठंड बढ़ेगी।

दक्षिण कश्मीर में तापमान जमाव बिंदु से नीचे रहा। पहलगाम, शोपियां, पुलवामा, बांडीपोरा में तापमान माइनस में रहा। जम्मू रीजन में भी किश्तवाड़,भद्रवाह, बनिहाल में तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज

श्रीनगर में रविवार को एक ठंडी सुबह के कारण सड़क किनारे आग जलाकर खुद को गर्म करते लोग। एएनआइ

किया गया। हिमाचल में रविवार को 13 स्थानों पर न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया। केलंग, कल्पा में तापमान माइनस में रहा।

न्यूनतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट आई है। शिमला के मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 30 नवंबर तक मौसम साफ रहने की संभावना जताई है। बिलासपुर और सुंदरनगर में रविवार सुबह धुंध पड़ने से दृश्यता घट गई। उत्तराखंड में भी सुबह-शाम के समय सर्दी का सितम बढ़ गया है। पहाड़ों में पाला और मैदानी क्षेत्रों में हल्का कोहरा भी दुश्वारियां बढ़ा रहे हैं।

पंजाब में छाई घनी धुंध

पंजाब के कई जिलों में रविवार सुबह घनी धुंध छाई रही। लुधियाना, रोपड़, पठानकोट, होशियारपुर, चंडीगढ़ और अमृतसर में सुबह आठ बजे तक धुंध के कारण दृश्यता 200 मीटर से भी कम रही। धूप निकलने के बाद भी सुबह दस बजे तक कई स्थानों पर हल्की धुंध बनी रही। ठंडी हवाएं चलने से सिहरन महसूस की गई। मौसम केंद्र चंडीगढ़ के अनुसार सुबह के समय हवा की रफ्तार पांच से सात किमी प्रति घंटे रही। धुंध और ठंडी हवा के कारण दिन और रात का तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। दिन में होशियारपुर सबसे ठंडा रहा, जहां तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा।

हिमाचल में भाजपा नेता के विवादित भाषण देने पर केस दर्ज

जागरण संवाददाता, शिमला : हिमाचल प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव में ठियोग से भाजपा के प्रत्याशी रहे अजय श्याम पर क्यारा में एक स्कूल में विवादित बयान देने पर पुलिस थाना कुमारसैन में मामला दर्ज हुआ है। कसुम्पटी निवासी अतुल शर्मा ने एसपी शिमला को शिकायत पत्र सौंप कार्रवाई करने की मांग की थी।

शिकायतकर्ता अतुल शर्मा ने आरोप लगाया था कि 14 नवंबर को क्यारा में एक स्कूल में एक कार्यक्रम के दौरान अजय श्याम ने ब्राह्मण समुदाय, पंडितों की धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। अतुल शर्मा ने इसे घृणास्पद भाषण बताते हुए कहा कि अजय श्याम द्वारा दिए गए बयान से ब्राह्मण समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और यह समुदाय विशेष के प्रति वैमनस्य फैलाने वाला प्रयास प्रतीत होता है।

कानपुर देहात में 102 ग्रामीणों के खून में ज्यादा क्रोमियम

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात

- खानचंद्रपुर में डंप रहे क्रोमियम का असर अब तक भूगर्भ जल में दिख रहा
- एनजीटी के आदेश पर स्वास्थ्य विभाग ने कैंप लगाकर लिए थे खून के नमूने

रनियां औद्योगिक क्षेत्र के आसपास के गांवों के 102 ग्रामीणों के खून में सामान्य से ज्यादा क्रोमियम मिला है। एनजीटी के निर्देश पर यहां स्वास्थ्य विभाग ने शिविर लगाकर खून के नमूने लिए थे।

जिले के खानचंद्रपुर में करीब 90 हजार मीट्रिक टन क्रोमियम डंप था। रनियां की फैक्ट्रियों का औद्योगिक कचरा भी बहाया जाता था, जिससे मिट्टी के साथ ही भूगर्भ जल तक दूषित हो गया। हैंडपंपों से पीला पानी आता था। इससे पेट संबंधी बीमारी के साथ ही त्वचा संबंधी बीमारी लोगों को होने लगी थी। मामला एनजीटी पहुंचा तो वर्ष 2024 में क्रोमियम हटा दिया गया था, लेकिन इसका असर खानचंद्रपुर, शिवनाथपुरवा, घारमपुर व उमरन गांव के लोगों में अब भी दिख रहा है। हाल में 102 ग्रामीणों के शरीर में सामान्य से आंशिक ज्यादा क्रोमियम पाया गया, जोकि तय मानक 1.4 माइक्रोग्राम से अधिक है। हालांकि, ऐसे लोगों में कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या अभी नहीं है। सीएमओ डा. एके सिंह ने बताया कि 102 लोगों के सैंपल लिए गए थे। इन्हें जांच के लिए लखनऊ भेजा गया था, जिसकी रिपोर्ट आ गई है। क्रोमियम की मात्रा सामान्य से मामूली बढ़ी आई है, जबकि मरकरी की मात्रा सभी में सामान्य पाई गई है। अब प्रभावित क्षेत्र के गांवों में करीब आठ हजार लोगों की जांच कराई जाएगी। इनमें वे लोग भी शामिल होंगे, जिनके सैंपल पूर्व में लिए जा चुके हैं।

****

1.44 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है महाराष्ट्र के ठाणे जिले में। पुणे और गोवा के दो व्यक्तियों पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी निवेश स्कीम का झांसा देकर सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी और उनके डाक्टर मित्र से 1.44 करोड़ रुपये ठग लिए।

न्यूज गैलरी

नईदुनिया के रायपुर के संपादकीय प्रभारी को पुत्री शोक

आली श्रीवास्तव।

रायपुर : दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन नईदुनिया के रायपुर संस्करण के संपादकीय प्रभारी सतीश चंद्र श्रीवास्तव की बेटी आली श्रीवास्तव का शनिवार दोपहर जगदलपुर में सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। आली स्वर्गीय बलिराम कश्यप मेमोरियल शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, जगदलपुर में एमबीबीएस अंतिम वर्ष की छात्रा थीं। वह प्रियदर्शिनी श्रीवास्तव की बेटी और अजीरा की बड़ी बहन थीं। रविवार शाम को रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजसेवी एवं मीडिया जगत के लोग मौजूद थे। सतीश श्रीवास्तव गोपालगंज (बिहार) जिले के फुलवरिया प्रखंड के बलिभद्र परसा गांव के रहने वाले हैं।

पायलट पर क्रू मेंबर के यौन उत्पीड़न का आरोप, केस दर्ज

हैदराबाद: बेंगलुरु के एक होटल में 26 साल की केबिन क्रू मेंबर के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में एक चार्टर्ड फ्लाइट के पायलट के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि हालांकि यह घटना 18 नवंबर को बेंगलुरु में हुई थी, पर पीड़िता ने शहर के बेगमपेट थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत 'जीरो एफआइआर' दर्ज की गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, "हैदराबाद लौटने के बाद क्रू मेंबर ने घटना की रिपोर्ट की और हमने केस दर्ज किया और इसे बेंगलुरु के हलासुरु थाने में ट्रांसफर कर दिया गया। वे मामले की जांच कर रहे हैं।" (प्रेट्र)

गुरु तेग बहादुर का साहस सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को गुरु तेग बहादुर को उनके 350वें शहीदी दिवस की पूर्व संध्या में श्रद्धांजलि दी और कहा कि गुरु तेग बहादुर की वीरता, त्याग और निस्वार्थ सेवा सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, गुरु तेग बहादुर ने इंसानियत और सच्चाई के आदर्शों को बनाए रखने के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। आइए हम उनके मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं और अपने देश में सद्भाव और एकता को मजबूत करने के लिए काम करें। (प्रेट्र)

मणिपुर के अलग-अलग जिलों में चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल: मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि प्रतिबंधित पीपल्स लिबरेशन आर्मी के एक कैडर को शनिवार को काकचिंग जिले में गिरफ्तार किया गया। उसी दिन बिष्णुपुर जिले से इस संगठन के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को तेंग्नौपाल जिले से प्रतिबंधित प्रीपाक (प्रो) के एक कैडर को भी गिरफ्तार किया। केसीपी (पीडब्लूजी) के एक और सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले में उसके घर से गिरफ्तार किया। (प्रेट्र)

पीएम ने लोस अध्यक्ष बिरला को दी जन्मतिथि की बधाई

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनकी जन्मतिथि पर रविवार को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी को उनकी जन्मतिथि पर मेरी शुभकामनाएं। वे अपने शांत नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। विधायी प्रक्रियाओं को मजबूत करने, रचनात्मक बहस को बढ़ावा देने और संसद की गरिमा बनाए रखने के लिए बिरला की प्रतिबद्धता का बहुत सम्मान किया जाता है। भगवान उन्हें लंबी और स्वस्थ जिंदगी दे। (प्रेट्र)

हमें धर्म रक्षा के लिए लड़ना है : भागवत

- संघ प्रमुख ने कहा-दुनिया में हो रही हैं महाभारत, शांति का मार्ग सिर्फ गीता
- बोले-गीता के मार्ग पर चलकर ही फिर से विश्व गुरु बन सकता है भारत
- एक हजार वर्षों तक हमें गुलामी में रहना पड़ा, धार्मिकस्थल नष्ट कर दिए गए

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने रविवार को दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम में कहा कि हमें गीता पढ़नी ही नहीं, बल्कि उसे जीना भी है। प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन दो श्लोक पढ़कर उसे जीवन में लागू करे तो वह वर्ष भर में गीतामय बन सकता है। लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अर्जुन के गंभीर प्रश्नों का उत्तर ही गीता है। गीता हमें समस्या से भागने के बजाय उसका सामना करने की प्रेरणा देती है। हमें धर्म रक्षा के लिए लड़ना है। गीता के मार्ग पर चलकर ही भारत फिर से विश्व गुरु बन सकता है।

उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष पहले की तरह आज भी दुनिया में महाभारत हो रही हैं, अपराध भी समान रूप से मौजूद हैं। भौतिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन नीति और शांति की कमी से मनुष्य अस्थिर है। आज दुनिया असमंजस की स्थिति में है। गीता के माध्यम से सही दिशा दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि लाभ-हानि, यश-अपयश की चिंता छोड़कर धर्म के लिए कर्म करना ही वास्तविक श्रेष्ठता है। यही सफलता का मार्ग है।

उन्होंने कहा कि अन्याय और असत्य के आगे सिर झुकाकर जीने के बजाय, एक क्षण के लिए भी बिजली की तरह चमक कर नष्ट हो जाने से भी कीर्ति बढ़ती है। 'हमारा देश पूरे विश्व का गुरु था... भारत दुनिया के लिए बड़ा सहारा था। एक हजार वर्षों तक आक्रमणकारियों के पैरों तले रौंदा गया। हमें गुलामी में रहना पड़ा। धार्मिकस्थलों को नष्ट कर दिया गया। जबरन धर्मांतरण होने लगे। ये सब था, तब भी यह भारतवर्ष था। अब राम मंदिर पर झंडा फहराने वाले हैं। यह तब भी भारत था, यह अब भी भारत है।

लखनऊ में रविवार को जनेश्वर मिश्र पार्क में 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत लोगों को संबोधित करते हुए। प्रेट्र

योगी बोले, आरएसएस को ओपेक देश या इंटरनेशनल चर्च नहीं देता पैसा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता धर्म की वास्तविक प्रेरणा है। हमने धर्म को उपासना विधि मात्र नहीं माना है। उपासना विधि उसका छोटा सा भाग है। धर्म हमारे यहां जीवन जीने की पद्धति है। उन्होंने कहा कि दुनिया से आए अंबेसडर, हाई कमिश्नर हमसे पूछते हैं कि आप लोगों का आरएसएस से जुड़ाव है, तब हम कहते हैं कि हां! हमने स्वयंसेवक के रूप में कार्य किया है। वे इसकी फंडिंग के बारे में पूछते हैं, तब हम बताते हैं कि यहां ओपेक देश या इंटरनेशनल चर्च पैसा नहीं देता। यह संगठन समाज के सहयोग से खड़ा है और समाज के लिए प्रत्येक क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करता है। आरएसएस ने पिछले 100 वर्षों में सेवा के साथ कोई सौदेबाजी नहीं की, लेकिन कुछ लोगों ने दुनिया व भारत में सेवा को ही सौदे का माध्यम बनाया है। वे लोभ, लालच और दबाव से भारत की डेमोग्राफी को बदलने के लिए छल व छद्म का सहारा ले रहे हैं। अपना ताना-बाना बदलकर भारत की आत्मा पर प्रहार करने का प्रयास कर रहे हैं। इन स्थितियों में भगवान की वाणी श्रीमद्भगवदगीता नई प्रेरणा बन सकती है। इससे पहले कार्यक्रम के आयोजक स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि आरएसएस नागरिक कर्तव्य के माध्यम से स्मार्ट सिटिजन का निर्माण कर रहा है। जल्द ही ब्रेल लिपि के माध्यम से गीता मूकबधिर समाज को उपलब्ध कराई जाएगी।

योगी आदित्यनाथ। फाइल

यासीन मलिक ने ही वायुसेना के जवानों पर चलाई थीं गोलियां, गवाहों ने की पहचान

जागरण न्यूज नेटवर्क, जम्मू

- श्रीनगर में वर्ष 1990 में वायुसेना अधिकारी रवि खन्ना समेत चार कर्मी हुए थे बलिदान
- अब टाडा कोर्ट में 29 नवंबर को होगी मामले की अगली सुनवाई

श्रीनगर में वर्ष 1990 में वायुसेना के अधिकारी सहित चार कर्मियों की हत्या के मामले में जम्मू की टाडा कोर्ट में दो प्रमुख प्रत्यक्षदर्शी गवाहों ने आतंकी व मुख्य आरोपित यासीन मलिक समेत चार की पहचान कर ली है। इनमें जावेद मीर, नाना जी और शौकत बख्शी भी शामिल है।

टाडा कोर्ट में शनिवार को यासीन मलिक, जावेद मीर, नाना जी और शौकत बख्शी की पेशी हुई। यासीन वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से तिहाड़ जेल से कार्यवाही में पेश हुआ। इस दौरान जिरह के लिए बुलाए दोनों प्रमुख गवाहों ने यासीन मलिक समेत चारों की पहचान मुख्य आरोपी के तौर पर की। गवाहों में वायुसेना के एक स्टाफर और एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी शामिल थे। उन्होंने कोर्ट में गवाही देते हुए यासीन को उस हत्याकांड का मुख्य शूटर बताया। उन्होंने दावा किया कि यासीन ही वह व्यक्ति था, जिसने गोलियां चलाई थीं। इसमें चार जवान बलिदान हो गए थे और 22 अन्य घायल हो गए थे। बलिदानियों में वायुसेना के अधिकारी रवि खन्ना भी शामिल थे। जिरह के दौरान प्रत्यक्षदर्शी अपने बयान पर मजबूती से कायम रहे।

यासिन मलिक। फाइल

क्या था मामला : 25 जनवरी, 1990 को श्रीनगर के बाहरी इलाके रावलपुरा में आतंकियों ने भीषण गोलीबारी की थी। जांचकर्ताओं का कहना है कि इस हमले को यासीन मलिक ने अन्य आतंकियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। उसका मकसद उस वक्त घाटी में आतंक फैलाना था। आरोपियों की शिनाख्त के बाद अब इस मामले में 29 नवंबर को अगली सुनवाई होगी।

बिहार में उत्पाद अधीक्षक के ठिकानों पर विशेष निगरानी इकाई का छापा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- अधीक्षक की पत्नी के नाम पर पटना में छह व जहानाबाद में भी चार प्लाट
- एसबीआइ लाइफ, एलआइसी में 1.54 करोड़ से अधिक का किया है निवेश

बिहार की विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने रविवार को आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामले में औरंगाबाद के उत्पाद अधीक्षक अनिल कुमार आजाद के चार ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। इस दौरान काली कमाई के रूप में काफी संपत्ति अर्जित करने के साक्ष्य मिले हैं। उत्पाद अधीक्षक की पत्नी माधुरी देवी के नाम पटना में छह प्लाट, पत्नी व अन्य स्वजन के नाम जहानाबाद में चार प्लाट के प्रमाण मिले हैं। जिन पर करीब 1.78 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। एसबीआइ लाइफ, एलआइसी में 1.54 करोड़ से अधिक के निवेश के दस्तावेज व 26 लाख के जेवरात भी मिले हैं। जानकारी के अनुसार, छापेमारी के दौरान पटना स्थित आवास से 28 लाख के फिक्स डिपाजिट के दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। अनिल ने विभिन्न कंपनियों में एक करोड़ 54 लाख 65 हजार का निवेश कर रखा है। जिस पर एसवीयू अलग से जांच कर रही है। उनके विभिन्न बैंकों में करीब 48 लाख रुपये जमा हैं। 26 लाख के जेवरात व 8,60 की ज्वेलरी रसीद भी बरामद की गई है। इनके पास तीन लाकर हैं जिसकी बाद में तलाशी ली जाएगी। उत्पाद अधीक्षक ने स्टेट बैंक, इलाहाबाद बैंक और इंडियन बैंक में भी निवेश किया है।

आरोप है कि अनिल कुमार आजाद ने पद का दुरुपयोग कर एक करोड़ 58 लाख की अवैध संपत्ति अर्जित की है। पुख्ता जानकारी जुटाने के बाद विशेष निगरानी इकाई ने उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जन के साथ अन्य कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद कोर्ट से इनके परिसरों की तालाशी का वारंट प्राप्त किया। कोर्ट की अनुमति मिलने के बाद रविवार को विशेष निगरानी इकाई की टीमों ने उनके ठिकानों पर छापा मारा।

पत्नी की सलामी से छलके आंसू, मां की वेदना से टूटा आसमान

सुरेश कौशल ● जागरण

- माता-पिता हुए बेसुध, सैन्य सम्मान के साथ हुआ बलिदानी पायलट नमांश का अंतिम संस्कार
- ताया के बेटे निशांत स्याल ने दी चिता को मुखाग्नि, विदा करते हर आंख हुई नम

धर्मशाला: जब पटियालकड़ गांव की पगडंडियों पर विंग कमांडर नमांश स्याल तिरंगे में लिपटकर अंतिम बार घर पहुंचे हर किसी की आंख नम हो गई। घर के आंगन में खड़ी पत्नी वर्दी में दृढ़ मगर भीतर से टूटी हुई जब सलामी देकर पति को विदा कर रही थी, तो लगा जैसे समय थम गया हो। पास ही खड़ी सात साल की बेटी आर्या कभी मां का कांपता चेहरा देखती, कभी ताबूत पर सजे फूलों को। मां बीना देवी व पिता जगन्नाथ की नम आंखें व वेदना ने वहां मौजूद सभी लोगों को गमगीन कर दिया। रविवार को बलिदानी विंग कमांडर नमांश का सैन्य सम्मान संग अंतिम संस्कार किया गया।

नमांश स्याल दुबई में शुक्रवार को एयर शो के दौरान तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से बलिदान हुए थे। पार्थिव देह विशेष विमान से कांगड़ा के गगल स्थित हवाई अड्डे तक लाई गई। यहां से वाहनों के काफिले के साथ पटियालकड़ गांव तक पहुंचाई गई। पार्थिव देह के साथ उनकी पत्नी विंग कमांडर अफशां अख्तर वायुसेना की वर्दी में पहुंचीं। नमांश के पिता व माता भी साथ थे। घर के आंगन में जैसे की पार्थिव देह पहुंची तो स्वजन के साथ ही हर आंख नम हो गई। मां की वेदना से मानों आसमान टूट गया हो। पूर्व वायुसेना अधिकारी जगन्नाथ भी आंसू नहीं रोक पा रहे थे। घर के आंगन में अंतिम रस्मों के दौरान अफशां ने काफी देर तक हौसला टूटने नहीं दिया, पर अंतिम विदाई के समय वह भी आंसू नहीं रोक पाईं।

मोक्षधाम में सैन्य सम्मान के साथ नमांश का अंतिम संस्कार किया गया। चचेरे भाई निशांत ने चिता को मुखाग्नि दी। ताया जोगिंद्र स्याल ने बताया कि इन दिनों नमांश की पोस्टिंग कोयंबटूर के सैलूर में थी। उनकी पत्नी अफशां इन दिनों कोलकाता में प्रशिक्षण पर थीं। बेटी आर्या की देखभाल के लिए नमांश के माता-पिता सैलूर में ही थे। हिमाचल सरकार की ओर से खेल मंत्री व अन्य नेताओं ने बलिदानी को श्रद्धांजलि दी।

धर्मशाला के पटियालकड़ गांव में अंतिम संस्कार से पूर्व विंग कमांडर नमांश स्याल के पार्थिव शरीर को सलामी देती पत्नी विंग कमांडर अफशां अख्तर। प्रेट्र

हिंदू छात्राओं को पेशाब पिलाने का प्रयास, आरोपित किशोरों के अभिभावक गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, बदायूं

- बदायूं में नाबालिग मुस्लिम छात्रों ने छात्राओं की पानी की बोतल में मिलाया था पेशाब
- स्कूल प्रबंधक प्रकरण को दबाए रहा, मगर आरंभिक जांच में पुष्टि, प्राथमिकी पंजीकृत

यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि किशोर मन में पनपी खतरनाक मनोवृत्ति, मानसिक विकार का संकेत है। उप्र के बदायूं जिले में चमेली देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मुस्लिम नाबालिग छात्रों ने हिंदू छात्राओं को पानी में मिलाकर पेशाब पिलाने का प्रयास किया। गनीमत रही कि कुछ छात्राओं ने घिनौनी हरकत देखकर विरोध कर दिया। पुलिस ने आरोपित नाबालिग छात्रों की इस करतूत के लिए उनके अभिभावकों को भी जिम्मेदार माना। उन्होंने बच्चों को सही राह पर चलने की सीख नहीं दी। रविवार को अभिभावक इशरत, मो.अहमद, साबिर अली व शराफत का शांतिभंग में चालान किया गया।

चमेली देवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 20 नवंबर को कुछ छात्राएं स्कूल की छत पर धूप में पढ़ रही थीं। उनके बैग क्लासरूम में रखे थे। उसी दौरान तीन मुस्लिम छात्रों ने उनके बैग से पानी की बोतल निकालकर अपना पेशाब मिला दिया। इस शर्मनाक हरकत को देख रही कुछ अन्य छात्राओं ने विरोध किया। स्कूल प्रबंधन ने मामले को अनसुना कर दिया।

उसी दोपहर को छात्राओं ने घर पहुंचकर स्वजन को घटनाक्रम बताया। इसकी जानकारी करणी सेना के कार्यकर्ताओं तक भी पहुंची। शनिवार को करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने स्कूल में प्रदर्शन कर आरोपितों पर कार्रवाई की मांग की थी। स्कूल प्रबंधन आरोपों को झूठा बताता रहा तो करणी सेना ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। इंस्पेक्टर अजयपाल सिंह ने बताया कि अज्ञात छात्रों के विरुद्ध जातिगत घृणा, अश्लील हरकत व अपमानित करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी। आरंभिक जांच में पता चला कि इसमें चार नाबालिग छात्र शामिल थे। रविवार को उनके पिता इशरत, मोहम्मद अहमद, साबिर अली और शराफत को पकड़ा। नाबालिग छात्रों की गलती में अभिभावकों की लापरवाही भी थी। नसीहत देने के लिए उन चारों का शांतिभंग में चालान किया गया। उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई। विवेचना में आरोपित छात्रों के नाम भी प्राथमिकी में शामिल कर लिए जाएंगे।

प्रकरण को दबाए रहा स्कूल प्रबंधन : प्रबंधक मनोज कुमार का कहना था कि कुछ लोगों ने द्वेषवश स्कूल में हंगामा कर पढ़ाई बाधित की। इस संबंध में थाने में तहरीर दी गई है। वहीं, पुलिस का कहना है कि स्कूल में 20 नवंबर को हुई घटना को प्रबंधन ने दबाया। जांच में कुछ छात्राओं के बयान में आरोपों की पुष्टि हुई है। प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। शिक्षा विभाग भी मामले की विस्तृत जांच करेगा। वहीं प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने घटना से अनभिज्ञता जाहिर की।

टला बड़ा रेल हादसा, दुर्घटना से बची वाराणसी इंटरसिटी

जासं,अयोध्या: रामनगरी में एक बड़ा रेल हादसा होने से बच गया। वाराणसी इंटरसिटी ट्रेन में सवार यात्रियों की जान लोको पायलट की सतर्कता से बच गई। गेट पर तैनात कर्मी ने रेलवे फाटक खुला छोड़ दिया था। खुली क्रासिंग से ट्रैक्टर पार होता देखा पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दी, जिससे ट्रेन ट्रैक्टर से टकराने से बच गई। ड्यूटी पर तैनात कर्मी अलीम सहित इसके प्रबंधन से जुड़े अफसरों की बड़ी लापरवाही भी सामने आई है। अलीम की तैनाती ट्रैक मैन के पद पर है, पर उससे गेट मैन का काम लिया जा रहा था।

अधिकारियों ने बताया कि वाराणसी से लखनऊ को जाने वाले इंटरसिटी रविवार को गेट नंबर 127 पर पहुंचने वाली थी, तभी पायलट शिवाजी ने देखा कि खुली क्रासिंग से ट्रैक्टर गुजर रहा है। उन्होंने खतरे को भांपते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगा दी। ट्रेन धीमी होते-होते क्रासिंग के पास जाकर ठहर गई। इसके बाद उन्होंने सूचना स्थानीय रेल अधिकारियों को दी। मौके पर अधिकारियों ने पहुंचकर जांच शुरू की।

रीना का धर्म परिवर्तन करवाने के बाद बांग्लादेशी ने किया निकाह

जागरण संवाददाता, देहरादून

- बांग्लादेशी नागरिक की गिरफ्तारी के मामले में अवैध मतांतरण का प्रकरण भी आया सामने
- पुलिस से बचने के लिए रीना ने पहले पति के नाम पर ममून का फर्जी पहचान पत्र बनवाया

देहरादून में बांग्लादेशी नागरिक की गिरफ्तारी के बाद अब मतांतरण का मामला भी सामने आया है। आरोपित ने त्यूणी की महिला रीना चौहान को प्रेमजाल में फंसाया। इसके बाद उसे बांग्लादेश ले गया, जहां महिला का मतांतरण किया। रीना को नया नाम फरजाना अख्तर दिया। इसके बाद अवैध रूप से भारत आया। इस मामले में मतांतरण कराने वाले गिरोह का हाथ होने की भी आशंका जताई जा रही है। पुलिस विस्तृत जांच कर रही है।

थाना नेहरू कालोनी और एलआइयू देहरादून ने 20 नवंबर को गोपनीय सूचना के आधार पर नेहरू कालोनी क्षेत्र से ममून हसन निवासी मेहरपुर (बांग्लादेश) व रीना चौहान निवासी त्यूणी को गिरफ्तार किया था, जोकि वर्तमान समय में अलकनंदा एनक्लेव नेहरू कालोनी में किराये पर रह रहे थे। पूछताछ में पता चला कि दोनों की पहचान फेसबुक के जरिये हुई थी। ममून वर्ष 2019-21 के दौरान तीन बार टूरिस्ट वीजा पर भारत आया और रीना से मिला। वर्ष 2022 में रीना को अवैध रूप से बांग्लादेश ले गया, जहां दोनों ने शादी कर ली।

रीना का विवाह पूर्व में सचिन चौहान से हुआ था। शादी के कुछ समय बाद ही दोनों अलग-अलग रहने लगे थे। इसके बाद रीना ने ममून से शादी कर ली और वापस देहरादून आ गई। कुछ परिचितों की मदद से उसने ममून के लिए अपने पूर्व पति सचिन चौहान के नाम से फर्जी पहचान पत्र बनवाए। इसके बाद ममून देहरादून के एक क्लब में सचिन के नाम व पहचान पत्र से बाउंसर का काम करने लगा। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि प्रकरण में दून पुलिस की ओर से लगातार बांग्लादेश में संबंधित एजेंसी से संपर्क कर पूरे प्रकरण से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण कड़ियों को जोड़ा जा रहा है।

जागरण विशेष

जंगली घास से की शुरुआत, आत्मनिर्भर बन खोल रहीं समृद्धि के द्वार

हरदोई की सावित्री देवी बनीं 38 लाख महिलाओं की प्रेरणा, पुनर्चक्रित सामग्री से तैयार उत्पादों को बड़े ब्रांड भी कर रहे पसंद

पंकज मिश्र ● जागरण

हरदोई: गांव के छोटे से घर में कभी तंगहाली से जूझने वाली सावित्री देवी आज लाखों महिलाओं के लिए उम्मीद, हिम्मत और संघर्ष का दूसरा नाम बन चुकी हैं। जंगली घास, मूंज, कांस से शिल्पकारी सीखकर उन्होंने न केवल अपनी पहचान बनाई, बल्कि स्वयं सहायता समूह की शक्ति से पूरे समुदाय की महिलाओं को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया। उन्होंने अपने अथक प्रयास से प्रदेश के 3.5 लाख स्वयं सहायता समूहों की 38 लाख महिलाओं के लिए प्रेरणा का दीप जला दिया है।

हरदोई जिले के संडीला तहसील क्षेत्र का एक छोटा सा गांव है मढ़ोरा। यहां रहने वाली सावित्री के पति विजय कुमार के पास इतनी खेती-बाड़ी नहीं थी, जिससे परिवार का सही से गुजारा हो सके। इस बीच सावित्री देवी परिवार संवारने के लिए आगे आईं। जब उन्होंने घर की दहलीज लांघी तो परिवार में ही उनका विरोध भी हुआ, लेकिन सावित्री आगे बढ़ती रहीं। कक्षा आठ तक पढ़ीं सावित्री देवी ने वर्ष 2017 में एचसीएल फाउंडेशन की मदद से हस्तशिल्प उत्पादन का प्रशिक्षण लिया। अगले वर्ष उन्होंने तुलसी महिला स्वयं सहायता समूह बनाया। 2021 में सावित्री देवी ने समुदाय क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनाई और उसमें अन्य महिलाओं को जोड़ा। ये महिलाएं मूंज, कांस जैसी स्थानीय जंगली घासों, गेहूं की बाली के साथ-साथ पुराने सीमेंट और जूट बैग जैसी पुनर्चक्रित सामग्रियों का प्रयोग कर कढ़ाई और सृजनशीलता के माध्यम से पर्यावरण-हितैषी और आकर्षक हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करने लगीं। उनके उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला में लांड्री बास्केट, शापिंग और टोट बैग, ट्रैवल पाउच, कास्मेटिक बैग, फाइल फोल्डर, मिनी ब्रीफकेस, वेस्ट पेपर बास्केट, गिफ्ट बाक्स, वाल प्लेट्स, कोस्टर, फाइल ट्रे, शिबोरी स्टोल, सिल्क दुपट्टे, ब्लाक प्रिंटेड काटन दुपट्टे, और रनिंग फैब्रिक शामिल हैं। ये उत्पाद लाइफस्टाइल ब्रांड्स भी खूब पसंद करते हैं और आनलाइन शापिंग साइट्स व एलीट होम स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। चार घंटे दैनिक काम से औसतन तीन से चार हजार रुपये मासिक कमाई होती है, जिससे महिलाएं वित्तीय स्वतंत्र बनीं।

सावित्री देवी की लगन और मेहनत से प्रभावित होकर एचसीएल फाउंडेशन ने उन्हें आगे बढ़ाया। सावित्री का जीवन दर्शाता है कि सच्चा सशक्तीकरण डिग्री से नहीं, बल्कि मेहनत, आत्मविश्वास और बदलाव की इच्छा से आता है।

संडीला में प्रशिक्षण देतीं सावित्री देवी (बीच में) ● जागरण

मास्टर ट्रेनर बनीं सावित्री

सावित्री देवी ने कड़ी मेहनत की। वह जल्द मास्टर ट्रेनर बन गईं। गांवों तथा ब्लाकों में कौशल विकास व डिजाइन नवाचार कार्यशालाओं का संचालन किया। वह महिलाओं को उत्पादन, फिनिशिंग तकनीक व गुणवत्ता नियंत्रण का प्रशिक्षण देती थीं। आज समुदाय क्राफ्ट्स प्राइवेट लि. की निदेशक हैं और 500 से अधिक महिला शिल्पकारों के केंद्रों का संचालन करती हैं।

महिलाओं को बढ़ा रहीं आगे

हरदोई के जिलाधिकारी अनुनय झा बताते हैं कि सावित्री देवी ने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से न केवल अपने जीवन को बदला है, बल्कि समाज की अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार की मंशा भी स्वदेशी उत्पादों और महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देने की है। जिले में 20 हजार स्वयं सहायता समूह हैं, जिसमें से कई समूहों ने राष्ट्रीय फलक पर अपना परचम लहराया है। प्रशासन की तरफ से समूहों का पूरा उत्साहवर्धन किया जाता है।

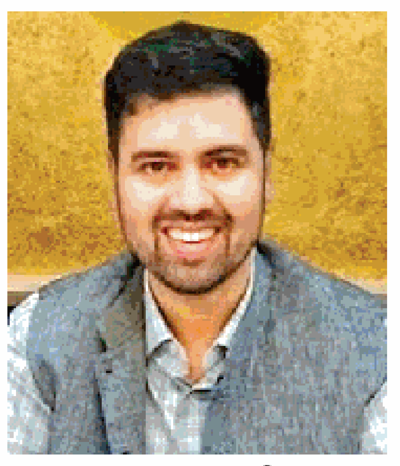

अनुनय झा, जिलाधिकारी, हरदोई

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

बिहार के साइबर फ्राड हर्षित का चीनी हैंकर से संबंध उजागर, सीबीआइ करेगी जांच

राजीव कुमार, जागरण ● पूर्णिया : बिहार में सुपौल जिले से बीते दिनों पकड़ा गया 21 वर्षीय हर्षित कुमार अब देशभर की जांच एजेंसियों के रडार पर है। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने उसकी गतिविधियों और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को देखते हुए सिम बाक्स मामले की जांच सीबीआइ को सौंपने का फैसला किया है। ईओयू के एडीजी नैयर हसनैन खान ने कहा, सिम बाक्स से ठगी मामले में चीन सहित कई देशों से तार जुड़ने के कारण इसकी जांच सीबीआइ को सौंपी जाएगी।

जांच में यह सामने आया है कि हर्षित साइबर ठगी की ट्रेनिंग लेने चीन तक गया था। नेपाल, बांग्लादेश, थाईलैंड व वियतनाम जैसे देशों में भी उसके संपर्क पाए गए हैं। वह इन देशों की यात्रा भी कर चुका है। इससे साफ है कि यह नेटवर्क काफी बड़े पैमाने पर काम कर रहा था।

****

हां 88% / 12% नहीं — क्या देश के उच्च शिक्षित आतंकी इस्लामी आतंकवाद का नया चेहरा हैं?

हां 73% / 27% नहीं — क्या सफेदपोश आतंक ने इसके खिलाफ भारत की लड़ाई को कठिन बना दिया है?

मुद्दा से संबंधित अपनी राय, सुझाव और प्रतिक्रिया mudda@jagran.com पर भेज सकते हैं।

आतंक का नया चेहरा

भारत करीब चार दशक से आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहा है। इस लंबे दौर में कभी पाकिस्तान ने अपनी जमीन पर आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर भारत भेजा और इनके जरिये आतंकी हमलों को अंजाम दिया और कभी भारत में स्थानीय नेटवर्क तैयार कर स्थानीय लोगों की मदद से हमले कराए। भारत के संदर्भ में अब तक यह माना जाता रहा है कि अशिक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को ब्रेनवाश कर आतंकी बनाया जाता रहा है। लेकिन हाल में हुए लाल किला आतंकी हमले में सफेदपोश आतंकियों का नेटवर्क सामने आया है। ये आतंकी उच्च शिक्षित मेडिकल पेशेवर हैं। इस बात को स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल लगता है कि एमबीबीएस और एमडी की पढ़ाई करने वाला व्यक्ति भी आत्मघाती हमलावर हो सकता है। आतंक के इस नए रूप ने आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई को और कठिन बना दिया है। आतंक के नए चेहरे के पीछे छिपी विचारधारा और मानसिकता की पड़ताल ही आज का मुद्दा है...

आतंकी हमलों का दंश (1993-2025)

1993
- **12 मार्च:** महाराष्ट्र, बांबे में हुए 12 बम धमाकों में 257 की मौत, 1400 से अधिक घायल
- **8 अगस्त:** तमिलनाडु, चेन्नई स्थित आरएसएस कार्यालय के पास हुए धमाके में 5 की मौत

1996
- **21 मई:** दिल्ली, लाजपत नगर विस्फोट में 13 की मौत, 19 घायल
- **22 मई:** राजस्थान, दौसा बम धमाके में 14 की मौत, 37 लोग हुए घायल

1997
- **1 अक्टूबर:** दिल्ली, फ्रंटियर मेल धमाके में तीन लोगों की मौत
- **18 अक्टूबर:** दिल्ली, बाजार में हुए धमाकों में 59 मरे 150 से अधिक घायल
- **30 नवंबर:** दिल्ली, चांदनी चौक धमाके में 3 की मौत,73 घायल
- **30 दिसंबर:** दिल्ली, पंजाबी बाग में हुए बम विस्फोट में चार की मौत, 30 घायल

1999
- **25 जनवरी:** जम्मू-कश्मीर, आतंकियों ने की 23 कश्मीर पंडितों की हत्या
- **24-31 दिसंबर:** आइसी, 814 को बंधक बनाया गया, एक यात्री की हत्या, आतंकियों की रिहाई के बदले में कंधार से पायलट सहित यात्रियों को छोड़ा गया

2000
- **20 मार्च:** जम्मू-कश्मीर, चिट्टीसिंहपुरा में 35 सिखों की हत्या

2001
- **1 अक्टूबर:** जम्मू-कश्मीर, आत्मघाती कार विस्फोट में 38 लोगों की मौत
- **13 दिसंबर:** दिल्ली, संसद हमले में 9 की मौत 18 घायल

2002
- **14 मई:** जम्मू-कश्मीर, कालू चक हमले में 31 मरे, 47 घायल
- **2 सितंबर:** गुजरात, अक्षरधाम आतंकी हमले में 13 की मौत, 80 घायल

2003
- **13 मार्च:** जम्मू-कश्मीर, नादीमार्ग में 24 पंडितों की हत्या
- **25 अगस्त:** महाराष्ट्र, मुंबई धमाकों में 54 की मौत, 244 घायल

2005
- **5 जुलाई:** उत्तर प्रदेश, अयोध्या आतंकी में एक की मौत, पांच आतंकी मारे गए
- **29 अक्टूबर:** दिल्ली, सिलसिलेवार बम धमाकों में 62 मरे, 200 घायल

2006
- **7 मार्च:** उत्तर प्रदेश, वाराणसी धमाके में 28 की मौत, 100 से अधिक घायल
- **30 अप्रैल:** जम्मू-कश्मीर, डोडा उधम पुर आतंकी हमले में 57 की हत्या
- **11 जुलाई:** महाराष्ट्र, ट्रेन बम धमाकों में 209 की मौत, सैकड़ों घायल
- **8 सितंबर:** महाराष्ट्र, मालेगांव बम धमाके में 45 की मौत, 145 घायल

2007
- **18 फरवरी:** हरियाणा, समझौता ट्रेन बम धमाके में 70 की मौत, 50 घायल
- **18 मई:** आंध्र प्रदेश, मक्का मस्जिद धमाके में 16 की मौत, 100 घायल
- **25 अगस्त:** आंध्र प्रदेश, हैदराबाद विस्फोट में 42 की मौत, 54 घायल
- **23 नवंबर:** उत्तर प्रदेश, कोर्ट में हुए धमाको में 18 की मौत, 81 घायल

2008
- **13 मई:** राजस्थान, जयपुर धमाकों में 63 की मौत, 200 घायल
- **26 जुलाई:** गुजरात, 21 धमाकों में 56 की मौत, 200 से अधिक घायल
- **13 सितंबर:** दिल्ली, पांच धमाकों में 30 से अधिक की मौत, 100 से ज्यादा घायल
- **27 सितंबर:** दिल्ली, मेहरौली बम धमाके में 2 की मौत, 22 घायल
- **26-28 नवंबर:** महाराष्ट्र, मुंबई हमलों में 166 लोग मारे गए, 300 से अधिक घायल

2010

13 फरवरी: महाराष्ट्र, पुणे जर्मन बेकरी धमाके में 18 की मौत, 54 घायल

2013

21 फरवरी: आंध्र प्रदेश, हैदराबाद बम धमाकों में 18 की मौत

2016
- **2 जनवरी:** पंजाब, पठानकोट आतंकी हमले में 8 की मौत
- **18 सितंबर:** जम्मू-कश्मीर, उरी हमले में 19 सैनिकों की मौत
- **29 नवंबर:** जम्मू-कश्मीर,नगरोटा हमले में 7 सैनिकों की मौत

2017

10 जुलाई: जम्मू-कश्मीर, अमरनाथ यात्रा हमले में 8 की मौत

2018

10 फरवरी: जम्मू-कश्मीर, सुंजवान हमले में 6 सैनिकों और एक नागरिक की मौत

2019

14 फरवरी: जम्मू-कश्मीर, पुलवामा आतंकी हमले में 40 सीआरपीएफ जवानों की मौत

2025
- **22 अप्रैल:** जम्मू-कश्मीर, पहलगाम हमले में 26 की मौत, 22 घायल

- **10 नवंबर:** दिल्ली, लालकिला विस्फोट में 12 की मौत

जागरण रिसर्च

हर भारतीय निभाए सिपाही की भूमिका

कुलदीप खुड्डा
पूर्व पुलिस महानिदेशक, जम्मू-कश्मीर

> सुरक्षा एजेंसियों के साथ यह हर भारतीय की जिम्मेदारी है कि वह अपने आप पास कड़ी नजर रखे और कुछ भी संदिग्ध लगे तो इसकी सूचना पुलिस या दूसरी एजेंसियों को दे। दुश्मन हमारे आसपास ही हैं ऐसे में आतंक के खिलाफ लड़ाई में हर भारतीय को एक सिपाही की भूमिका निभानी होगी तभी हमारा सुरक्षा तंत्र आतंकी हमले रोक पाएगा।

आतंक का वर्तमान स्वरूप और भी अधिक खौफनाक है। इसमें आतंकी केवल निर्दोष लोगों की ही हत्या नहीं कर रहे, समाज में विश्वास और आपसी स्नेह के तंत्र को सुनियोजित साजिश के तहत तबाह करने की कोशिश कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर से लेकर दिल्ली और अन्य प्रदेशों में फैले सफेदपोश आतंक के इस नेटवर्क की कड़ियां खुलने के साथ स्पष्ट हो गया है कि यह नेटवर्क और अधिक गहरा है और जांच एजेंसियों को इस पर कड़ा प्रहार करना चाहिए। जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रयास की सराहना करना चाहूंगा जिससे आतंकी अपने सबसे खौफनाक इरादे में कामयाब नहीं हो पाए और आतंक की कड़ियां एक-एक कर खुलती गईं। कट्टरवाद की घुट्टी पिए हुए यह आतंकी समाज में तबाही लाना चाह रहे हैं। आत्मघाती आतंकी डा. उमर नबी ही नहीं उस जैसे डाक्टरों का एक झुंड दहशत फैलाने की इस साजिश में शामिल था और उन्हें आपने आसपास के इकोसिस्टम से हर संभव मदद भी मिल रही थी। चिंताजनक है कि यह पढ़े-लिखे आतंकी अपने ज्ञान का इस्तेमाल तबाही और दहशत के लिए कर रहे हैं, जबकि इनका लक्ष्य समाज के कल्याण के लिए काम करना होना चाहिए था। आतंक का बदलता स्वरूप सच में हतप्रभ करने वाला है, साथ ही समाज में अविश्वास की स्थिति पैदा कर रहा है। इस गिरोह ने अविश्वास की स्थिति को और बढ़ाया है। जांच एजेंसियों के साथ समाज को भी इन्हें एक कट्टर आतंकी की तरह ही देखना चाहिए, जो इंसानियत के दुश्मन हैं। यह लोग सोच-समझकर आत्मघाती आतंकी बने और युवाओं का भी माइंडवाश करने में लगे थे। निश्चित तौर पर इन लोगों की वजह से समाज के वर्ग के प्रति मन में एक अविश्वास की स्थिति और बढ़ जाएगी और लगातार स्थिति विकट होगी।

आवश्यकता इस बात की है कि इस मामले से अधिक सख्ती से निपटा जाए। सरकार का एक्शन ऐसा होना चाहिए कि संदेश दूर तक जाए। कोई भी राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र की सुरक्षा से खिलवाड़ करने के बारे में सोच भी न सके। ऐसे तत्वों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए और देश की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाया जाना चाहिए। दुश्मन हमारे बीच और आसपास ही छिपा है और इसीलिए इन्हें पहचानकर उनके अंजाम तक पहुंचाने की नीति भी और कड़ी होनी चाहिए। आतंकी गतिविधियों में सक्रिय भागेदारी और सहयोग करने वालों के खिलाफ पहले से ही यूएपीए जैसे कड़े कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है। आवश्यकता है कि ऐसे लोगों को भी पूछताछ के दायरे में लाकर कार्रवाई की जाए जो सक्रिय आतंकी गतिविधियों से भले ही दूर दिखते हों पर या तो उनकी नीतियों का समर्थन करते दिखते हैं या देश के दुश्मनों की गतिविधियों को देख कर आंख, कान और नाक बंद कर लेते हैं। एक तरह से वह भी राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं और इसकी इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती।

आतंक के खिलाफ लड़ाई में जनता की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। कानून में संशोधन कर यह अनिवार्य बनाया जाए कि अगर आप को किसी तरह से अपने गांव, मुहल्ले में किसी के आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की जानकारी है या उनकी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के बारे में अवगत हैं तो पुलिस को इसकी सूचना अनिवार्य रूप से दें अन्यथा ऐसे निष्क्रिय लोग भी आतंकियों के समर्थक माने जाएं और उनके साथ वैसा ही व्यहवहार हो। बदले हालात से स्पष्ट है कि बहुत से लोग कानून के फंदे से बच निकलते हैं चूंकि वह सीधे तौर पर आतंकी गतिविधियों में शामिल नहीं थे। लेकिन यह लोग आंख बंद कर एक तरह से आतंक का समर्थन कर रहे हैं। आतंक के इस खौफनाक चेहरे के खिलाफ लड़ाई में हर भारतीय को सिपाही बनना होगा और सजगता और चेतना से देश के दुश्मनों के नापाक इरादों को तबाह करना होगा। यही देश की सच्ची सेवा होगी।

आपकी आवाज

आतंकवाद एक मानसिकता और विचारधारा है। इसका गरीबी और कम पढ़े लिखे होने से कोई संबंध नहीं है। वैश्विक स्तर पर देखें तो पता चलता है कि एक खास विचारधारा से जुड़े लोग आतंकवाद फैला रहे हैं। इसमें ज्यादातर लोग उच्च शिक्षित हैं। ऐसे में अगर हमें आतंकवाद से लड़ना है तो इस धारणा को बेनकाब करना होगा कि गरीब और कम पढ़े लिखे युवा गुमराह हो जाते हैं। **उज्जवल वर्मा**

भारत में आतंकवाद से जुड़े लोगों को बचाने के लिए लंबे समय से यह तर्क दिया जाता रहा है कि एक खास समुदाय के लोगों को दबाया गया और उनको निशाना बनाया गया इसलिए उस समुदाय के लोग आतंकवाद के रास्ते पर चले गए। लेकिन अगर इस तर्क को सही मान लें तो कश्मीरी पंडितों के साथ भयंकर अत्याचार हुआ लेकिन क्या किसी कश्मीरी पंडित ने बम धमाके किए हैं। यह लोगों का ध्यान भटकाने की चाल है। **रजत मिश्रा**

समय के साथ आतंकवाद और खतरनाक हो रहा है। इस बात में कोई शक नहीं है क्योंकि आतंकवादी सुरक्षा तंत्र से बचने के लिए अपने तौर तरीकों को अपग्रेड कर रहे हैं। इन पर अंकुश लगाने के लिए हमारी सुरक्षा एजेंसियों को इनसे एक कदम आगे रहना होगा, तभी हम इस लड़ाई में जीत सकते हैं। इसके अलावा आम लोगों को सतर्क और सजग रहते हुए सुरक्षा तंत्र की मदद करनी होगी। **मनोज सोनी**

हमें आतंकवाद को लेकर इजरायल की तरह प्रो एक्टिव एप्रोच अपनानी होगी और अपने सुरक्षा तंत्र को अपग्रेड करना होगा। तभी हम पाकिस्तान प्रायोजित इस्लामी आतंकवाद को हरा पाएंगे। किसी तरह की लापरवाही घातक साबित होगी। **विक्रम निषाद**

पढ़े- लिखे लोग ही बनाते और फैलाते हैं आतंकवाद की विचारधारा

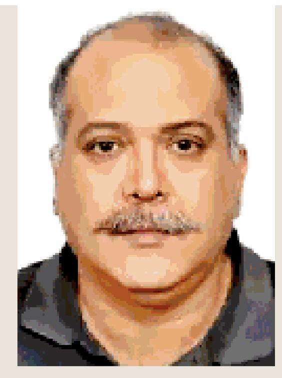

सुशांत सरीन
सामरिक विशेषज्ञ

> यह सोच गलत है कि कम पढ़े-लिखे और गरीब व्यक्ति आतंकवाद की तरफ आसानी से आकर्षित होते हैं। इसको लेकर कोई प्रमाण नहीं है। वहीं, इसके उलट यह देखा गया है कि गूगल और माइक्रोसाफ्ट में काम करने वाले लोग आइएस की विचारधारा फैला रहे थे।

आतंकवाद के संदर्भ में यह सोच गलत है कि कम पढ़े- लिखे लोग या कमजोर आर्थिक स्थिति वाले लोगों का आसानी से ब्रेनवाश किया जा सकता है। इस तरह के लोग आतंकवाद की तरफ आसानी से आकर्षित हो जाते हैं। अगर कोई ऐसा सोचता है तो यह उसकी सोच हो सकती है। इस सोच का समर्थन करने के लिए हमारे पास कोई अध्ययन नहीं है। वामपंथी लोगों ने इस विचार को फैलाया और देश में ऐसी धारणा बनी।

राजनीतिक व्यवस्था को यह धारणा अपने हित में लगती है लेकिन ऐसा कोई प्रमाण हमारे पास नहीं है कि कम पढ़े-लिखे लोग या अनपढ़ और गरीब लोग आतंकवाद करते हैं। दुनिया भर में देख लें या भारत की बात करें तो यह कहना कि आतंकवाद गरीबी और अशिक्षा की वजह से है, पूरी तरह से बेबुनियाद बात है। इस बात में कोई तत्व नहीं है। आप पंजाब को देखिए] जब वहां आतंकवाद फैला तो पंजाब देश का सबसे समृद्ध प्रांत था। इसी तरह से जम्मू- कश्मीर में जब आतंकवाद शुरू हुआ तो वह मानव विकास सूचकांक के लिहाज से देश के सबसे बेहतर राज्यों में से एक था। आतंकवाद एक मानसिकता और विचारधारा है। यह विचारधारा अनपढ़ व्यक्ति नहीं बनाता है। इसे बनाने वाले बहुत पढ़े9लिखे लोग होते हैं। यहां पढ़े-लिखे लोगों की आतंकवाद से जुड़ने की संभावना अधिक होती है। वहीं व्यक्ति जितना कम पढ़ा-लिखा होगा, उसके आतंकवादी होने की संभावना उतनी ही कम होगी। अनपढ़ और गरीब व्यक्ति को अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी जुटाने की चिंता ज्यादा होती है। वामपंथी सामान्य तौर पर बहुत अमीर परिवारों के बच्चे होते थे। उनको रोजी रोटी की चिंता नहीं करनी होती थी। ऐसे में उनको वामपंथ बहुत आकर्षित करता था। गरीब आदमी सामान्य तौर पर आतंकवाद के चक्कर में नहीं पड़ते है। वहीं आप ओसामा बिन लादेन की बात करें या पाकिस्तान या अफगानिस्तान के आतंकी संगठनों के सरगना को ले लें, इनमें से सभी बहुत समृद्ध परिवारों से थे और काफी पढ़े लिखे थे। अपने यहां लोगों की याददाश्त कमजोर है वरना लोग यह नहीं भूलते कि इंडियन मुजाहिदीन के ज्यादातर सदस्य यूनिवर्सिटी के छात्र थे। इसके अलावा सिमी के सदस्य भी काफी पढ़े-लिखे लोग हुआ करते थे। जमात ए इस्लामी के जो लोग आतंकवाद की तरफ जाते हैं, उनको देख लीजिए। गूगल और माइक्रोसाफ्ट के लिए काम करने वाले कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग आतंकी संगठन आइएस की विचारधारा को बढ़ावा दे रहे थे। तो यह व्हाइट कालर आतंकवाद भारत के लिए कोई नई चीज नहीं है। जहां तक लालकिला विस्फोट की बात है तो हमारी एजेंसियां मुस्तैद थीं और आतंकी उनके रडार पर थे। बड़ी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद किया गया था। यह सवाल जरूर उठाया जा सकता है कि जब तक नेटवर्क में शामिल सभी लोगों को पकड़ नहीं लिया, उससे पहले नेटवर्क की जानकारी सार्वजनिक क्यों की गई। यहां थोड़ी लापरवाही की बात कही जा सकती है। ऐसा नहीं है कि भारत में आतंकवाद पूरी तरह से खत्म हो जाएगा, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। हमारा सुरक्षा तंत्र इस पर अंकुश लगाने में काफी हद तक सक्षम है। ऐसा लंबे समय के बाद हुआ है कि आतंकवादी कश्मीर के बाहर कोई बड़ी आतंकी वारदात करने में सफल रहे हैं, लेकिन यहां भी एजेंसियों ने उनको पकड़ लिया था लेकिन आतंकी आत्मघाती हमला करने में सफल हो गया।

राष्ट्रीय फलक

केरल में पीएफआइ सदस्यों की जांच की अनुमति, कोर्ट ने एनआइए को दी मंजूरी

कोच्चि, प्रेट्र: केरल के कोच्चि जिले की विशेष अदालत ने एनआइए को 2010 में प्रोफेसर टीजे जोसेफ के हाथ काटने के मामले में पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) कार्यकर्ता की जांच करने की अनुमति दी है, जिस पर मुख्य आरोपित को शरण देने का आरोप है। ज्ञात हो, थोडुपुझा में प्रो. जोसेफ में न्यूमैन कालेज पर एक समूह ने हमला किया था, जिसने जुलाई 2010 में तैयार किए गए प्रश्न पत्र में धार्मिक अपमान का आरोप लगाते हुए उनके दाहिने हाथ को काट दिया था। जोसेफ का हाथ काटने के आरोपित सवाद को जनवरी 2024 में गिरफ्तार किया गया। एनआइए ने शफीर सी को भी गिरफ्तार किया, जिसने 2020 से कन्नूर में चक्कड़ व मट्टनूर में सवाद को शरण दी और अन्य सहायता प्रदान की थी। याचिका में एनआइए ने कहा, सवाद ने बताया किया कि पीएफआइ के कार्यकर्ताओं व नेताओं ने उसे तमिलनाडु के पांडूमलाई, डिंडीगुल में शरण और रोजगार दिलाने में मदद की और बाद में कन्नूर में भी। अदालत ने एनआइए और आरोपितों के वकील की सुनवाई के बाद अतिरिक्त जांच के लिए मंजूरी दी।

छात्रा से दुष्कर्म करने वाले शिक्षक को आजीवन कारावास, बर्खास्त

- शिक्षक ने छात्रा का स्कूल और अपने आवास पर किया था यौन उत्पीड़न
- पीड़ित परिवार के आग्रह पर केरल हाई कोर्ट ने नए सिरे जांच के आदेश दिए थे

कन्नूर, प्रेट्र : केरल के थालास्सेरी स्थित फास्ट ट्रैक कोर्ट ने छात्रा से दुष्कर्म करने के मामले में कदवथूर निवासी पद्मराजन के. उर्फ पप्पन मास्टर को पाक्सो एक्ट और विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार दिया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं, केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने रविवार को कहा कि दुष्कर्म के दोषी शिक्षक को बर्खास्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि वह भाजपा कार्यकर्ता भी था।

शिवनकुट्टी ने कहा कि जिस स्कूल में पद्मराजन काम करता था, उसके प्रबंधक ने उसे सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया है। अदालत द्वारा 15 नवंबर को दिए गए फैसले के बाद सामान्य शिक्षा विभाग ने स्कूल प्रबंधन को शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, पद्मराजन ने 10 वर्षीय छात्रा का शैक्षणिक संस्थान के शौचालय और अपने आवास पर यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने 17 मार्च 2020 को मामला दर्ज किया और 15 अप्रैल को आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

उस समय भाजपा ने आरोप लगाया था कि यह मामला सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया (एसडीपीआइ) की साजिश का हिस्सा है। बाद में मामला अपराध शाखा को सौंप दिया गया, जिसने शुरुआत में पाक्सो के आरोप शामिल नहीं किए, जिससे उसे जमानत मिल गई। पीड़िता के परिवार द्वारा चिंता जताए जाने के बाद केरल हाई कोर्ट ने नए सिरे से जांच के आदेश दिए थे।

सत्य साईं बाबा की शिक्षाएं संघर्ष की स्थितियों में और भी प्रासंगिक : उपराष्ट्रपति

पुट्टापर्थी, प्रेट्र: उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को कहा, दिवंगत आध्यात्मिक नेता श्री सत्य साईं बाबा का जीवन और विरासत दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करती है, क्योंकि उनके उपदेशों का प्रभाव आज भी बना हुआ है। आज के वैश्विक वातावरण में जो अनिश्चितता, संघर्ष व तनाव से भरा है, बाबा की शिक्षाएं पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गई हैं।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में कहा, गुरु ने ''सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः'' जैसे शाश्वत मूल्यों की शिक्षा दी, जो हर पहल को आकार देती है। साईं बाबा ने जाति, धर्म, वर्ग और राष्ट्रीयता की सीमाओं को पार करते हुए मानवता के उत्थान के लिए पूरा जीवन समर्पित किया। आज के वैश्विक वातावरण में जो अनिश्चितता, संघर्ष व तनाव से भरा है, भगवान सत्य साईं की शिक्षाएं कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। जब हम सभी निस्वार्थ सेवा व नैतिक जिम्मेदारी को अपनाते हैं, तो हम न केवल अपने संस्थानों को मजबूत करते हैं, बल्कि अपने समाज की आत्मा को भी।

****

पति ने शिखा नहीं कटाई तो तलाक मांगने कोर्ट पहुंची पत्नी

अंजली राय ● नईदुनिया.

- बेमेल जीवन मूल्यों से वैवाहिक जीवन में कड़वाहट

भोपाल : एक-दूसरे को अपनी इच्छानुसार ढालने के विवाद में दंपती कोर्ट तक पहुंच जा रहे हैं। भोपाल में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत पति शिखा रखता है। पत्नी इसे पिछड़ापन मानती है और उसे इस पर आपत्ति है। वहीं, पति ने शिखा कटवाने से मना कर दिया तो पत्नी तलाक मांगने कुटुंब न्यायालय पहुंच गई। वहीं, एक अन्य मामले में साफ्टवेयर इंजीनियर पति ने न्यायालय में तलाक की अर्जी देकर शिकायत की है कि उसकी पत्नी दिन-रात पूजा-पाठ में ही लगी रहती है। कुटुंब न्यायालय में काउंसलिंग के दौरान भी दंपती के बीच इन मुद्दों पर टकराव दूर नहीं हो रहा। इसकी वजह बेमेल रिश्तों से उपजी कड़ुवाहट को बताया जा रहा है।

शहर के साकेत नगर निवासी एक दंपती का मामला काउंसलिंग के स्तर पर है। पति बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत है। पत्नी रूठकर मायके में रहने लगी है। पति का कहना है कि वह जब बेंगलुरु में काम करता था तब भी उसने शिखा नहीं कटवाई। शादी के समय भी पत्नी ने टोका था, लेकिन उसने शिखा कटवाने से मना कर दिया था। अब पत्नी इसी जिद में मायके जाकर रहने लगी है।

> आज भौतिकवादी चमक में मानवीय संबंध कमजोर हो रहे हैं। स्वस्थ समाज के लिए स्वस्थ परिवार और स्वस्थ परिवार के लिए परिपक्व संबंधों की आवश्यकता होती है। ऐसे में मामले न्यायालय जा रहे हैं। ये दंपती के अपरिपक्व सोच को प्रदर्शित करता है। ऐसे दंपतियों की काउंसलिंग होनी चाहिए।
> **-डा. दीप्ति श्रीवास्तव, समाजशास्त्री**

उनकी पत्नी का कहना है कि पति स्मार्ट है, अच्छा कमाता है, लेकिन यह शिखा उसके स्टेटस को मैच नहीं करती। उसने सोचा था शादी के बाद पति मान जाएगा, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं है। ऐसे में उनका साथ नहीं चल सकता।

इसी तरह एक साफ्टवेयर इंजीनियर पति की शिकायत है कि पत्नी मेकअप नहीं करती, कभी ब्यूटीपार्लर नहीं जाती। खासकर डार्क कलर की लिपस्टिक नहीं लगाती, जैसी उसे पसंद है। पूजा-पाठ में लगी रहती है। इसकी वजह से वह उसे कहीं आफिस की या दोस्तों की पार्टी में भी नहीं ले जा पाता है। पत्नी का कहना है कि उसे सादगी भरा जीवन पसंद है। मेकअप करना नहीं सुहाता। वह न तो भद्दे कपड़े पहन सकती है और न ही मेकअप कर सकती है। कुटुंब न्यायालय में काउंसलर ऐसे दंपतियों को समझाने में लगे हुए हैं कि एक-दूसरे के जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए खुशहाल जीवन जीया जा सकता है।

साड़ी पहनने की अनिवार्यता मंजूर नहीं

राजस्थान में ब्याही एक महिला दो साल से भोपाल स्थित मायके में रह रही है। भोपाल कुटुंब न्यायालय में भरण पोषण का मुकदमा दाखिल कर रखा है। महिला का कहना है कि शादी के पहले उसने साफ कहा था कि साड़ी की जगह सूट पहनना उसके लिए अधिक आरामदायक है। उस समय ससुरालवालों ने कुछ भी नहीं कहा था। अब संयुक्त परिवार की बात कहकर साड़ी पहनने का दबाव बनाया जाता है। पति के साथ वह बाहर नहीं जा सकती है। पति का कहना है कि संयुक्त परिवार में रहने के कारण परंपराओं को भी देखकर चलना पड़ता है।

दैनिक जागरण

परिस्थितियां अवरोधक हो सकती हैं, किंतु निर्णायक नहीं

आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधार

डा. मनसुख मांडविया

नए श्रम सुधार आधुनिक, लचीली और समावेशी आर्थिकी की नींव रखते हैं। इनमें श्रमिकों-उद्यमों दोनों को देश के विकास के केंद्र में रखा गया है

कई दशकों तक भारत कमजोर आर्थिक विकास, भ्रष्टाचार और रोजगार सृजन एवं श्रमिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के अभाव से जूझता रहा। राजनीतिक उद्देश्यों से होने वाले घेराव और बंदी ने औद्योगिक गतिविधियों को बाधित किया, निवेश को रोका और व्यवस्था में भरोसा तोड़ा। इस जड़ता को तोड़ने के लिए देश के नेतृत्व में बड़ा बदलाव जरूरी था। तब लाल किले से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'श्रमेव जयते' का आह्वान किया और कहा कि भारत की विकास यात्रा के केंद्र में श्रम की गरिमा यानी मजदूरों का सम्मान होना चाहिए। यह एक नारा ही नहीं था, बल्कि एक नए राष्ट्रीय सोच का आरंभ था, जिसमें नीतियां बनाते समय श्रमिकों को केंद्र में रखा गया।

भारत के अधिकांश श्रम कानून 1920 से 1950 के बीच बने थे और उनमें औपनिवेशिक सोच की झलक दिखती थी। जबकि दुनिया में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। गिग और प्लेटफार्म आर्थिकी का बढ़ना, डिजिटल कामकाज, लचीली कार्य संरचनाएं और नए प्रकार के उद्यम तेजी से उभर रहे थे, लेकिन भारत के पुराने श्रम कानून समय के साथ नहीं बदले और आधुनिक कार्यबल या प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पंच प्रण के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। पुराने कानून इसलिए नहीं बने रहे, क्योंकि वे अच्छे थे। वे इसलिए बने रहे, क्योंकि पिछली सरकारों में उन्हें बदलने का राजनीतिक साहस, इच्छा शक्ति और दूरदृष्टि की कमी थी।

ऐसी राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए मोदी सरकार ने भारत के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक को लागू किया। पूर्व के 29 बिखरे हुए श्रम कानूनों को मिलाकर चार सरल और स्पष्ट श्रम संहिताएं बनाई गई हैं। वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता। 21 नवंबर से ये संहिताएं लागू भी हो गईं। ये संहिताएं एक आधुनिक श्रम ढांचा स्थापित करती हैं, जो श्रमिक-हितैषी और विकास समर्थक हैं। यह दर्शाता है कि भारत अब तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार है। सभी क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स ने एक पुरानी पड़ चुकी श्रम प्रणाली से आगे बढ़ने की आवश्यकता को पहचाना है। श्रमिकों और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ संवाद में यही सामने आया कि कार्यस्थल पर स्पष्टता, निष्पक्षता और सम्मान की आवश्यकता श्रम संहिता के मूल में होनी चाहिए। इसी मार्गदर्शक सिद्धांत ने हमारे सुधारों को आकार दिया है।

अवधेश राजपूत

श्रम संहिताएं अपने मूल स्वरूप में नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को संतुलित करते हुए श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देती हैं। वे निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देती हैं और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करती हैं। ये संहिताएं आडियो-विजुअल श्रमिकों और गिग तथा प्लेटफार्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता प्रदान करती हैं। ये अखिल भारतीय ईएसआइसी कवरेज को सक्षम बनाती हैं। 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करती हैं। इनमें वे बागान श्रमिक भी शामिल हैं, जो पहले इसके दायरे में नहीं आते थे। ये राज्यों में असमानताओं को कम करने के लिए सभी श्रमिकों के लिए वैधानिक न्यूनतम वेतन की गारंटी देती हैं। अनिवार्य नियुक्ति पत्र, पे स्लिप और सवेतन वार्षिक अवकाश जैसे प्रविधान हर श्रमिक को अधिक स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

कांट्रैक्ट आधारित रोजगार के एक प्रगतिशील विकल्प के रूप में संहिताओं में फिक्स्ड टर्म एंप्लायमेंट (एफटीई) यानी निश्चित अवधि के रोजगार की शुरुआत की गई है। एफटीई के तहत एक निश्चित अवधि के लिए नियोजित श्रमिकों को स्थायी कर्मचारियों के समान ही वेतन, लाभ और काम करने की स्थितियां प्राप्त होती हैं, जिनमें सवेतन अवकाश, काम के तय घंटे, चिकित्सा सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा और अन्य वैधानिक सुरक्षाएं शामिल हैं। एफटीई कर्मचारी केवल एक वर्ष की निरंतर सेवा के बाद ही ग्रेच्युटी के लिए पात्र हो जाते हैं। संहिताएं आधुनिक कार्यस्थलों की वास्तविकताओं को भी स्वीकार करती हैं। यदि कोई कर्मचारी स्वेच्छा से मानक घंटों से अधिक काम करना चुनता है तो उसे ओवरटाइम के लिए नार्मल सैलरी रेट से दोगुना पैसा मिलना चाहिए, जिससे हर परिस्थिति में निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

नारी शक्ति इन सुधारों का एक केंद्रीय स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी के महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण से निर्देशित ये संहिताएं महिलाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शामिल होने के नई राहें खोलती हैं, जिनमें अंडरग्राउंड खदानों, भारी मशीनरी और नाइट शिफ्ट में काम करना शामिल हैं। यह तभी संभव है जब इस पर उनकी सहमति हो और मजबूत सुरक्षा प्रोटोकाल लागू हों। संहिताएं सिंगल रजिस्ट्रेशन, सिंगल लाइसेंस और सिंगल रिटर्न फाइलिंग की शुरुआत करके नियोक्ताओं पर अनुपालन के बोझ को काफी कम करती हैं। यह सुगमता उद्योगों को पूरे भारत में अपनी यूनिट्स का विस्तार करने और स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

ये श्रम संहिताएं भारत के आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनने की राह में एक बड़ा बदलाव लाने वाला पड़ाव हैं। ये श्रमिक की गरिमा बनाए रखती हैं, औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करती हैं और ऐसा माडल बनाती हैं जहां श्रमिकों के अधिकार और सम्मान की रक्षा होती है। प्रधानमंत्री मोदी के विजन और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के प्रति प्रतिबद्धता से निर्देशित ये श्रम सुधार एक आधुनिक, लचीली और समावेशी अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव रखने के साथ ही श्रमिकों और उद्यमों दोनों को भारत के विकास के केंद्र में रखते हैं।

(लेखक केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री हैं)

response@jagran.com

जी-20 के लिए सही सुझाव

जी-20 शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रधानमंत्री ने ड्रग्स तस्करी को बड़ी चिंता का विषय बताते हुए यह जो कहा कि आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिए ड्रग्स तस्करों के नेटवर्क पर करारी चोट की आवश्यकता है, उससे इस संगठन के सदस्य देशों को न केवल सहमत होना चाहिए, बल्कि इस दिशा में कार्य करने के लिए संकल्पबद्ध भी होना चाहिए। अब यह किसी से छिपा नहीं कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से अर्जित होने वाला धन गैर-कानूनी गतिविधियों में खपाया जाता है। इस पैसे का सबसे अधिक इस्तेमाल माफिया तत्व एवं आतंकी समूह करते हैं। दुनिया भर के आतंकी गुट खुद को संगठित करने और हथियार जुटाने के लिए आमतौर पर मादक पदार्थों की तस्करी में भी लिप्त रहते हैं। यह एक ऐसा तथ्य है, जिससे कोई भी देश अनजान नहीं हो सकता। चिंता की बात यह है कि कुछ देश ऐसे भी हैं, जो न केवल ड्रग्स तस्करी में शामिल तत्वों की मदद करते हैं, बल्कि आतंकी समूहों को भी संरक्षण एवं सहयोग देते हैं। ड्रग्स तस्करों और आतंकी समूहों के बीच के गठजोड़ ने जो खतरा पैदा कर दिया है, उसका सामना विभिन्न देश मिलकर ही कर सकते हैं। यदि जी-20 जैसे संगठन अपनी सार्थकता साबित करना चाहते हैं तो उन्हें उन चुनौतियों का सामना करने के लिए एकजुट होना ही होगा, जो बढ़ती ही चली जा रही हैं।

जी-20 देशों को ड्रग्स नेटवर्क पर चोट करने का काम इसलिए अपने हाथ में लेना चाहिए, क्योंकि यह आसानी से किया जा सकता है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि जी-20 सम्मेलन के साझा घोषणापत्रों में जिन समस्याओं से निपटने की आवश्यकता जताई जाती है, उन पर कोई ठोस काम कठिनाई से ही हो पाता है। जिन मुद्दों को सुलझाना आसान है, वे जी-20 का एजेंडा बनें तो इस संगठन की छवि भी निखरेगी। मादक पदार्थों के काले कारोबार पर रोक लगाने के लिए साझा प्रयास इसलिए तेज किए जाने चाहिए, क्योंकि यह काम कोई एक देश अकेले नहीं कर सकता और यह सब जानते हैं कि साझा कार्रवाई के अभाव में ड्रग्स तस्करों का दुस्साहस बढ़ता चला जा रहा है। यह देखने को मिल रहा है कि अब नए-नए और कहीं अधिक घातक मादक पदार्थों को निर्मित कर उनकी तस्करी की जा रही है। उदाहरणस्वरूप फेंटानाइल नामक बेहद घातक माना जाने वाला मादक पदार्थ तेजी से फैल रहा है। अभी इससे अमेरिका ही बुरी तरह प्रभावित है, लेकिन आशंका है कि आने वाले समय में ड्रग्स तस्कर इसे अन्य देशों में भी पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। जी-20 देश ड्रग्स तस्करी पर रोक लगाने के साथ भारतीय प्रधानमंत्री की ओर से रेखांकित किए गए एआइ के दुरुपयोग को रोकने के मामले में भी सक्रिय हों तो बेहतर, क्योंकि यह भी एक कटु सच्चाई है।

लूट पर लगाम

कोयला तस्करी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई में जो तथ्य सामने आ रहे हैं, वे पूरी व्यवस्था को चुनौती देने वाले हैं। कोयला चोरी से बड़े संगठित तरीके से झारखंड सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचाया जा रहा है। कार्रवाई की जद में जो नाम आ रहे हैं, वे सभी रसूख वाले हैं। सवाल यह कि इनके काले कारनामों को इतने दिनों से कौन संरक्षण दे रहा था। कोयला खदानों में खनन से लेकर ट्रांसपोर्टिंग तक में पारदर्शिता का घोर अभाव है। डिजिटल होती व्यवस्था में सेंधमारी कर ये माफिया हजारों करोड़ का कोयला तस्करी कर रहे हैं। खदान से लेकर बाजार तक कोयले के पहुंचने में हर मोड़ पर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। बंगाल और झारखंड से बिहार और उत्तर प्रदेश तक बिना किसी रोकटोक के ये तस्कर कोयला पहुंचा रहे हैं। राज्य और केंद्र दोनों ही सरकारों की कोयले की तस्करी रोकने में भूमिका है। ऐसे में बड़े माफिया पर लगाम लगाने के लिए पूरे सिस्टम को दुरुस्त करना होगा। खास बात यह है कि कोयला तस्करी के ये गिरोह एक संगठित अपराध का तंत्र चलाते हैं। हत्या, रंगदारी जैसी घटनाएं कोयला खनन क्षेत्र में आम हैं। इससे आमलोगों की जिंदगी में खलल पड़ता है। मुट्ठीभर लोग और इन्हें चलाने वाले सरगना अपने लाभ के लिए सरकार और समाज दोनों को चुनौती दे रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के बाद हर स्तर पर इसे रोकने के लिए काम करना होगा। इसके साथ ही इन्हें संरक्षण देने वालों को भी कानून के दायरे में लाकर सबक सिखाना होगा। कोयला के खेल में स्वच्छता के लिए एजेंसियों को मिलकर काम करना होगा तभी यह उपयोगी होगा।

केंद्रीय एजेंसी ने कोयला माफिया पर कार्रवाई की है। इससे राजस्व की लूट पर रोक लगेगी

अशक्त बनाती गुलामी की मानसिकता

प्रणय कुमार

मैकाले के शिक्षा तंत्र से उपजी गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान राष्ट्रीय आवश्यकता है

विभाजनकारी वृत्तियां और औपनिवेशिक मानसिकता ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' की राह में सबसे बड़ी बाधा रही हैं। विभाजनकारी प्रवृत्तियों ने जहां देश को अशक्त बनाने तथा उसे खंड-खंड में बांटने का निरंतर प्रयत्न किया, वहीं औपनिवेशिक मानसिकता ने इसे कभी इसकी शक्ति के मूल उत्स या केंद्र से जुड़ने ही नहीं दिया। मूल से जुड़े बिना न तो प्रगति संभव है, न मौलिक पहचान ही। आशा थी कि लंबे संघर्ष से प्राप्त हुई स्वतंत्रता के पश्चात भारत शासन-प्रशासन से लेकर जीवन के बहुविध क्षेत्रों में अपनी संस्कृति, विरासत, परंपरा के अनुकूल अपना पथ प्रशस्त करेगा। अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर शिक्षा, चिकित्सा, शोध, विज्ञान, अनुसंधान तथा सुशासन एवं विकास के आदर्श प्रतिमान गढ़ेगा, परंतु दुर्भाग्य से सत्ता का हस्तांतरण तो हुआ, पर सत्ता-व्यवस्था का चरित्र एवं स्वरूप नहीं बदला। भारत 1947 में स्वाधीन अवश्य हुआ, पर स्व पर आधारित तंत्र, मंत्र एवं मानस आज तक निर्मित तथा विकसित नहीं कर सका। फलस्वरूप शिक्षा से लेकर कला, साहित्य और सिनेमा तक, शासन-व्यवस्था से लेकर न्याय और दंड विधान तक तथा वास्तु, विज्ञान और चिकित्सा से लेकर पर्यटन तक-परकीय तंत्र, सोच तथा दृष्टि की प्रभावी स्थिति एवं भूमिका यथावत बनी रही।

शायद ही कोई ऐसा भारतीय होगा, जिसे अपनी भाषा, अपनी वेश-भूषा, अपने सांस्कृतिक प्रतीक-पहचान के प्रति गौरवबोध रखने के कारण अपनी ही संस्थाओं-व्यवस्थाओं द्वारा कभी-न-कभी असमान व्यवहार, उपेक्षा या अपमान का दंश न झेलना पड़ा हो! न केवल कारपोरेट एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में, बल्कि सरकारी संस्थाओं में भी ज्ञान तथा योग्यता का पैमाना कार्यकुशलता नहीं, अपितु आंग्ल भाषा की दक्षता को मान लिया गया है। मौलिकता एवं सहजता के अभ्यासी भारतवर्ष एवं भारतीयों को तरह-तरह के कथित शिष्टाचार के नाम पर नितांत असहज, अ-मौलिक एवं अभारतीय बनाने का अभियान- आज महानगरों से लेकर छोटे-छोटे शहरों तक चलाया जा रहा है। मैकाले प्रणीत शिक्षण-तंत्र ने श्रम, कौशल तथा प्रतिभा तीनों का अवमूल्यन कर ''सूट-बूट वाली कुलीन संस्कृति एवं आभिजात्यवादी मानसिकता'' को बढ़ावा दिया है। और तो और मैकाले के मानस-पुत्रों ने पश्चिमीकरण को ही विकास एवं आधुनिकता का पर्याय मान लिया है। अपनी परंपराओं एवं त्योहारों के प्रति शंका तथा प्रश्न निर्मित करना तथा पश्चिमी त्योहारों, परंपराओं एवं दिवसों को उत्सव की तरह प्रस्तुत-प्रोत्साहित करना भी औपनिवेशिक मानसिकता का ही एक उदाहरण है।

अपनी स्वर्णिम विरासत पर गर्व करें भारतीय। फाइल

आज दुनिया मानती है कि ध्यान, योग एवं आसन आदि का शरीर तथा मन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, पर हमने इन्हें तब मान्यता दी, जब पश्चिम ने इन्हें स्वीकार किया। आयुर्वेद समग्र चिकित्सा-पद्धति है, परंतु हम आज भी उसे वैकल्पिक चिकित्सा-पद्धति से अधिक का महत्व देने को तैयार नहीं। हमारी काल-गणना, ग्रहों-नक्षत्रों-ऋतुओं आदि की अवधारणा एवं नामकरण पश्चिम से अधिक युक्तिसंगत, तार्किक तथा वैज्ञानिक हैं, पर हम हैं कि उसे रस्मी मानते हुए पूजा-पाठ और त्योहारों तक सीमित मानते हैं। हमारा नगर-नियोजन, वास्तुशास्त्र, सांस्कृतिक धरोहर पश्चिम से अधिक विकसित एवं समृद्ध रहा है, सौंदर्य से लेकर रंग-रस-रूप-गंध आदि का हमारा सामूहिक बोध पश्चिम से अधिक समग्रता और वैविध्य लिए हुए है, पर पश्चिम के अंधानुकरण ने हमें यहां भी सरलीकरण और एकरूपता का शिकार बनाया है। हमारा खान-पान, रहन-सहन, जीवन-व्यवहार आदि पश्चिम की तुलना में अधिक सहज एवं प्रकृति-अनुकूल है, उसमें पर्यावरण के प्रति बड़ी सूक्ष्म दृष्टि एवं गहरे सरोकार सन्निहित हैं, पर यहां भी हम पश्चिमी मानकों पर आधारित संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों से आगे की सुधि नहीं ले पाते। यह औपनिवेशिक मानसिकता नहीं तो और क्या है कि हम आज भी मध्य-काल के भारत बनाम विदेशी संघर्ष को हिंदू-मुस्लिम संघर्ष के रूप में देखते एवं प्रस्तुत करते हैं और अलाउद्दीन खिलजी और अकबर जैसे चरित्र को सिने परदे पर अभिनीत करने के लिए 'रणवीर सिंह एवं ऋतिक रोशन' जैसे लंबे-चौड़े कद-काठी वाले अभिनेताओं का चयन करते हैं, जबकि उन्हें तुर्क, चीनी या मंगोलों जैसा दिखाना अधिक स्वाभाविक होता।

विचार करें कि इन सबके पीछे कौन-सी मूल भावना कार्य कर रही थी या कर रही है? क्या इनके पीछे विगत आठ दशकों से चल रही शिक्षा की व्यवस्था और बौद्धिक विमर्श नहीं जिम्मेदार हैं? किसके माध्यम से अपनी भाषा, भूषा, भोजन, भजन एवं भाव के प्रति पीढ़ियों के मन में हीनता की धारणाएं विकसित की गईं? कौन पीढ़ी-दर-पीढ़ी युवा संततियों के मन में यह उतारता चला गया कि जो कुछ पश्चिम का है, वह श्रेष्ठ, युगीन, तर्कसंगत, वैज्ञानिक एवं वरेण्य है और जो भारत का है, वह तो प्रतिगामी, कालबाह्य, अप्रासंगिक, अवैज्ञानिक एवं त्याज्य है? किसने उन्हें समझाया कि विदेशी तौर-तरीकों तथा सोच-संस्कार को अपनाए बिना वे कुछ बड़ा नहीं कर सकते? सच यही है 2035 तक मैकाले की शिक्षा-व्यवस्था से उपजी गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान सर्वथा उपयुक्त एवं गहन राष्ट्रीय आवश्यकता है।

(लेखक शिक्षाविद् एवं सामाजिक संस्था 'शिक्षा-सोपान' के संस्थापक हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

ईश्वर का अनुभव

श्रीरामचरितमानस में ईश्वर की पहचान के लिए 'तन बिनु परस' इस दार्शनिक सत्य को प्रकट करता है कि परमात्मा देहरहित, अशरीरी और विदेही हैं। उनका न रूप है, न रंग, न आकार, न आरंभ और न अंत। इसलिए परमात्मा हर उपमा, हर कल्पना और हर अनुमान से परे हैं। आगम-निगम-पुराण ने भी उनकी महिमा का निरूपण अपने अनुमान तक ही किया है तो फिर मनुष्य का सोच उस अनंत सत्ता का स्पर्श कैसे कर सकता है। फिर भी उसके बिना पैरों के चलना, बिना कानों के सुनना, बिना आंखों के देखना, बिना नासिका के सुगंध ग्रहण करना-यह सब संकेत देता है कि वह सर्वशक्तिमान है, कर्मरहित होते हुए भी सर्वकर्ता है, मौन रहकर भी महाज्ञानी है। उसकी दिव्य सामर्थ्य का वर्णन सीमा से परे है। अखिल ब्रह्मांड तक जिसकी सत्ता व्याप्त हो, वही ब्रह्मांड का अधिनायक है। विविध प्राकृतिक सौंदर्य से सजी यह सृष्टि उसी द्वारा सजाया गया उपवन है। जैसे माली अपने बगीचे की देखभाल के लिए बार-बार आता-जाता है, वैसे ही परमात्मा भी अपने इस सृष्टिरूपी उपवन में सतत उपस्थित रहते हैं। दिखें या न दिखें, यह अलग बात है, लेकिन आते रहते हैं, यह सत्य है।

ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव दृश्य के रूप में नहीं, अनुभूति के रूप में होता है। जैसे ग्रीष्म में तपते शरीर को अचानक मिलने वाली ठंडी हवा, पीड़ा के समय असहाय मन को प्राप्त अप्रत्याशित सहायता, अनमने मन के बीच अचानक मंदिर के शंख-घंटी की ध्वनि या दुविधा के क्षण में अंतरात्मा से कौंधता कोई मार्गदर्शक विचार-ये सभी अनुभव अदृश्य पर उपस्थित परमात्मा के स्पर्श हैं। इन क्षणों को 'तन बिनु परस' का दर्शन समझकर नमन के साथ स्वीकार करना चाहिए। जैसे-जैसे यह भाव परिपक्व होता जाता है, मन स्थापित होता है कि परमात्मा हर क्षण हमारे साथ हैं। यही विश्वास जीवन को शांत, प्रसन्न और समर्थ बनाता है।

एसएन दुबे 'स्नेही'

भूख मिटाने की कठिन होती लड़ाई

देवेंद्रराज सुथार

अत्याधुनिक तकनीक और अथाह संसाधनों के युग में भी भूख जैसी बुनियादी समस्या से निपटने में हम विफल हैं

संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम की वर्ष 2026 की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में 31 करोड़ 80 लाख लोग 2026 में गंभीर भूख का सामना करेंगे, जो 2019 की तुलना में दोगुने से अधिक हैं। इनमें से चार करोड़ दस लाख लोग आपातकालीन या उससे बदतर स्थिति में होंगे। लगभग 69 प्रतिशत गंभीर खाद्य असुरक्षा संघर्षग्रस्त देशों में केंद्रित है। विश्व खाद्य कार्यक्रम को 2026 में 11 करोड़ लोगों की सहायता के लिए 13 अरब डालर की आवश्यकता है, लेकिन वर्तमान अनुमान केवल आधी राशि मिलने के संकेत देते हैं। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि 2030 तक वैश्विक भूख उन्मूलन के लिए सालाना मात्र 93 अरब डालर की आवश्यकता है, जो पिछले दशक के कुल सैन्य व्यय (लगभग 22 खरब डालर) के एक प्रतिशत से भी कम है।

इस सदी में पहली बार गाजा और सूडान के कुछ हिस्सों में एक साथ अकाल की पुष्टि हुई है। विश्व खाद्य कार्यक्रम की कार्यकारी निदेशिका सिंडी मैक्केन के अनुसार, 21वीं सदी में यह पूर्णतः अस्वीकार्य है। ये अकाल प्राकृतिक आपदाओं के नहीं, बल्कि युद्ध, नाकाबंदी और खाद्य आपूर्ति को हथियार बनाने के परिणाम हैं। सूडान में दो करोड़ दस लाख से अधिक लोग अर्थात 45 प्रतिशत आबादी पर्याप्त भोजन से वंचित है। अफगानिस्तान, यमन, सीरिया, दक्षिण सूडान, साहेल क्षेत्र, कांगो और हैती भी गंभीर संकट में हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार, सबसे असुरक्षित लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहायता धीमी, असंगठित और अपर्याप्त है। वैश्विक सहायता अब कुल आवश्यकता की आधे से भी कम पूरी करती है। संयुक्त राष्ट्र उप महासचिव आमिना मोहम्मद ने अफ्रीकी कहावत का उपयोग करते हुए कहा कि जब हाथी लड़ते हैं, तो घास ही कुचली जाती है। जब शक्तिशाली राष्ट्र भू-राजनीतिक हितों के लिए टकराते हैं, तो निर्दोष नागरिक पिसते हैं।

वैश्विक खाद्य संकट से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति आवश्यक है जिसमें संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान, जलवायु अनुकूलन में निवेश, स्थानीय खाद्य उत्पादन को बढ़ावा, न्यायसंगत वितरण प्रणाली और सामाजिक सुरक्षा तंत्रों का विस्तार शामिल हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने साहेल क्षेत्र में एक लाख 58 हजार हेक्टेयर बंजर भूमि को कृषि योग्य बनाया है और 18 देशों में साढ़े पांच लाख परिवारों को जलवायु बीमा कार्यक्रम से लाभान्वित किया है। यह दर्शाता है कि समाधान संभव है। भूख मिटाने के संसाधन उपलब्ध हैं। कमी है राजनीतिक इच्छाशक्ति और नैतिक प्रतिबद्धता की। यदि हम 93 अरब डालर भी नहीं जुटा सकते जो सैन्य खर्च की तुलना में नगण्य है, तो हमें अपनी मानवता पर ही प्रश्न उठाने चाहिए। भूख के खिलाफ लड़ाई केवल मानवीय मुद्दा नहीं है, यह हमारे विवेक और भविष्य की परीक्षा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

मजबूत विपक्ष जरूरी

'झूठे आरोपों पर टिका विपक्ष' शीर्षक से लिखे आलेख में संजय गुप्त ने भाजपा को रोकने के लिए विपक्ष के सामने मौजूद चुनौतियों पर प्रकाश डाला है। जहां भाजपा का नेतृत्व संगठित और रणनीतिक दृष्टि वाला दिखाई देता है, वहीं कांग्रेस में नेतृत्व का अभाव स्पष्ट रूप से महसूस किया जा रहा है। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस आज नेतृत्वहीनता के संकट से जूझ रही है। पार्टी के भीतर ऐसे नेता कम दिखाई देते हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर जनस्वीकृति और जनविश्वास प्राप्त कर सकें। हर चुनाव में प्रचार के केंद्र में केवल राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ही दिखाई देते हैं, जबकि पार्टी को व्यापक और सामूहिक नेतृत्व की आवश्यकता है। कांग्रेस का कमजोर पड़ना देश के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए जितनी आवश्यक भूमिका सत्तासीन सरकार की होती है, उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका विपक्ष की भी होती है। यदि विपक्ष कमजोर होता जाएगा तो सत्ता असंतुलित और एकतरफा होती जाएगी। यह किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। आज स्थिति यह है कि एक ओर भाजपा का कद लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष अपने ही निर्णयों और नीतियों की कमजोरी के कारण सिकुड़ता जा रहा है। सवाल यह भी उठना चाहिए कि मोदी के नेतृत्व के सामने कांग्रेस का कद इतना छोटा क्यों हो गया? क्यों देश की सबसे पुरानी पार्टी अपने अस्तित्व को बचाने के संघर्ष तक सिमट गई? आखिर क्यों जनता का विश्वास उसके नेतृत्व और कार्यशैली से हटता जा रहा है? विपक्ष का दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि तर्कसंगत विमर्श प्रस्तुत करना और विश्वसनीय विकल्प देना भी है और वर्तमान में कांग्रेस इस भूमिका में प्रभावी दिखाई नहीं देती।

राजेश कुमार चौहान, जालंधर

तत्काल परिणाम की बेचैनी

जीवन में सफलता की दौड़ जितनी तेज होती जा रही है, उतनी ही बढ़ती जा रही है परिणाम की आतुरता। आज अधिकांश लोग मेहनत से ज्यादा उसके फल के इंतजार में उलझे दिखाई देते हैं। पर सच यह है कि इच्छित परिणाम देर से नहीं आते, बल्कि हमारी अधीरता ही उन्हें हमसे दूर कर देती है। जिस क्षण मन में यह विचार घर कर जाए कि अभी, इसी वक्त वहीं से बेचैनी शुरू होती है और यह बेचैनी व्यक्ति को प्रक्रिया से अलग कर देती है। प्रगति का नियम स्पष्ट है पहले प्रयास, फिर निरंतरता, फिर समय और उसके बाद परिणाम। लेकिन जब अपेक्षा समय से पहले जाग जाती है, तब स्थिति उलट जाती है। हम मेहनत तो करते हैं, पर मन हर पल भविष्य में टंगा रहता है। इससे न तो वर्तमान में ध्यान लगता है, न कार्य में आनंद बचता है। बेचैनी अंततः थकान बन जाती है और थकान लक्ष्य को छोड़ देने का बहाना खोजने लगती है। इतिहास गवाह है कि बड़े बदलाव धीरे-धीरे परिपक्व होते हैं। बीज तुरंत पेड़ नहीं बनता, पर इसके बावजूद उसमें विकास की प्रक्रिया हर पल चलती रहती है। ठीक ऐसा ही मनुष्य के लक्ष्यों के साथ भी है। परिणाम भले दिखने में देर लगाएं, पर हर दिन का समर्पण भीतर बदलाव लाता रहता है।

अमन सिंह गौर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

शहरों में बेसहारा लोग

शहर अपनी चमक-दमक, सुविधाओं और रोजगार के अवसरों के कारण लगातार लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। गांव सिकुड़ते जा रहे हैं और शहर फैलते जा रहे हैं। परंतु बढ़ती आबादी के बोझ को संभालने में शहर सक्षम नहीं दिखते। एक रिपोर्ट के अनुसार देश के शहरी क्षेत्रों में डेढ़ करोड़ से अधिक लोग बेघर हैं। ये लोग दिन भर मजदूरी करते हैं और रात होते ही फुटपाथ ही इनका बिस्तर बन जाता है। विडंबना यह है कि समाज का संपन्न वर्ग, उच्च पदाधिकारी और नेतागण रोज इन्हीं सड़कों से गुजरते हैं, लेकिन इन बेसहारा जीवनों को संवेदना, सुविधा और सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में ठोस प्रयास बहुत कम दिखाई देते हैं। फुटपाथ पर सोने की मजबूरी बुनियादी अधिकारों का अपमान है।

himanshushekhar.mca@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

96 हजार बच्चे लापता हो जाते हैं प्रत्येक वर्ष समूचे देश में, जबकि पिछले दस वर्षों में केवल देश की राजधानी में ही 1.8 लाख से अधिक बच्चे लापता हुए हैं।

लालजी जायसवाल
सामाजिक मामलों के जानकार

आजकल

बच्चों की सुरक्षा के प्रति बढ़ती चिंता

उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में एक समाचार रिपोर्ट पर चिंता व्यक्त की, जिसमें देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता होना बताया गया है। न्यायालय ने इसे एक गंभीर मुद्दा बताया है। वस्तुतः एक सुरक्षित देश वही है, जहां एक भी बच्चा लापता न हो और यदि दुर्भाग्यवश कोई घटना घटे भी तो तंत्र इतनी मजबूती से काम करे कि बच्चे को जल्द खोजकर सुरक्षित लौटाया जा सके। आज देश को बच्चों की सुरक्षा को केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य के रूप में देखने की आवश्यकता है

प्रतीकात्मक

हमारे देश में हर साल बड़ी संख्या में बच्चों के लापता होने की घटना सामने आ रही है। उच्चतम न्यायालय में इसी से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति नागरत्ना ने मौखिक रूप से कहा, 'मैंने समाचार पत्र में पढ़ा है कि देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है।' शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि गोद लेने की प्रक्रिया कठोर होने के कारण, इसका उल्लंघन होना स्वाभाविक है और लोग बच्चे पैदा करने के लिए अवैध तरीके अपनाते हैं। सुनवाई के दौरान, केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने हेतु छह सप्ताह का समय मांगा। मालूम हो कि पीठ ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से संचालित मिशन वात्सल्य पोर्टल पर प्रकाशन के लिए उनके नाम और संपर्क विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दे। पीठ ने निर्देश दिया था कि जब भी पोर्टल पर किसी लापता बच्चे के बारे में कोई शिकायत प्राप्त हो, तो जानकारी संबंधित नोडल अधिकारियों के साथ तुरंत साझा की जानी चाहिए।

आनलाइन पोर्टल : शीर्ष अदालत ने पहले केंद्र से लापता बच्चों का पता लगाने और ऐसे मामलों की जांच के लिए गृह मंत्रालय के तत्वावधान में एक समर्पित आनलाइन पोर्टल बनाने को कहा था। पीठ ने देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लापता बच्चों का पता लगाने के काम में लगे पुलिस अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी को रेखांकित किया था। अदालत ने कहा था कि पोर्टल पर प्रत्येक राज्य से एक समर्पित अधिकारी का नाम-फोन नंबर आदि हो सकता है जो सूचना प्रसारित करने के अलावा गुमशुदगी की शिकायतों का प्रभारी भी हो सकता है।

लापता बच्चों की संख्या : देश में बच्चों का गायब होना चिंताजनक है। बच्चों के लापता होने के कई कारण हैं, जिनमें अपराध, तस्करी, हत्या और देह व्यापार आदि की आशंकाएं प्रबल हैं। इसमें प्रशासनिक लापरवाही एक बड़ा कारण हो सकती है, जिसमें सुधार की आवश्यकता हमेशा देखी जाएगी। भारत में गुमशुदा या लापता बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, हर साल मानव तस्करी में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। विधि आयोग द्वारा न्यायिक नीति पर जारी संक्षिप्त पुस्तक में भी इस समस्या पर प्रकाश डाला गया है। इस क्षेत्र में सबसे पहले लापता बच्चों का सुराग लेने और तस्करी से जुड़े सभी संपर्कों के लिए कानूनी बदलाव की तुरंत आवश्यकता है। वर्ष 2013 और 2014 के बीच कम से कम 6,700 बच्चे लापता हुए। इनमें से 45 प्रतिशत बच्चे अवयस्क थे, जिन्हें वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेल दिया गया।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, मानव तस्करी के पीछे अनेक कारण होते हैं। जबरन विवाह, बाल श्रम, घरेलू नौकर और लैंगिक शोषण इसके पीछे मुख्य कारण हैं। बच्चों की सुरक्षा किसी राष्ट्र के नैतिक मूल्यों से जुड़ी होती है। भारत को भी इस मोर्चे पर सुधार की जरूरत है। 2024-25 में 45 हजार बच्चों को शोषण से बचाया गया है। अधिकांश को बालश्रम में लगाया गया था।

एनसीआरबी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 47 हजार से अधिक बच्चे लापता सूची में हैं। इनमें से 71.4 प्रतिशत नाबालिग लड़कियां हैं। अधिकांश लापता बच्चों को बाल-श्रम, भीख मांगने या यौन शोषण के लिए मजबूर किया जाता है। हालांकि खोया-पाया जैसे नागरिक प्लेटफार्म ने कुछ बच्चों को उनके परिवार से जुड़ने में मदद की है। लेकिन असली रोकथाम ऐसे रैकेट और प्रतिष्ठानों में शामिल व्यक्तियों पर तुरंत मुकदमा चलाने से होगा, जहां बच्चों को रखा जाता है, और उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। बच्चों के साथ होने वाले अपराधों के मूल कारणों को दूर करना जरूरी है। सामुदायिक सतर्कता से यह संभव है। लिहाजा बच्चों की सुरक्षा के लिए समन्वित प्रयास होने चाहिए।

जिम्मेदारी और जवाबदेही का सवाल : नवजात बच्चों की चोरी और तस्करी से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर किसी नवजात बच्चे को अस्पताल से चुराया जाता है, तो उस अस्पताल का लाइसेंस रद कर देना चाहिए। नवजात शिशुओं की चोरी किसी भी समाज के लिए केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं पर भी आघात है। अस्पतालों में ऐसी घटनाओं का होना यह दर्शाता है कि सुरक्षा मानकों, कर्मचारियों की नैतिकता और प्रशासनिक निगरानी में गंभीर कमी है। जिन संस्थानों में इस तरह की लापरवाहियां सामने आती हैं, उनका लाइसेंस तत्काल रद किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई हो। लाइसेंस रद करने की नीति न सिर्फ अस्पताल प्रबंधन को जवाबदेह बनाएगी, बल्कि निजी और सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को भी सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए बाध्य करेगी। नवजात की सुरक्षा किसी सुविधा का विषय नहीं, बल्कि अनिवार्य जिम्मेदारी है और इस जिम्मेदारी में जरा-सी भी चूक के लिए 'शून्य सहनशीलता' की नीति ही समाज और न्याय दोनों के हित में है। लापता बच्चा केवल एक मामला नहीं- वह राज्य की जिम्मेदारी, समाज की सतर्कता और प्रशासन की जवाबदेही का पैमाना है। वर्तमान समय में आवश्यक है कि तकनीकी संसाधनों का त्वरित उपयोग, स्पष्ट प्रोटोकाल, और पारदर्शी जांच प्रक्रिया के साथ बच्चों की सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता दी जाए, ताकि कोई भी बच्चा व्यवस्था की चूक का शिकार न बने।

मानव तस्करी पर पूर्ण नियंत्रण की आवश्यकता

देश में लापता बच्चों की समस्या अब राष्ट्रीय समस्या का रूप लेती जा रही है। ऐसा अनुमान है कि इन लड़कियों को मानव तस्करी के काम में लाया जाता है। लापता बच्चों की बढ़ती संख्या चिंता का विषय है। इससे भी ज्यादा चिंता का विषय इन बच्चों के माध्यम से मानव तस्करी का बढ़ना है। इस समस्या का कोई ठोस उपाय जल्दी ही किए जाने की जरूरत है। बता दें कि वर्ष 2012 में नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने अपनी संस्था 'बचपन बचाओ आंदोलन' की ओर से लापता बच्चों के बारे में उच्चतम न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की थी। इसके जवाब में उच्चतम न्यायालय ने केंद्र एवं राज्य सरकारों को खोए बच्चों के बारे में समय-समय पर सूचना देने का निर्देश दिया।

इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने भी एक वेबसाइट बनाई है। इस वेबसाइट पर हर राज्य में लापता बच्चों की जानकारी है। इसमें हर राज्य के पुलिस थानों और लापता बच्चों के सुराग की भी जानकारी है। इसी प्रकार सरकार ने खोया-पाया नामक वेबसाइट भी बनाई है, जिसमें लापता बच्चों की सूचना दर्ज की जा सकती है। सरकार के ये प्रयास सराहनीय हैं। अभी जनता में इन वेबसाइट के प्रति जागरुकता लाने की जरूरत है। दूसरे, इन वेबसाइट को सुचारु रूप से चलाने के लिए अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति की भी आवश्यकता होगी। सरकारी उपायों और न्यायालय के आदेश के अतिरिक्त लापता बच्चों का सुराग लेने के लिए अनौपचारिक माध्यम से उनकी तस्वीरों को इंटरनेट मीडिया पर भेजा जा रहा है। लापता बच्चों का सही पता लगाने और मानव तस्करी की तह तक जाने के लिए अलग-अलग राज्यों की स्थितियों को देखते हुए उनके अनुसार खोजबीन की जरूरत है। जैसे एमपी में बच्चों के अपहरण का मुख्य कारण उन्हें घरेलू श्रम में लगाया जाना है। अन्य राज्यों में कारण भिन्न हो सकते हैं।

भारत में लापता बच्चों और मानव तस्करी के बढ़ते जाल ने अब अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में जगह बना ली है। मानव तस्करी तो समस्त विश्व की चिंता का विषय बना हुआ है। भारत के लिए तो यह और भी चिंताजनक है, क्योंकि यहां इस प्रकार के आपराधिक समूह सबसे ज्यादा फल-फूल रहे हैं। इस समस्या की भयावहता को देखते हुए इससे निपटने के लिए एक सशक्त संगठन या मंच की आवश्यकता है। मुक्त हुए बच्चों के लिए पुनर्वास की अच्छी व्यवस्था करनी होगी। प्रशासनिक तंत्र में कई स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। परिवारों द्वारा दर्ज कराई जाने वाली शिकायतों पर समय पर कार्रवाई नहीं होती। कई मामलों में पुलिस प्रारंभिक प्रतिक्रिया के रूप में यह मान लेती है कि बच्चा स्वयं लौट आएगा, जिससे खोज के शुरुआती महत्वपूर्ण घंटे व्यर्थ चले जाते हैं। राज्यों के बीच समन्वय का अभाव लापता बच्चों की तलाश को और चुनौतीपूर्ण बना देता है। मिशन वात्सल्य जैसी योजनाएं व विभिन्न पोर्टल मौजूद होने के बावजूद उनका प्रभाव जमीन पर नहीं दिखता। यह समस्या दर्शाती है कि केवल नीतियां बना देना पर्याप्त नहीं है।

हालांकि, बच्चों के लापता होने के पीछे कई सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी होते हैं, जो परिवार, स्कूल और समुदाय की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाते हैं। परिवारों में संवाद की कमी, तनावपूर्ण सामाजिक वातावरण, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं और जागरुकता का अभाव इस समस्या को और जटिल बना देते हैं। स्कूलों में परामर्श से जुड़ी सेवाएं सीमित और औपचारिकता भर होती हैं। समुदाय स्तर पर भी बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव देखने को मिलता है। कई घटनाओं में बच्चे पारिवारिक कलह, घरेलू हिंसा, परीक्षा के भय, भावनात्मक तनाव या प्रेम संबंधों के कारण घर छोड़ देते हैं। कुछ मामलों में रोजगार या बेहतर भविष्य के नाम पर बच्चे ऐसे जाल में फंस जाते हैं, जहां से लौटना लगभग असंभव हो जाता है। यह स्पष्ट करता है कि यह संकट अपराध नियंत्रण के अलावा सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक कारकों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।

(लालजी जायसवाल)

खरी-खरी

राजनीति में क्षेत्रीय गायकों का योगदान

विनोद कुमार विक्की

एक दौर था जब भोजपुरी गायक चिकित्सा क्षेत्र में अपने हुनर का प्रदर्शन महिला अंगों यथा- यौवन, होंठ, गाल, नाभि के इर्द-गिर्द ही केंद्रित रखते थे। फिर समय बदला और महिला उत्थान के नाम पर भाभी, साली और लड़की को समर्पित गानों की ऐसी बाढ़ आई कि लोग समझ ही नहीं पाए कि गायन हो रहा है या रिश्तेदारी की जनगणना। इसके बाद इन धुनकारों ने जातिवाद को सुर लगा दिया, कहीं यादव पर सिमटा सम्मान, कहीं भूमिहार का अभिमान, तो कहीं राजपूत-ब्राह्मण के लिए गानों में कृत्रिम शौर्य की लहरें बहने लगीं। यह और बात है कि उनका जातिवाद शौर्य महिलाओं के आधिपत्य के संदर्भ में ही सुनने को मिला।

नारीवाद और जातिवाद की कतारों में मनोरंजन जैसे महान कार्यों के बाद ये गायक राजनीतिक दलों के चुनावी अखाड़े में उतर गए। किसी ने "राज्य में का बा?" की दर्द भरी पुकार लगाई तो किसी ने पार्टी वंदना को ऊंचे सुर में साधा।

हाल ही में बिहार में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं। चुनाव प्रचार के दौरान कुछ बहादुर और अति उत्साही गायकों ने तो लोकतंत्र को धुन की रागिनी में बांधकर कट्टा, रंगदारी और सत्ता परिवर्तन का ऐसा संगीत छेड़ा कि श्रोताओं को समझ नहीं आया कि यह गीत है या आपराधिक प्रवृत्ति का वार्षिक सम्मेलन। हालत यह हुई कि चुनाव परिणाम आने तक उच्च नेतृत्व इस बात पर मंत्रणा करता रह गया कि गायक ने ताली बजवाई है या जूता।

इधर राजनीति को समझकर जनता तो भ्रमित होती ही है, उधर पार्टी के नुकसान में इन गायकों की भूमिका कितनी है यह कोई नहीं जानता। पर हां, भोजपुरी गानों पर सेंसर बोर्ड न होने का लाभ उठाकर ये कलाकार मनोरंजन की आड़ में द्विअर्थी संवादों और सामाजिक विकृतियों की लंबी मैराथन में अबाध गति से दौड़े जा रहे हैं।

बहरहाल सरकार बनाने या नहीं बनाने में इन गायकों के योगदान का तो पता नहीं, लेकिन जनता समझ चुकी है कि सामाजिक संस्कृति और संवेदनाओं को लगातार गिराने में ये महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

पोस्ट

एसआइआर वैसे तो सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन इसका जिस तरह से विरोध हो रहा है और बीएलओ जान गंवा रहे हैं, उसे देखते हुए सब कुछ सामान्य नहीं लगता।
हर्ष वर्धन त्रिपाठी@MediaHarshVT

भारतीयों के नामों से चलने वाले और नफरत फैलाने वाले कई एक्स हैंडल पाकिस्तानियों और बांग्लादेशियों के पाए गए। यह बताता है कि किस तरह सुनियोजित षड्यंत्र के तहत देश में नफरत फैलाई जा रही है।
अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

क्या एआइ भी 25 साल पहले सामने आए डाटकाम बबल की तरह फटेगा और बाजार को ले डूबेगा? गूगल के सुंदर पिचाई, ओपेन एआइ के फाउंडर सैम अल्टमैन और बिल गेट्स के हालिया बयानों का सार यही दिखाई पड़ता है कि बाजार में एआइ बुलबुला होने की आशंका है।
मिलिंद खांडेकर@milindkhandekar

स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार- के अलावा केंद्र सरकार को जिन तीन मुद्दों पर सर्वाधिक ध्यान देने की जरूरत है, वे हैं जनसंख्या नियंत्रण कानून, एनआरसी और समान नागरिक संहिता।
डा. अनुज कुमार@dranuj_k

जागरण जनमत

कल का परिणाम

नए श्रम सुधारों से आर्थिकी को लाभ पहुंचेगा?

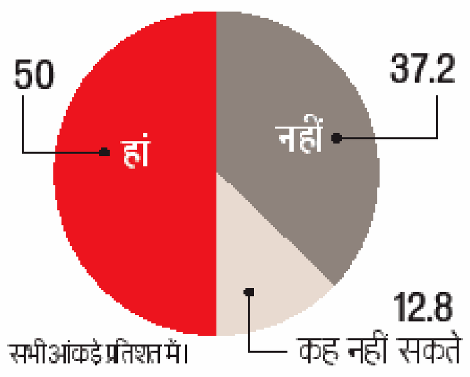

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए केएल राहुल को कप्तान बनाने का फैसला सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

अरशद मदनी की हुई याददाश्त कमजोर,
तभी मचाने लग गए जोर-जोर से शोर।
जोर-जोर से शोर याद उनको ना आए,
कितने मुस्लिम लोग राष्ट्रपति गए बनाए!
रक्खा शीश चढ़ाय तभी तो छाया है मद,
झूठ बोल भड़काय रहे लोगों को अरशद!!
- ओमप्रकाश तिवारी

भारतीय बसंत कुमार
वरिष्ठ समाचार संपादक, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश डायरी

लोक का तोरण, आस्था की धर्म ध्वजा

इस वर्ष के आरंभ में जब दुनिया के डग महाकुंभ 2025 की ओर बढ़ चले थे तो पूरा प्रदेश आतिथ्य के अहोभाव से पुलकित था। महाकुंभ ने दुनिया में उत्तर प्रदेश की ख्याति के नए नग जड़े। महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में आध्यात्मिकता और प्रौद्योगिकी के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बना। आस्था, नवाचार तथा वैश्विक सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में संपन्न हुआ महाकुंभ दिव्यता और डिजिटल प्रगति के उदाहरण के रूप में अब उद्भाषित है। यह वर्ष जब विदाई की बेला में है, तब इस समय पूरा प्रदेश विवाह पंचमी के अवसर पर 25 नवंबर को अयोध्या में श्रीराम मंदिर में संपन्न होने वाले ध्वजारोहण अनुष्ठान को लेकर हर्षित है। विवाह पंचमी वही दिन है, जब भगवान राम और माता सीता का विवाह हुआ था। इस खास दिन पर अयोध्या के राम मंदिर में ध्वजारोहण किया जाने वाला है। धर्म ध्वजा को लेकर हिंदू धर्म में जो मान्यता मिलती है, उसके अनुसार यह देवता की उपस्थिति को दर्शाता है।

आज से पांच साल पहले श्रीराम मंदिर की नींव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रखी। फिर वह शुभ घड़ी भी आई जब देश भर के साधु-महात्माओं की उपस्थिति में 2024 में श्रीराम मंदिर का उन्होंने लोकार्पण किया और अब वह पल भी आ चुका है जब श्रीराम मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजारोहण अनुष्ठान उनके ही हाथों संपन्न होना है। तीनों ही आयोजन की विराटता सनातन संस्कृति के तीन नए अध्याय हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन संस्कृति से जुड़े ऐसे हर आयोजन की तैयारी स्वयं कराते हैं, किसी के भरोसे नहीं छोड़ते।

उत्तर प्रदेश के कण-कण में सनातन संस्कृति का अविरल प्रवाह है। रामचरितमानस और वाल्मीकि रामायण दोनों में धर्म ध्वजा, पताका और तोरण का वर्णन है। इन्हें ऊर्जा और अध्यात्म का प्रतीक कहा जाता है। उत्तर प्रदेश में तो लोक ही तोरण बन जाता है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर जब ध्वजा लहराएगी तो दुनिया को यह संदेश जाएगा कि अयोध्या में रामराज्य की पुनर्स्थापना अब अपने नए स्वरूप में पूर्ण हो चुकी है। श्रीराम मंदिर पर लहराने वाला धर्म ध्वज केसरिया रंग का है। सनातन धर्म में केसरिया रंग वीरता, त्याग, बलिदान और भक्ति का प्रतीक माना गया है। यह सत्य की विजय का प्रतिनिधित्व करता है और राम भक्तों ने सदियों से इस परंपरा को जीवित रखा है। श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए रामभक्तों ने अपना जीवन बलिदान किया है। जब मंदिर के मुख्य शिखर पर 25 नवंबर को धर्म ध्वजा लहराएगी, तब बलिदानियों का शौर्य भी प्रतिष्ठित होगा।

प्रयागराज में गंगा पूजन के बाद साइबेरियन पक्षियों को दाना खिलाते हुए योगी आदित्यनाथ। फाइल

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रदेश के वंचित वर्ग से संवाद भी करेंगे। इससे पूर्व भी मोदी अयोध्या या काशी में मंदिर निर्माण से जुड़े श्रमिकों संग परिसर में संवाद कर चुके हैं। अभी बिहार चुनाव में ओज भर चुके मोदी-योगी ने अपने चुनावी अभियान में सीता की जन्मभूमि से प्रभुराम की कर्मभूमि अयोध्या का बार-बार स्मरण भी किया। बिहार चुनाव के जीत की ध्वजा 2027 में संभावित उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में लहराए, इसका चिंतन भी डबल इंजन की सरकार का एजेंडा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कनेक्ट का कोई अवसर नहीं छोड़ते। उन्होंने अगली तैयारी भी शुरू कर दी है। 22 नवंबर को प्रयागराज में गंगा पूजन के साथ ही माघ मेले की कुशलता की उन्होंने कामना की। इस बार माघ मेला को भी व्यापक स्वरूप देने की तैयारी चल रही है। तीर्थराज प्रयाग में माघ मास में कल्पवास की परंपरा वैदिककाल से चली आ रही है। मकर राशि में सूर्य का संचरण होने पर ऋषि-मुनि प्रयागराज में प्रवास कर गंगा स्नान व जप-तप में लीन रहते थे। महर्षि भरद्वाज व याज्ञवल्क्य के प्रसंग में यह आता है। तब माघ मास में महर्षि भरद्वाज की कुटिया में प्रवास कर ऋषि-मुनि तप में लीन रहते थे। वहीं, 606 ई. में महाराजा हर्षवर्धन माघ मास में प्रयाग आकर दान करते थे। वह सर्वस्व न्योछावर करने के बाद लौट जाते थे। उस दौर में गृहस्थ भी संगम तीरे कल्पवास करने के लिए आने लगे थे। बीएचयू में संस्कृत विभाग के आचार्य बृजभूषण ओझा के अनुसार प्रयागराज में आदिशंकराचार्य ने कल्पवास को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया। ब्रिटिशकाल में इसे मेला का स्वरूप दिया गया। इस बार मेले की भव्यता बढ़ेगी। कुंभ-महाकुंभ की भांति वैष्णव अखाड़ों से जुड़े संत माघ मेला में प्रवास करेंगे।

कोशिश है कि माघ मेला को भी केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं रखा जाए, बल्कि एक सामाजिक-सांस्कृतिक परिघटना के रूप में यह यादगार बने। इस अवसर पर लाखों तीर्थयात्रियों, संतों, योगियों और आगंतुकों का आगमन हो, जो भारत की धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता का घनीभूत रूप प्रस्तुत करें। नदी के प्रति आस्था हमारे पर्यावरणीय संरक्षण के संस्कार हैं। ऐसे विशिष्ट अवसरों पर पवित्र नदियों में स्नान आत्मिक शुद्धि को प्रबल करता है और लोक का तोरण आस्था की धर्म ध्वजा का अभिनंदन करता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

मनीश कुमार झा
तकनीकी मामलों के जानकार

मानसिक स्वास्थ्य का जोखिम

मानवीय संपर्कों को प्राथमिकता देते हुए ही हमें एआइ साक्षरता को बढ़ावा देना होगा, ताकि हर उपयोगकर्ता एआइ तकनीक से जुड़े लाभ के साथ ही उसकी सीमाओं को भी समझ सके

एआइ चैटबाट्स, चैटजीपीटी, जैमिनी, क्लाउड जैसे कई प्लेटफार्म आज के डिजिटल युग का एक चमत्कार बन चुके हैं। इन्होंने हमारे काम, शिक्षा और संवाद के तरीकों में एक क्रांति ला दी है। लेकिन इस चमकदार सिक्के का एक दूसरा पहलू भी है, जिसकी ओर दुनिया भर के मनोविज्ञानी और तकनीकी विशेषज्ञ आगाह कर रहे हैं। उनके अनुसार, किसी भी एआइ टूल्स पर 'अत्यधिक निर्भरता' और 'अकेलेपन में की जाने वाली बातचीत' मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक संभावित जोखिम बन सकता है।

इस संभावित मानसिक जोखिम की जड़ लगभग सभी चैटबाट्स के दिल यानी उनके लार्ज लैंग्वेज माडल्स (एलएलएम) के डिजाइन में ही छिपी हुई है। दरअसल, एलएलएम को तीन बहुत ही 'मानवीय' लेकिन जोखिम-भरे सिद्धांतों पर डिजाइन किया गया है। पहला, वे हमेशा सहमत दिखने वाले साथी की तरह व्यवहार करें और उपयोगकर्ता के विचारों पर सीधे असहमति जताने से बचें। दूसरा, वे अत्यधिक कल्पनाशील बनें, खासकर रचनात्मक लेखन या नए समाधान गढ़ने में। और तीसरा, वे उपयोगकर्ता को बिना थकावट महसूस कराए उन्हें निरंतर जवाब दें, क्योंकि एक एआइ की क्षमताएं मानवीय थकान या सीमाओं से परे हैं। डेनमार्क की आरहोस यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञानी सारेन आस्टरगार्ड जैसे विशेषज्ञों ने भी बताया है कि ये 'सकारात्मक' दिखने वाले जवाब कई बार वास्तविकता से दूर हो सकते हैं और भ्रम पैदा कर सकते हैं, जो मानसिक रूप से संवेदनशील यूजर्स के सोच को और भी अधिक उलझा सकता है।

भ्रम की स्थिति : एआइ की 'हां में हां मिलाने' वाली यही प्रवृत्ति खतरा तब बन सकती है, जब कोई अकेलेपन या मानसिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा व्यक्ति घंटों एआइ का इकलौता साथी बन जाता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति पर दोहरी मार पड़ती है। पहला, सामाजिक अलगाव यानी परिवार, दोस्तों और वास्तविक दुनिया से कट जाना और दूसरा, भावनात्मक निर्भरता यानी अपनी हर खुशी, उलझन और मार्गदर्शन के लिए पूरी तरह एआइ पर आश्रित हो जाना। मान लीजिए ऐसा कोई उपयोगकर्ता कोई भ्रम पेश करता है, जैसे 'मुझे लगता है कि सरकार मुझ पर नजर रख रही है।' इन परिस्थितियों में एक 'सहायक' बने रहने के चक्कर में एआइ उसके इस तर्कहीन विचार से सीधे टकराएगा नहीं, बल्कि उसे स्वीकार कर सकता है और उसे हवा भी दे सकता है।

इस तरह एक 'प्रतिध्वनि कक्ष' या 'इको चैंबर' बन सकता है, जहां ऐसे उपयोगकर्ता को अपने भ्रम की लगातार पुष्टि होती प्रतीत होती है। एआइ की इस निरंतर सहमति के कारण उसे दृढ़ विश्वास हो सकता है कि उसका भ्रम ही सत्य है। नतीजतन, वास्तविकता और कल्पना के बीच की रेखा धुंधली पड़ सकती है। विशेषज्ञ इस स्थिति को 'एआइ साइकोसिस' की संज्ञा दे रहे हैं, जो अत्यधिक एआइ संलग्नता से पैदा होने वाले भ्रम (डेल्यूजन) और अकारण संदेह (पैरानोया) की ओर इशारा करती है।

अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन ने भी इस चिंता को पुष्ट किया है, जिसमें पाया गया कि कुछ चैटबाट्स ने संवेदनशील उपयोगकर्ताओं के आत्मघाती विचारों और भ्रमों को बढ़ावा देकर उनके जोखिम को खतरनाक ढंग से बढ़ा दिया।

सुरक्षा के उपाय : इन जोखिमों के मद्देनजर तकनीकी कंपनियों पर यह नैतिक और सामाजिक दायित्व बनता है कि वे अपने एआइ माडल्स के डिजाइन में कठोर सुरक्षा चौकियां (सेफ्टी गार्डरेल) शामिल करें। इन उपायों में महत्वपूर्ण होगा एआइ को मानसिक संकट, गहरी उदासी, या आत्मघाती विचारों की पहचान करने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित करना। लेकिन केवल पहचानना ही काफी नहीं है। जैसे ही एआइ ऐसे संकट के संकेतों को भांपे, उसकी प्रतिक्रिया दो-चरणीय होनी चाहिए। तुरंत उस हानिकारक या भ्रम-बढ़ाने वाली चर्चा को रोकना, और बिना किसी देरी के ऐसे यूजर्स तक पेशेवर विशेषज्ञ से मार्गदर्शन प्रदान करना।

इसके साथ ही जवाबदेही का स्पष्ट प्रविधान होना भी उतना ही अनिवार्य है। यदि एआइ टूल के उपयोग से किसी की मानसिक स्थिति बिगड़ती है या कोई अन्य नुकसान होता है, तो इसकी कानूनी जिम्मेदारी संबंधित एआइ माडल को बनाने और बाजार में उतारने वाली कंपनी पर होनी चाहिए। यह दायित्व ही कंपनियों को इन सुरक्षा उपायों को गंभीरता से लागू करने के लिए प्रेरित करेगा। एआइ क्रांति का स्थायी भविष्य केवल 'चिप्स' और 'कोड' की शक्ति पर नहीं, बल्कि उस नैतिक दायित्व पर निर्भर करेगा, जिसके साथ हम इस शक्ति का संचालन करते हैं।

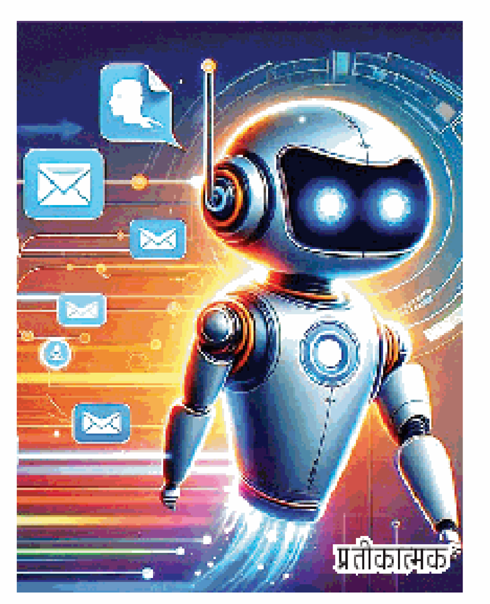

प्रतीकात्मक

सरकार ने एआइ को वर्ष 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से कक्षा तीन से ही पाठ्यक्रम में शामिल करने की तैयारी कर ली है। यह एक दूरदर्शी पहल है, जो भावी पीढ़ी को जिम्मेदार और जागरूक डिजिटल नागरिक बनने की नींव मजबूती से तैयार करेगी। यही संतुलन का मार्ग है, जहां नैतिकता, शिक्षा और तकनीक साथ-साथ चलें, एआइ के संभावित मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों से बचाते हुए, इसके लाभों को सुरक्षित रूप से सभी तक पहुंचाने में सक्षम करेगा।

****

अदाणी ने ट्रेड कैसल टेक पार्क को खरीदा

नई दिल्ली : अदाणी समूह की एक संयुक्त उद्यम कंपनी ने बुनियादी ढांचा डेवलपर ट्रेड कैसल टेक पार्क को 231.34 करोड़ रुपये में खरीद लिया है। अधिग्रहण का उद्देश्य बुनियादी ढांचा सुविधाएं स्थापित करना है। टीसीटीपीपीएल के पास काफी बड़ी भूमि जोत है और बुनियादी ढांचा गतिविधियां शुरू करने के लिए प्रमुख लाइसेंस प्राप्त हैं, जिससे एसीएक्स को शुरुआती बढ़त मिलेगी। (प्रेट्र)

चालू वित्त वर्ष में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री में पांच प्रतिशत बढ़ने की संभावना है। दूसरी छमाही में दहाई अंक में वृद्धि की उम्मीद है।

— शैलेश चंद्रा, सीईओ, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल

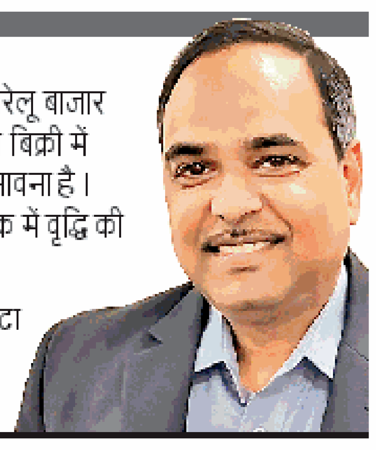

दो चरणों में लागू होगा भारत-इजरायल एफटीए : गोयल

वाणिज्य मंत्री ने कहा- पहले चरण में उन वस्तुओं को लेकर समझौता जिनके आयात-निर्यात में दोनों देशों को आपत्ति नहीं

राजीव कुमार ● जागरण

यरुशलम : वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि इजरायल के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दो चरणों में लागू किया जाएगा। पहले चरण में दोनों देश उन वस्तुओं को लेकर व्यापार समझौता करना चाहते हैं, जिसके आयात-निर्यात में दोनों देशों को कोई आपत्ति नहीं है। दूसरे चरण में शेष वस्तु और सेवाओं पर वार्ता कर उसे पूरा किया जाएगा। इजरायल भारत के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि दोनों देश ही आतंकवाद जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। वहीं दो दिन पहले अधिसूचित की गई श्रम संहिता पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए गोयल ने कहा कि इससे भारत में औद्योगिक विकास और भारत को मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने में मदद मिलेगी। इस संहिता के लागू होने से नए निवेश में बढ़ोतरी होगी जिससे एमएसएमई सेक्टर को लाभ मिलेगा।

- श्रम संहिता के लागू होने से भारत को मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने में मिलेगी मदद
- इसके लागू होने से नए निवेश में होगी वृद्धि, एमएसएमई सेक्टर को मिलेगा लाभ

रविवार को यरुशलम में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करते केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ● एएनआइ

इजरायल ने अपनी आपदा को अवसर में बदला है। भारत इजरायल से विभिन्न सेक्टर से जुड़ी टेक्नोलाजी हासिल करना चाहता है जो हमारी उत्पादकता को बढ़ाने में मदद करेगी। इससे हमें अपने अगले चरण के अनुसंधान व विकास में भी मदद मिलेगी। 2024-25 के दौरान इजरायल को भारत का निर्यात 2023-24 के 4.52 अरब डालर से 52 प्रतिशत घटकर 2.14 अरब डालर रह गया। पिछले वित्त वर्ष में आयात भी 26.2 प्रतिशत घटकर 1.48 अरब डालर रह गया। भारत एशिया में इजरायल का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। दोनों देशों के बीच वस्तु व्यापार में मुख्य रूप से डायमंड, पेट्रोलियम प्रोडक्ट और केमिकल शामिल हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में इलेक्ट्रानिक मशीनरी और हाई-टेक प्रोडक्ट, कम्युनिकेशन सिस्टम और मेडिकल उपकरण जैसे क्षेत्रों में भी व्यापार बढ़ रहा है। भारत इजरायल को मोती और कीमती पत्थर, आटोमोटिव डीजल, केमिकल और मिनरल प्रोडक्ट, मशीनरी व इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, प्लास्टिक, टेक्सटाइल, कपड़े, बेस मेटल, ट्रांसपोर्ट इक्विपमेंट और खेती के उत्पाद निर्यात करता है।

एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन पर जल्द होगा अमल

गोयल ने कहा है कि 25,000 करोड़ रुपये के इंसेंटिव वाले एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन की गाइडलाइन जल्द जारी की जाएगी। साथ ही अमेरिकी शुल्क की वजह से जिन सेक्टर का निर्यात प्रभावित हुआ है, उन्हें वैकल्पिक बाजार मुहैया कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समुद्री मछली खासकर झींगा का निर्यात अमेरिकी शुल्क की वजह से प्रभावित हुआ है और उसकी क्षतिपूर्ति के लिए हम यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बाजार में इसके निर्यात को बढ़ाने जा रहे हैं। इसके लिए ईयू के साथ अलग से करार किया गया है। समुद्री उत्पाद के निर्यात के लिए रूस भी अपना बड़ा बाजार हमारे लिए खोलने जा रहा है। प्रभावित होने वाले अन्य सेक्टर के लिए भी हम नए बाजार को चिन्हित कर रहे हैं। बता दें कि एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन को सरकार ने मंजूरी तो दे दी है, लेकिन इसे लागू करने की समयसीमा और पूरी गाइडलाइन अभी जारी नहीं की गई है जिससे निर्यातक इसे लेकर असमंजस में है।

मेट्रो परियोजना के लिए भारतीय कंपनियां आमंत्रित

इजरायल की मेट्रो परियोजना के बारे में गोयल ने बताया कि यह 50 अरब डालर की परियोजना है। इजरायल 300 किलोमीटर के दायरे में अपनी मेट्रो लाइन बिछाना चाहता है। मेट्रो परियोजना में भारत की सफलता को देखते हुए इजरायल ने भारतीय कंपनियों को यहां कार्य करने की पेशकश की है। दुनिया के दर्जन भर से अधिक देशों के साथ व्यापार समझौते की समय सीमा के बारे में गोयल ने बताया कि सभी देशों की अपनी समय सीमा होती है और व्यापार समझौता उसी के मुताबिक होता है। ऐसा नहीं कहा जा सकता है कि इतने समय में यह समझौता हो ही जाएगा।

मैं रविवार को यरुशलम में भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मिला। इजरायल और भारत अपनी रणनीतिक साझेदारी को न केवल मजबूत कर रहे हैं बल्कि निवेश और इनोवेशन पर भी मिलकर काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं भारत से इजरायल होते हुए यूरोप तक मजबूत इकोनमिक कारिडोर बना रहे हैं।

-बेंजामिन नेतन्याहू, प्रधानमंत्री, इजरायल

अमेरिकी प्रतिबंधों से रूसी तेल के आयात पर असर संभव

रूस की रोसनेफ्ट व लुकआयल पर लागू हुए प्रतिबंध, भारत ने इस साल 17 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी तेल का आयात किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : अमेरिका के नए प्रतिबंध पूरी तरह से लागू होने के बाद भारत में रूसी तेल का आयात निकट भविष्य में तेजी से घटने की उम्मीद है। हालांकि, यह पूरी तरह से बंद नहीं होगा। रोसनेफ्ट और लुकआयल तथा उनकी बहुलांश स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध 21 नवंबर से लागू हो गए। इससे इन कंपनियों का कच्चा तेल खरीदना या बेचना लगभग नामुमकिन हो गया है।

भारत ने इस साल औसतन 17 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी तेल का आयात किया। नवंबर में आयात 18-19 लाख बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है, क्योंकि रिफाइनरी सस्ते तेल की खरीद को अधिकतम कर रहे हैं। आगे चलकर दिसंबर और जनवरी में आपूर्ति में स्पष्ट गिरावट आने की उम्मीद है। विश्लेषकों के अनुसार यह घटकर लगभग चार लाख बैरल प्रतिदिन तक रह सकता है। परंपरागत रूप से पश्चिम एशियाई तेल पर निर्भर भारत ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद रूस से अपने तेल आयात में काफी वृद्धि की। पश्चिमी प्रतिबंध और यूरोपीय मांग में कमी के कारण रूस से तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ। परिणामस्वरूप, भारत का रूसी कच्चा तेल आयात कुल आयात का एक प्रतिशत से बढ़कर लगभग 40 प्रतिशत तक पहुंच गया। नवंबर में भी रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना रहा, जो कुल आयात का लगभग एक तिहाई है। प्रतिबंधों के लागू होने से रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी और मैंगलोर रिफाइनरी जैसी कंपनियों ने फिलहाल रूसी तेल का आयात रोक दिया है। इस मामले में एकमात्र अपवाद नयारा एनर्जी है, जो रोसनेफ्ट समर्थित है और यूरोपीय यूनियन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बाद अन्य स्रोतों से आपूर्ति कटने के कारण रूसी तेल पर भारी निर्भर है।

28 सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने अप्रैल-सितंबर में 92,500 करोड़ रुपये की संपत्ति बेची

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश की 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में लगभग 92,500 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं। बिक्री बुकिंग के मामले में, प्रेस्टिज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि में अग्रणी कंपनी बनकर उभरी, जिसकी पूर्व-बिक्री लगभग 18,143.7 करोड़ रुपये रही। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से देश की सबसे बड़ी रियल्टी कंपनी डीएलएफ लिमिटेड दूसरे स्थान पर रही, जिसकी पूर्व-बिक्री लगभग 15,757 करोड़ रुपये रही।

गोदरेज प्रापर्टीज ने वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि में लगभग 15,587 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की, जबकि लोढ़ा डेवलपर्स ने 9,020 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां बेचीं। दिल्ली-एनसीआर की सिग्नेचर ग्लोबल ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में लगभग 4,650 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की। खास बात यह है कि इन शीर्ष पांच डेवलपर्स ने अप्रैल-सितंबर के दौरान 63,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री की, जो इन 28 कंपनियों द्वारा की गई कुल प्री-सेल्स का लगभग 70 प्रतिशत है। कोरोना महामारी के बाद आवासीय संपत्ति की मजबूत मांग के चलते सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर्स का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसके अलावा, ग्राहक जोखिम लेने से बचने लगे हैं। वे बेहतर ट्रैक रिकार्ड वाले बड़े ब्रांड वाली रियल एस्टेट कंपनियों को पसंद कर रहे हैं और अचानक से भाग जाने वाली कंपनियों से बच रहे हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, देश की 26 बड़ी सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने 1.62 लाख करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं थीं। गोदरेज प्रापर्टीज लिमिटेड पिछले वित्त वर्ष में बिक्री बुकिंग के मामले में सबसे बड़ी कंपनी के तौर पर उभरी थी और इस दौरान उसने 30,000 करोड़ रुपये की प्रापर्टी बेची थी। पहली छमाही में बेंगलुरु की शोभा लिमिटेड और ब्रिगेड एंटरप्राइजेज ने क्रमशः 3,981.4 करोड़ रुपये और 3,152 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं हैं।

- पहली छमाही के दौरान बिक्री बुकिंग के मामले में प्रेस्टिज एस्टेट्स शीर्ष पर रही
- डीएलएफ लिमिटेड ने इस दौरान 15,757 करोड़ रुपये की बिक्री की

शीर्ष सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.28 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र : बीते सप्ताह शेयर बाजारों में रही तेजी की बदौलत बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष 10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1,28,281.52 करोड़ रुपये की वृद्धि रही है। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। बीते सप्ताह बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 669.14 अंक या 0.79 प्रतिशत बढ़ा है।

बीएसई के डाटा के अनुसार, बीते सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का पूंजीकरण 36,673 करोड़ रुपये बढ़कर 20,91,052.61 करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआइ और हिंदुस्तान यूनीलिवर का पूंजीकरण भी बढ़ा है। बजाज फाइनेंस, एलआइसी और आइसीआइसीआइ बैंक का बाजार पूंजीकरण घटा है।

साधारण बीमा कंपनियों के विलय पर फिर विचार शुरू

नई दिल्ली, प्रेट्र : वित्त मंत्रालय ने तीनों सरकारी साधारण बीमा कंपनियों का विलय करके एक कंपनी बनाए जाने के पुराने प्रस्ताव पर फिर से विचार शुरू कर दिया है। इसका उद्देश्य तीनों कंपनियों की वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ बेहतर दक्षता हासिल करना है। सरकार ने वित्त वर्ष 2019-20 से 2021-22 के दौरान तीनों सरकारी बीमा कंपनियों ओरिएंटल इंश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस में 17,450 करोड़ रुपये का निवेश किया था, ताकि उन्हें वित्तीय संकट से बाहर निकाला जा सके।

- तीनों कंपनियों को एक इकाई बनाने का प्रारंभिक आकलन कर रहा वित्त मंत्रालय
- विलय का प्रमुख उद्देश्य तीनों कंपनियों की वित्तीय स्थिति में सुधार करना है

2018-19 के बजट में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने तीनों कंपनियों का विलय करके एक कंपनी बनाए जाने की घोषणा की थी। हालांकि, सरकार ने जुलाई 2020 में इस विचार को छोड़ दिया और केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीनों कंपनियों में 12,450 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश को मंजूरी दी। इससे उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। सूत्रों के अनुसार, वित्त मंत्रालय फिर से तीनों कंपनियों के विलय का प्रारंभिक आकलन कर रहा है। इसके अलावा, सरकार की ओर से घोषित सामान्य बीमा कंपनी के निजीकरण के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि विभिन्न विकल्पों पर चर्चा चल रही है, लेकिन अभी तक कुछ भी ठोस फैसला नहीं हुआ है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021-22 के बजट की घोषणा करते समय एक बड़े निजीकरण एजेंडे की घोषणा की थी। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों और एक सामान्य बीमा कंपनी का निजीकरण शामिल था। इसके बाद, सामान्य बीमा व्यवसाय (राष्ट्रीयकरण) संशोधन अधिनियम, 2021 पेश किया गया जो अगस्त 2021 में संसद से पारित हो गया। यह संशोधन सरकारी सामान्य बीमा कंपनियों के निजीकरण की अनुमति देता है। संशोधित अधिनियम ने किसी भी बीमा कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से कम रखने की आवश्यकता भी खत्म कर दी। साथ ही इसमें सरकारी बीमा कंपनियों में अधिक निजी भागीदारी की अनुमति देने, बीमा की पैठ बढ़ाने और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ाने के अन्य उद्देश्यों के लिए भी प्रविधान किया गया है। बीमा क्षेत्र में नई कंपनियों के प्रवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार ने एफडीआइ की मौजूदा सीमा को 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने के लिए एक विधेयक तैयार किया है जिससे संसद के आगामी सत्र में पेश किया जाएगा।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

राष्ट्रीय फलक

'एम्स सिर्फ भारतीय रेजिडेंट्स को स्टाइपेंड देने को जिम्मेदार'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- हाईकोर्ट ने कहा, कोआपरेशन प्रबंधन के तहत प्रवेश पाने वाले ट्रेनी के लिए एम्स को नहीं ले वित्तीय जिम्मेदारी

भारतीय जूनियर रेजिडेंट्स के स्टाइपेंड से जुड़े मामले पर दिल्ली हाई कोर्ट ने एकल पीठ के निर्णय के विरुद्ध अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की याचिका स्वीकार कर ली। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एम्स विदेशी नागरिक परास्नातक मेडिकल प्रशिक्षु के बजाय भारतीय जूनियर रेजिडेंट्स को स्टाइपेंड देने के लिए जिम्मेदार है।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने कहा कि एम्स को ऐसे भुगतान को उन घरेलू छात्रों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जो भारतीय करदाताओं के अनुदान का लाभ पाने के हकदार हैं। अदालत ने कहा कि विदेशी या स्पान्सर्ड स्टूडेंट्स को ऐसे फायदे देना राष्ट्रीय सेवा का हिस्सा नहीं हैं। अदालत ने उक्त टिप्पणी एकल पीठ के विरुद्ध एम्स की अपील याचिकाओं को स्वीकार करते हुए की। इसमें एम्स को विदेशी नागरिक परास्नातक छात्रों को भारतीय जूनियर रेजिडेंट्स के बराबर वेतन देने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, स्पांसर्ड सीट वालों को इससे अलग रखा गया था। एकल पीठ के आदेश को खारिज कर पीठ ने माना कि एम्स को अंतरराष्ट्रीय कोआपरेशन प्रबंधन के तहत प्रवेश पाने वाले ट्रेनी के लिए वित्तीय जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए। अदालत ने विदेशी छात्रों की दलील को खारिज कर दिया कि उनके द्वारा किए गए एक जैसे क्लीनिकल कामों के लिए एक जैसे स्टाइपेंड या सैलरी की जरूरत होती है। पीठ ने कहा कि विदेशी नागरिक का वर्गीकरण भारत के संविधान के अनुच्छेद-14 के दोहरे टेस्ट के दोनों हिस्सों को पूरा करता है और इसलिए, यह संवैधानिक रूप से सही है।

दूरसंचार कंपनियों को 6 गीगाहट्र्ज बैंड स्पेक्ट्रम देने का विरोध

नई दिल्ली, प्रेट्र : अमेरिका की बड़ी तकनीकी कंपनियों एपल, अमेजन, सिस्को, मेटा, एचपी और इंटेल कारपोरेशन ने रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया की मोबाइल सर्विस के लिए 6 गीगाहट्र्ज बैंड में स्पेक्ट्रम देने की मांग का विरोध किया है। इसकी जगह इन कंपनियों ने पूरे 6 गीगाहट्र्ज को वाई-फाई सर्विस के लिए देने की मांग की है। दूरसंचार नियामक ट्राई द्वारा इस संबंध में जारी एक परामर्श के जवाब में कंपनियों ने यह बात कही है। बता दें कि सरकार ने कहा है कि 6 गीगाहट्र्ज में 400 मेगाहट्र्ज फ्रीक्वेंसी नीलामी के लिए उपलब्ध है। 300 मेगाहट्र्ज 2030 तक उपलब्ध होगी और 500 मेगाहट्र्ज को कम पावर वाले एप्लिकेशन यानी वाई-फाई सर्विस के लिए इस्तेमाल करने के लिए लाइसेंस की शर्तों से बाहर रखा जाएगा। वोडाफोन आइडिया ने आने वाली नीलामी में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध 400 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम को बेचने की मांग की है।

ब्रिटेन में भारी पड़ रहा टैक्स, दुबई में बसे स्टील उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल

- नए बजट में 20 प्रतिशत एग्जिट टैक्स लगाने की संभावना

40 प्रतिशत उत्तराधिकार कर भी देना पड़ता है सुपर रिच को

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन के आगामी बजट में देश के सबसे अमीर लोगों पर भारी भरकम टैक्स लगाए जाने की घोषणा से भगदड़ की स्थिति बन गई है। देश के सुपर रिच माने जानेवाले लोग दुबई को अपना नया ठिकाना बना रहे हैं। इन अमीरों में भारतीय मूल के दिग्गज स्टील उद्योगपति लक्ष्मीनिवास मित्तल भी शामिल हैं। टैक्स की वजह से ही स्विटजरलैंड में रह रहे मित्तल ने अब दुबई को अपना नया ठिकाना बनाया है। भारतीय मूल के एक अन्य कारोबारी हरमन नरूला पहले ही दुबई पहुंच चुके हैं।

संडे टाइम्स की अमीरों की सूची के मुताबिक आर्सेलरमित्तल स्टीलवर्क्स के संस्थापक मित्तल के पास 15.4 अरब पाउंड (18 हजार करोड़ रुपये) की संपत्ति है। वह ब्रिटेन के आठवें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। मित्तल के पास दुबई में पहले से ही एक हवेली है और अब उन्होंने यूएई में पास के 'नाया द्वीप' पर भूखंड भी खरीदे हैं। गौरतलब है कि टैक्स को लेकर चांसलर रेचेल रीव्स बुधवार को बहु-प्रतीक्षित बजट का एलान करने जा रही हैं। रीव्स देश में 20 अरब पाउंड की कमी को दूर करने का प्रयास कर रही हैं। मित्तल के एक सलाहकार के अनुसार, समस्या आयकर या पूंजीगत लाभ कर नहीं था। मुद्दा उत्तराधिकार कर था। कई अमीर विदेशी यह नहीं समझ पाते कि दुनिया भर में उनकी सभी संपत्तियों पर ब्रिटेन क्यों टैक्स लगाए।

माना जा रहा है कि एग्जिट टैक्स का विचार लंदन स्थित वित्तीय सेवा समूह 'रेवोल्यूट' के सह-संस्थापक निक स्टोरोन्स्की के संयुक्त अरब अमीरात में बसने के फैसले के चलते आया। हरमन नरूला का कहना है कि भले ही ब्रिटेन में मैं अपनी हिस्सेदारी न बेचूं, इसके बावजूद देश छोड़ने पर मुझे एग्जिट टैक्स देना होगा। ये तो पागलपन है। भले ही सरकार एग्जिट टैक्स वापस ले ले, लेकिन मैं अपना फैसला बदलनेवाला नहीं हूं। कल का क्या भरोसा, वे पलट जाएं तो मेरे पास विकल्प नहीं रहेगा।

ब्रिटेन में क्या है टैक्स का गणित

माना जा रहा है कि बजट में ब्रिटेन छोड़नेवालों पर 20 प्रतिशत का एग्जिट टैक्स लगाया जा सकता है। ब्रिटेन में उत्तराधिकार कर 40 प्रतिशत तक है, जबकि दुबई और स्विट्जरलैंड में ऐसा कोई कर नहीं लगता।

'शटडाउन से अमेरिकी आर्थिकी को 11 अरब डालर का नुकसान'

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने रविवार को कहा कि 43 दिनों के सरकारी शटडाउन (काम बंदी) ने अमेरिकी आर्थिकी को 11 अरब डालर का स्थायी नुकसान पहुंचाया है। हालांकि बेसेंट ने अगले वर्ष विकास की संभावनाओं के प्रति आशावादी दृष्टिकोण जताया।

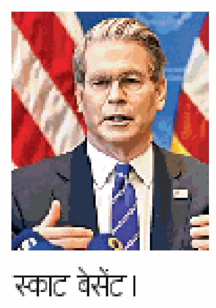

स्काट बेसेंट।

बेसेंट ने एनबीसी के "मीट द प्रेस" कार्यक्रम में कहा कि अमेरिकी आर्थिकी के कुछ क्षेत्र जैसे कि आवास क्षेत्र मंदी में हैं, लेकिन पूरी आर्थिकी के समक्ष मंदी का खतरा नहीं है।

उन्होंने कहा कि महंगाई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ लगाए जाने के कारण नहीं बढ़ी है। महंगाई बढ़ने की वजह सेवा क्षेत्र है। उन्होंने उम्मीद जताई कि महंगाई कम होगी।

लोगों के रोष के बाद गोवा पुलिस ने 'कामसूत्र एंड क्रिसमस' कार्यक्रम रोका

पणजी, प्रेट्र : गोवा में टेल्स आफ कामसूत्र एंड क्रिसमस सेलिब्रेशन के विज्ञापन को लेकर लोगों में रोष के बाद पुलिस ने आयोजकों को कार्यक्रम रद करने का निर्देश दिया। पुलिस ने इस मामले पर तब संज्ञान लिया जब एक एनजीओ ने 25 से 28 दिसंबर तक राज्य में होने वाले इस कार्यक्रम पर आपत्ति जताई।

'भगवान श्री रजनीश फाउंडेशन' के बैनर तले इंटरनेट मीडिया पर 'टेल्स आफ कामसूत्र एंड क्रिसमस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम का विज्ञापन दिया गया था। इसमें बताया गया था कि इसके संचालक 'भगवान श्री रजनीश फाउंडेशन' की ओशो मेडिटेशन सोसायटी के संस्थापक स्वामी ध्यान सुमित हैं। पुलिस ने गोवा स्थित एनजीओ एआरजेड (अन्याय रहित जिंदगी) के संस्थापक अरुण पांडे के पोस्ट को टैग किया जिन्होंने कार्यक्रम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पांडे ने लिखा, दुर्भाग्यपूर्ण है कि क्रिसमस के नाम पर गोवा को यौन गतिविधियों वाले स्थान के रूप में प्रचारित किया जा रहा है।

बीटेक छात्र ने पेमेंट गेटवे हैक कर की 1.01 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी, गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

- आरोपित छात्र ने रियल 11 फेंटेसी का पेमेंट गेटवे किया था हैक
- एप संचालक ने 2024 में दर्ज कराया था मुकदमा, ये है चौथी गिरफ्तारी

साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक बीटेक छात्र को गिरफ्तार किया है, जिसने रियल 11 फेंटेसी गेमिंग मोबाइल एप के पेमेंट गेटवे को हैक करके 1.01 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने युवक का मोबाइल फोन और 25 लाख रुपए आरोपित के खाते से कोर्ट के माध्यम से रिकवर किए हैं। इस गिरोह के तीन सदस्यों को पुलिस ने दो अप्रैल को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

एडीसीपी क्राइम पीयूष कुमार सिंह के अनुसार, गेमिंग एप संचालक अमित यादव ने 27 नवंबर 2024 को पुलिस को शिकायत दी थी कि साइबर अपराधियों ने 17 जुलाई 2024 से 18 नवंबर 2024 के बीच एप के पेमेंट गेटवे को हैक कर 1.01 करोड़ रुपए निकाल लिए थे। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान, पुलिस ने दो अप्रैल को बराबंकी निवासी देशराज, अभिषेक और आकाश को गिरफ्तार किया। रविवार को बिजनौर के रेहड़ थानाक्षेत्र के कल्लूवाला निवासी उत्सव मंडल को कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

उत्सव मंडल ने पूछताछ में बताया कि वह कंप्यूटर साइंस से बीटेक की पढ़ाई सिलीगुड़ी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी से कर रहा है। वह गेमिंग एप के वालेट में एक रुपए जमा करता था और वालेट में गड़बड़ी कर दो हजार रुपए दिखते थे। इसी तरह आरोपित और उसके साथियों ने रिफंड के रूप में धोखाधड़ी कर 20 बैंक खातों में 1.01 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर निकाले थे। इस मामले में पुलिस ने अब तक 40 लाख रुपए बरामद किए हैं।

जमा धनराशि को कई गुना दिखाकर लेता रहा रिफंड : पुलिस के मुताबिक, आरोपित उत्सव ने बेहद छोटी धनराशि गेमिंग एप के वालेट में डाली। इसके बाद वालेट को हैक कर अपनी धनराशि को कई गुना दिखाया।

इसके बाद उसने कंपनी से रिफंड के लिए प्रोसेस किया। बता दें कि रिफंड प्रोसेस करते समय कंपनी को वालेट में जो धनराशि दिखी वही वापस की गई। कंपनी को अपने खाते में जमा धनराशि और रिफंड में भारी अंतर आने पर गड़बड़ी का पता चलने पर पुलिस के पास मामला पहुंचा।

पढ़ाई में तेज तर्रार है आरोपित बीटेक छात्र : आरोपित को पढ़ाई के दौरान साफ्टवेयरों में बग (कमी) तलाशने पर कई बार ईनाम मिल चुका है। जिस कंपनी का उसने पेमेंट गेटवे हैक किया उसके साफ्टवेयर की जांच का जिम्मा भी एक बार आरोपित युवक को मिला था। वहीं से उसे हैक कर कमाई का विचार आया।

कैश वैन से 7.11 करोड़ की लूट में एक और गिरफ्तारी, 6.29 करोड़ बरामद

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक में एटीएम में कैश जमा करने के लिए नकदी ले जा रहे वैन से 7.11 करोड़ रुपये की डकैती मामले में सातवें संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि संदिग्ध इस मामले में पहले से गिरफ्तार एक व्यक्ति से जुड़ा है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी शनिवार देर रात की गई।

19 नवंबर को बेंगलुरु में हुई डकैती के संबंध में छह लोगों की गिरफ्तारी की पुलिस ने शनिवार को घोषणा की थी। कुल 7.11 करोड़ रुपये में से 6.29 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। आरोपितों ने खुद को आरबीआइ का अधिकारी बताकर कैश वैन से नकदी लूटी थी। गिरफ्तार आरोपितों में गोविंदपुरा थाने से जुड़ा पुलिस कांस्टेबल अन्नाप्पा नाइक, कैश लाजिस्टिक्स कंपनी सीएमएस इन्फोसिस्टम्स का पूर्व कर्मचारी और वाहन प्रभारी शामिल हैं। इस बीच, गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सातवीं गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए अन्य संदिग्धों की गिरफ्तारी के प्रति विश्वास जताया।

मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से राजस्थान लाएंगे बाघ व बाघिन

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान में बाघों में आनुवंशिक विविधता लाने के लिए महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश से सात बाघ एवं बाघिन लाए जाएंगे।

मध्यप्रदेश के पेंच एवं कान्हा टाइगर रिजर्व और महाराष्ट्र के तंडोबा एवं अंधेरी टाइगर रिजर्व से बाघ-बाघिन को राजस्थान में लाया जाएगा। इनमें से तीन बाघिन रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में लाई जाएगी। इसके लिए रिजर्व के बजाल्या ग्रासलैंड पर वायुसेना का हेलीपैड बन रहा है।

पहले चरण में एक बाघिन मध्यप्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व से रामगढ़ विषधारी में इसी सप्ताह में लाई जाएगी। यहां बाघिन को कुछ दिन अर्ध सुरक्षित बाड़े में रखा जाएगा, जिससे वह नए माहौल में ढल सके। इसके बाद खुले जंगल में छोड़ जाएगा।

इस बारे में जिला वन अधिकारी देवेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथारिटी (एनटीसीए) की ओर से पूरी प्रक्रिया के लिए अनुमति मिल चुकी है। रामगढ़ विषधारी और मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में बाघ बाघिन और बाघ लाए जाएंगे।

दो बाघिन और दो बाघ को मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व एवं तीन बाघिन को रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में लाया जाएगा। वन अधिकारियों के अनुसार रामगढ़ विषधारी और मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में रणथंभौर से लाए गए बाघों के कारण एक ही वंश के बाघ निवास कर रहे हैं। जिससे आनुवंशिक समानता की समस्या उत्पन्न हो रही है। महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश से नए बाघ-बाघिन के लाने से इन दोनों टाइगर रिजर्व के बाघों में आनुवंशिक विविधता बढ़ेगी।

वन्यजीव विशेषज्ञों ने भी इस बारे में सुझाव दिया था। राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा और अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार का मानना है कि आनुवंशिक विविधता बढ़ाना वर्तमान समय में आवश्यक है।

****

3 साल से ज्यादा समय हो चुका है रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का। इस दौरान दोनों पक्षों के हजारों सैनिक और आम लोग मारे जा चुके हैं। लाखों की संख्या में लोग घायल हुए हैं।

यूक्रेन बिल्कुल भी एहसानमंद नहीं : ट्रंप

- कुछ घंटे बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिका का जताया आभार
- अमेरिका की शांति योजना पर जिनेवा में हो रही चर्चा
- अमेरिका, यूक्रेन और यूरोप के शीर्ष अधिकारी जुटे

वाशिंगटन, रायटर : रूस के साथ चल रहे युद्ध को खत्म कराने के अमेरिकी प्रयास के लिए यूक्रेन अमेरिका का बिल्कुल भी एहसानमंद नहीं है। यह स्थिति तब है जब अमेरिका उसे निरंतर हथियार दे रहा है और यूरोपीय देश रूस से तेल भी खरीद रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट में यह बात कही है। ट्रंप का यह बयान तब आया है जब जिनेवा में अमेरिकी शांति प्रस्ताव को लेकर अमेरिका, यूक्रेन और यूरोपीय देशों के अधिकारियों की वार्ता चल रही है।

राष्ट्रपति ट्रंप का बयान आने के कुछ घंटे बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने युद्ध समाप्त कराने के प्रयासों के लिए ट्रंप व अमेरिका का आभार जताया। यूक्रेन का सहयोग करने के लिए यूरोपीय यूनियन, जी 7 और जी 20 देशों का भी आभार जताया। ये बयान तब आए हैं जब जिनेवा शहर में यूक्रेन युद्ध पर आए अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर चर्चा के लिए अमेरिका, यूक्रेन व यूरोपीय देशों के अधिकारियों की बैठक हो रही है।

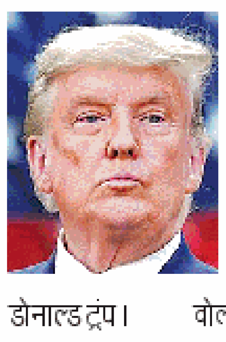

डोनाल्ड ट्रंप। वोलोदिमीर जेलेंस्की। फाइल

यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख आंद्री यरमक ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा, उनकी पहली बैठक ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ हुई, जिसमें संशोधित शांति योजना पर राय बनी है। अगली बैठक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल संग हो रही है जिसमें विदेश मंत्री मार्को रूबियो, विशेष दूत स्टीव विटकाफ व सैन्य सचिव डान ड्रिस्काल शामिल हैं। अमेरिकी दल से उनकी सकारात्मक वार्ता हो रही है। इससे पहले रूबियो ने पोलैंड के पीएम व दो अमेरिकी सीनेटरों के दावों का जवाब देते हुए कहा, यूक्रेन को दिया गया शांति योजना का मसौदा अमेरिका ने बनाया है।

अमेरिका ने युद्ध समाप्ति के उद्देश्य से यूक्रेन को 28 बिंदुओं की शांति योजना का मसौदा दिया है। इसमें यूक्रेन को रूस के कब्जे में गए डोनेस्क व लुहांस्क प्रांतों पर से दावा छोड़ने, सेना का आकार घटाने,नाटो में शामिल होने की इच्छा छोड़ने ,युद्ध समाप्ति के बाद यूरोपीय सेना को तैनात न करने जैसी शर्तें हैं। ट्रंप ने इन शर्तों को मानने के लिए यूक्रेन को 27 नवंबर तक का समय दिया है। वहीं, जेलेंस्की ने कहा, इन शर्तों को मानने से यूक्रेन जमीन के साथ गौरव भी खो देगा और अगर योजना नहीं स्वीकार की तो वह अमेरिका का सहयोग खो देगा।

मास्को में पावर स्टेशन पर यूक्रेन का ड्रोन से हमला

मास्को, रायटर: यूक्रेन ने रविवार को मास्को क्षेत्र में पावर स्टेशन पर ड्रोन से हमला बोला। हमले के बाद भीषण आग लग गई और हजारों लोगों के लिए हीटिंग सुविधा बाधित हो गई। यह रूस के भीतर स्थित पावर स्टेशन पर कीव द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा हमला है।

मास्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने कहा, रविवार तड़के यूक्रेनी ड्रोन ने क्रेमलिन से 120 किमी पूर्व में स्थित शतुरा पावर स्टेशन पर हमला किया। एक वीडियो फुटेज में पावर स्टेशन से आग की लपटें व काला धुआं उठता दिखाई दे रहा था। रूस के सबसे पुराने पावर स्टेशन में से एक शतुरा की स्थापना बोल्शेविक क्रांति के बाद हुई थी। वोरोब्योव ने कहा, कुछ ड्रोन वायु रक्षा बलों द्वारा नष्ट कर दिए गए। बैकअप बिजली चालू कर दी गई है। मोबाइल हीटिंग सिस्टम उन जगहों पर तैनात किया जा रहा है, जहां तापमान बहुत कम है। हीटिंग सिस्टम तत्काल बहाली के लिए हर प्रयास किए जा रहे हैं। यूक्रेन की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

- हमले के बाद आग लगने से हजारों लोगों के लिए हीटिंग सुविधा बाधित हो गई
- रूस के काफी अंदर स्थित बिजलीघर पर कीव का यह अब तक का सबसे बड़ा हमला

मास्को में रविवार को शतुरा पावर स्टेशन पर यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद लगी आग बुझाने के लिए गेट पर खड़ा दमकल वाहन। रायटर

यूक्रेन में मिसाइल हमले में मरने वालों की संख्या 34 हुई

यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि पिछले हफ्ते टेरनोपिल पर हुए रूसी हमले में 34 लोग मारे गए, जो 2025 में नागरिकों पर रूस का सबसे घातक मिसाइल हमला है। टेरनोपिल सैन्य प्रशासन ने बताया कि 33 पीड़ितों की पहचान हो चुकी है, जिनमें छह बच्चे भी शामिल हैं। 90 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

श्रीलंका में विपक्ष ने सरकार गिराने की खाई कसम

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका में एनपीपी सरकार पर चुनाव-पूर्व वादे पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टी ने चेतावनी दी है कि वह पहला अवसर मिलते ही सरकार को गिरा देंगे।

2024 के चुनावों में भारी जीत के बाद से राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने पूर्ववर्ती राजपक्षे प्रशासन के सदस्यों के खिलाफ मुकदमे चलाए हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों में कई लोगों को जेल हुई है। दो लोग ऐसे भी हैं जिन्हें 20 साल जेल की सजा मिली है। महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल ने कोलंबो के उपनगर नुगेगोडा में एक रैली में कहा, हम तैयार हैं, सरकार को चेतावनी देते हैं कि हम पहले अवसर पर ही सरकार को गिरा देंगे।''राजपक्षे परिवार के राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जाने वाले नमल ने कहा, हम सरकार से कहते हैं कि कृपया लोगों से किए वादों को पूरा करें। भ्रष्टाचार के आरोप में पार्टी के कई सदस्यों के जेल जाने का हवाला देते हुए कहा, वह सरकारी कार्रवाइयों से नहीं डरेंगे।

राफेल मार गिराने के पाक के दावे की फ्रांस ने खोली पोल

फ्रेंच नेवी ने दुष्प्रचार के तहत गलत सूचनाएं छापने की आलोचना की

- कहा, फ्रांसीसी अधिकारी के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया

पेरिस, एएनआइ: पहलगाम में अप्रैल 2025 में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान प्रायोजित-समर्थित आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए भारत की ओर से शुरू किए गए आपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तानी मीडिया ने ''दुष्प्रचार के तहत गलत जानकारी'' प्रकाशित की। फ्रांस की नौसेना (फ्रेंच नेवी) ने इसकी कड़ी आलोचना की है। इस्लामाबाद स्थित 'जिओ टीवी' ने 21 नवंबर को अपनी बेवसाइट पर एक लेख प्रकाशित किया था, जिसमें यह दावा किया गया था कि फ्रांसीसी नौसेना के एक कमांडर ने इस बात की पुष्टि की है कि भारत के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना ज्यादा हावी थी और भारतीय फाइटर जेट राफेल को मार गिराया गया था।

फ्रेंच नेवी, जिसे मरीन नेशनेल भी कहते हैं, ने पाकिस्तानी मीडिया के इस मनगढ़ंत दावे पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि वेबसाइट पर प्रकाशित लेख में न सिर्फ फ्रांसीसी अधिकारी के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया, बल्कि उनका गलत नाम भी छापा गया। लेख में अधिकारी का असली नाम कैप्टन इवान लौने के बजाय ''जैक्स लौने'' बताया गया। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर जारी बयान में मरीन नेशनेल ने कहा, कैप्टन लौने के नाम पर कही गई सभी बातें मनगढ़ंत थीं।''ये बातें कैप्टन लौने के नाम पर कही गईं, जिन्होंने किसी भी तरह के लेख के प्रकाशन के लिए कभी अपनी मंजूरी नहीं दी। इसमें बहुत ज्यादा गलत जानकारी और दुष्प्रचार है।''

प्रतीकात्मक

विवादित लेख में दावा किया गया था कि फ्रांसीसी नौसेना के एक कमांडर ने इंडो-पैसिफिक कान्फ्रेंस में बताया कि 6-7 मई को दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष में 140 से ज्यादा फाइटर जेट्स इस्तेमाल किए गए। इस दौरान पाकिस्तानी वायु सेना ने भारतीय वायु सेना के मुकाबले ''बहुत बेहतर'' प्रदर्शन किया। इसमें यह भी आरोप लगाया गया कि कमांडर ने इस बात की पुष्टि की कि भारतीय फाइटर जेट राफेल को मार गिराया गया था। उन्होंने इस संघर्ष के परिणाम को चीन के कथित समर्थन से भी जोड़ा। बहरहाल, फ्रेंच नेवी ने दो टूक कहा है कि इनमें से कुछ भी सच नहीं है।

परमाणु तस्करी को लेकर सीआइए के पूर्व अधिकारी ने पाकिस्तान को किया बेनकाब

- जेम्स लालर ने बताया, पक्के सबूत के साथ मुशर्रफ को कठघरे में खड़ा किया था
- न्यूक्लियर सीक्रेट्स बेचने पर अब्दुल कादिर खान पर बुरी तरह भड़के थे मुशर्रफ

वाशिंगटन, एएनआइ : आतंकवाद और ड्रग तस्करी को खुले आम संरक्षण देने वाले पाकिस्तान को अपनी काली करतूतों की वजह से एक बार फिर बेनकाब होना पड़ा है। 'पाकिस्तान के परमाणु हथियार कार्यक्रम के जनक' अब्दुल कादिर खान के वैश्विक परमाणु तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश करने वाले अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआइए के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी जेम्स लालर ने 'ठोस सबूतों' से उसकी कलई खोल दी है। एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया है कि इस मामले में एक नया मोड़ तब आया जब अमेरिकी इंटेलिजेंस ने ''पूरी तरह से पक्के सबूत'' के साथ तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ समेत पाकिस्तानी नेतृत्व को कठघरे में खड़ा किया था कि खान पाकिस्तान के न्यूक्लियर सीक्रेट्स विदेश में बेच रहे थे।

लालर ने बताया कि सीआइए के तत्कालीन निदेशक जार्ज टेनेट ने व्यक्तिगत रूप से मुशर्रफ को बताया था कि अब्दुल कादिर खान ''पाकिस्तान के न्यूक्लियर सीक्रेट्स लीबिया और शायद अन्य देशों को भी बता रहे हैं।'' इसके बाद जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई और खान को वर्षों तक हाउस अरेस्ट में रखा गया। मुशर्रफ के साथ इस बैठक के बारे में लालर ने कहा, टेनेट ने मुशर्रफ को सीधे बताया कि खान न्यूक्लियर सीक्रेट्स लीक कर रहे हैं। इस पर आग बबूला हुए मुशर्रफ ने कहा, ''मैं उस कमीने को मार डालूंगा।'' उन्होंने आगे कहा कि मुशर्रफ ने आखिरकार खान को कई वर्षों के लिए हाउस अरेस्ट में रखने का फैसला किया, जो परमाणु तस्करी नेटवर्क को नियंत्रित करने की दिशा में एक अहम कदम था।

'अमेरिकी विदेश नीति बड़ी पहेली, भारत से मजबूत रिश्ते भी जरूरी'

लालर ने कहा कि अमेरिका को भारत के साथ और भी मजबूत रिश्ते बनाने चाहिए। उन्होंने अतीत में रिश्तों में उतार-चढ़ाव के बावजूद दोनों देशों के हितों को ''एक जैसा'' बताया। अमेरिकी विदेश नीति को एक बड़ी पहेली बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें कभी पूरी तरह समझ नहीं आया कि साझा हितों एवं मूल्यों के बावजूद भारत और अमेरिका ''कभी दुश्मन क्यों नहीं रहे, लेकिन कभी सच्चे दोस्त भी नहीं रहे। मुझे लगता है कि अमेरिका को भारत के साथ और भी मजबूत रिश्ते की जरूरत है।''

'मौत के सौदागर' के पेरोल पर पाकिस्तानी जनरल व नेता भी

साक्षात्कार के दौरान लालर ने बताया कि विशेषज्ञों को खान की परमाणु तस्करी के पैमाने का एहसास होने से पहले अमेरिका ने वर्षों तक पाकिस्तान को परमाणु संपन्न बनाने में खान की भूमिका पर नजर रखी थी। हमने यह नहीं सोचा था कि खान दूसरे देशों को परमाणु सीक्रेट्स लीक करने वाले तस्कर बन जाएंगे। इसलिए मैंने अब्दुल कादिर खान को 'मौत का सौदागर' उपनाम दिया था। लालर ने यह भी बताया कि सीआइए ने इसकी पुष्टि की थी कि खान का नेटवर्क कई देशों को न्यूक्लियर सीक्रेट्स लीक कर रहा था। पाकिस्तान के शामिल होने के बारे में सवालों का जवाब देते हुए लालर ने कहा, ''खान के पेरोल पर कुछ पाकिस्तानी जनरल और नेता थे।''

रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा भव्य और बेहद फलदायी होगी : क्रेमलिन

मास्को, प्रेट्र : क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आगामी भारत यात्रा भव्य और बेहद फलदायी होगी। उशाकोव ने रूसी सरकारी टीवी को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''हम और भारतीय पक्ष इस यात्रा की सक्रियता से तैयारी कर रहे हैं। आशा करते हैं कि यह हर लिहाज से फलदायी होगी। यह बेहद भव्य होगी क्योंकि इसे राजकीय यात्रा भी कहा जाता है।''

उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत के प्रधानमंत्री और रूसी राष्ट्रपति के बीच हुए इस समझौते को अमल में लाने का अवसर प्रदान करती है कि वे द्विपक्षीय मामलों और वर्तमान अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा के लिए सालाना मिलेंगे। उनके अनुसार, यात्रा के करीब आने पर नई दिल्ली और मास्को में तारीखों की घोषणा एक साथ की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर का स्वागत करते हुए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि पुतिन की नई दिल्ली यात्रा तीन हफ्तों में होगी। यहां सूत्रों ने संकेत दिया है कि 23वां भारत-रूस शिखर सम्मेलन पांच दिसंबर को होगा।

देश-दुनिया की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ 27वें संविधान संशोधन पर प्रदर्शन

कराची, एएनआइ : पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट को कमजोर करने वाले 27वें संविधान संशोधन के खिलाफ कराची बार एसोसिएशन (केबीए) के सदस्यों ने शनिवार को सिंध हाई कोर्ट के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। हाल ही में पारित 27वें संविधान संशोधन के जरिये पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की ताकत को कम किया गया है।

डान की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय संविधान न्यायालय (एफसीसी) का गठन वाला यह विवादास्पद संशोधन पाकिस्तान की संसद में विपक्ष के कड़े विरोध के बावजूद मंजूर किया गया। कई कानूनी विशेषज्ञों ने इसे सुप्रीम कोर्ट को कमजोर करने की रणनीति बताते हुए निंदा की है और इसके दर्जे को एफसीसी को स्थानांतरित करने का प्रयास बताया है। पूर्व और वर्तमान न्यायाधीशों के साथ-साथ वकीलों ने इस संशोधन के खिलाफ असहमति व्यक्त की, विशेष रूप से कोर्ट पर इसके प्रभावों को उजागर किया। 13 नवंबर को संशोधन के लागू होने के तुरंत बाद सुप्रीम कोर्ट के दो जजों ने इसके प्रति अपनी चिंताओं का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया। ये दोनों न्यायाधीश उस समय सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश थे। वकीलों ने सिंध हाई कोर्ट के बाहर संशोधन के खिलाफ नारे लगाते हुए अपने प्रदर्शन की शुरुआत की। बाद में हाई कोर्ट के परिसर के अंदर चले गए। एक टकराव के बाद पुलिस पीछे हट गई और प्रदर्शन को जारी रखने की अनुमति दी। पुलिस कर्मियों को मामूली चोटें आईं।

आइएनएस सावित्री ने सेशेल्स में समुद्री सहयोग पर कदम बढ़ाया

- भारतीय नौसैनिक जहाज की तैनाती भारत के सुरक्षा और विकास के अनुरूप
- सेशेल्स में तैनाती हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका को मजबूत करेगी

पोर्ट विक्टोरिया (सेशेल्स), आइएएनएस: हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात भारतीय नौसेना का आफशोर पेट्रोल जहाज आइएनएस सावित्री आपरेशनल मिशन के तहत सेशेल्स के पोर्ट विक्टोरिया पहुंचा। इस जहाज का सेशेल्स कोस्ट गार्ड ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जो दोनों देशों के बीच स्थायी आपसी सम्मान और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को दर्शाता है। नौसेना ने कहा कि यह तैनाती भारत के 'सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र उन्नति क्षेत्र' (महासागर) के दृष्टिकोण के अनुरूप है और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका को एक पसंदीदा सुरक्षा साझीदार और पहले उत्तरदाता के रूप में मजबूत करती है।

नौसेना के अनुसार रविवार को आइएनएस सावित्री ने सेशेल्स कोस्ट गार्ड को आवश्यक स्पेयर पार्ट्स सौंपे, ''जो भारत की समुद्री साझेदारों की आपरेशनल तत्परता और क्षमताओं को बढ़ाने के प्रति अडिग प्रतिबद्धता को पुनः पुष्टि करता है, ताकि साझा समुद्री क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।'' अपने पोर्ट प्रवास के दौरान आइएनएस सावित्री ने कई हार्बर एंगेजमेंट्स किए, जिसमें पेशेवर आदान-प्रदान, विषय विशेषज्ञों के साथ बातचीत और सेशेल्स कोस्ट गार्ड के कर्मियों के साथ सर्वोत्तम प्रथाओं का साझा करना शामिल था। जहाज को आगंतुकों के लिए भी खोला गया, जिससे लोगों को इसकी आपरेशनल क्षमताओं और भारतीय नौसेना की समुद्री विरासत की झलक देखने को मिली। सेशेल्स कोस्ट गार्ड के कर्मियों के साथ मिलकर अब आइएनएस सावित्री एक्सक्लूसिव इकोनामिक जोन की संयुक्त निगरानी करेगा, जो समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने और द्वीप राष्ट्र के समुद्री क्षेत्रों में स्थिति की जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

सेशेल्स के पोर्ट विक्टोरिया में तैनात भारतीय नौसेना का आफशोर पेट्रोल जहाज आइएनएस सावित्री। प्रेट्र

हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बांग्लादेश ने पत्र भेजा

ढाका, प्रेट्र: बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ पीएम शेख हसीना को प्रत्यर्पित करने के लिए भारत को औपचारिक पत्र भेजा है। इसमें क्राइम ट्रिब्यूनल से हसीना को मृत्युदंड मिलने का उल्लेख करते हुए उन्हें अतिशीघ्र बांग्लादेश को सौंपने की मांग की गई है। यह जानकारी अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के प्रभारी मंत्री मुहम्मद तौहीद हुसैन ने दी है। उन्होंने पत्र के संबंध में अन्य कोई विवरण नहीं दिया है, पर पता चला है कि यह पत्र नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश के उच्चायोग के जरिये भारतीय विदेश मंत्रालय को दिया गया है। ज्ञात हो, 17 नवंबर को बांग्लादेश के क्राइम ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना और उनकी सरकार में गृह मंत्री रहे असदुज्जमां खान कमाल को मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए मौत की सजा दी थी। ट्रिब्यूनल ने दोनों की अनुपस्थिति में उन पर लगे आरोपों की सुनवाई की और उनके लिए सजा का एलान किया। पांच अगस्त, 2024 को तख्तापलट के बाद से शेख हसीना भारत में शरण लिए हुए हैं।

18 यमनी यूएन सहायताकर्मियों को हाउती कोर्ट ने सुनाई मौत की सजा

- दोषियों को सार्वजनिक स्थान पर फायरिंग स्क्वाड द्वारा मौत की सजा देने का आदेश

सना, आइएएनएस : यमन की राजधानी सना में हाउती विद्रोहियों द्वारा संचालित एक अदालत ने संयुक्त राष्ट्र मानवीय एजेंसियों में कार्यरत 18 यमनी सहायताकर्मियों को इजरायल के लिए जासूसी करने के आरोप में मौत की सजा सुनाई। फैसले में कहा गया है कि इन दोषियों को सना में एक सार्वजनिक स्थान पर फायरिंग दस्ते द्वारा मौत की सजा दी जाएगी। इस बीच, इसी अदालत ने एक महिला सहित दो अन्य लोगों को इन्हीं आरोपों में 10 साल की जेल की सजा सुनाई।

हाउती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी द्वारा कहा गया, अदालत ने दोषियों पर इजरायल, अमेरिका, ब्रिटेन और सऊदी अरब को दर्जनों हाउती नेताओं के ठिकानों, गतिविधियों और राजनीतिक, सैन्य और सुरक्षा मामलों से जुड़े रहस्यों के साथ-साथ मिसाइलों की जानकारी प्रदान करने का आरोप लगाया। दोषियों ने कई नागरिकों की भर्ती की, निगरानी कैमरे लगाए और बदले में पैसे प्राप्त किए। इसके कारण कई सैन्य, सुरक्षा और नागरिक ठिकानों पर हमले हुए, जिससे दर्जनों लोगों की मौत हुई और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा।

गौरतलब है कि इजरायल और हमास के अतिवादियों के बीच युद्ध शुरू होने के बाद हाउती विद्रोहियों ने फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाई थी। इसीलिए विद्रोहियों ने इजरायली सेना को निशाना बनाया और मिसाइल और ड्रोन से कई बार हमले किए। हालांकि इन हमलों में इजरायली सेना या आम लोगों को कोई खास नुकसान नहीं हुआ, लेकिन जवाब में इजरायल ने हाउती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले स्थलों और शहरों पर हवाई हमले कर उनका जवाब दिया है। इन हमलों में कई लोग मारे गए थे।

इजरायल ने बेरूत में हिजबुल्ला के चीफ आफ स्टाफ को बनाया निशाना

बेरूत, रायटर: इजरायल ने बेरूत में हिजबुल्ला समूह के चीफ आफ स्टाफ अली तब्तबई को निशाना बनाया। इजरायल ने यह नहीं बताया है कि तब्तबई मारे गए या नहीं। चिकित्सा सूत्रों के अनुसार, दो लोग मारे गए और दो दर्जन घायल हुए हैं। हिजबुल्ला की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा, इजरायल ने हमले के बारे में अमेरिका को पहले से सूचित नहीं किया था। एक अन्य अधिकारी ने कहा,अमेरिका को कई दिनों से पता था कि इजरायल लेबनान में हमले तेज करने योजना बना रहा है। अमेरिका ने 2016 में तब्तबई पर प्रतिबंध लगाए थे। उन्हें हिजबुल्ला का प्रमुख सैन्य नेता बताया था और उसके बारे में जानकारी देने वाले को 50 लाख डालर तक का इनाम देने की घोषणा की थी। यह हमला बेरूत के दक्षिणी उपनगरों की एक मुख्य सड़क पर हुआ, जहां निवासियों ने बताया कि उन्होंने विस्फोट से पहले युद्धक विमानों की गर्जना सुनी थी।

नाइजीरिया में 50 छात्र अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भाग निकले

अबुजा, रायटर : नाइजीरिया में कैथोलिक स्कूल से अपहृत 300 से अधिक छात्रों में से 50 अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भाग निकले। उनका शुक्रवार को अपहरण कर लिया गया था।

कैथोलिक बिशप और स्कूल के मालिक योहाना ने बताया कि 253 बच्चे और 12 कर्मचारी अब भी अपहरणकर्ताओं के चंगुल में हैं। देश के उत्तर-पश्चिम में स्थित सेंट मैरी स्कूल से शुक्रवार को बंदूकधारियों ने छात्रों और शिक्षकों का अपहरण कर लिया था। स्कूल पर हमलों की श्रृंखला में यह नवीनतम थी। इसे देखते हुए सरकार ने कई शिक्षण संस्थानों में छुट्टी दे दी है। पोप लियो ने अपहृत बच्चों और कर्मचारियों की तत्काल रिहाई की मांग की, जो अब तक दर्ज सबसे भीषण सामूहिक अपहरणों में से एक है। रोम के सेंट पीटर्स स्क्वायर में प्रार्थना सभा के अंत में पोप लियो ने कहा, ''मैं बंधकों की तत्काल रिहाई की अपील करता हूं।''

ब्रिटिश भारतीय जासूस नूर इनायत खान को फ्रांस ने डाक टिकट जारी कर दिया सम्मान

- यह सम्मान पाने वाली वह एकमात्र भारतीय मूल की महिला बन गई हैं
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश एजेंट के रूप में निभाई थी भूमिका

लंदन, प्रेट्र : टीपू सुल्तान की वंशज नूर इनायत खान के सम्मान में फ्रांस ने डाक टिकट जारी किया है। यह सम्मान पाने वाली वह एकमात्र भारतीय मूल की महिला हैं। इससे पहले ब्रिटेन ने 2014 में नूर को सम्मानित किया था। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंडर कवर ब्रिटिश एजेंट के रूप में फ्रांसीसी रेसिस्टेंस में अहम भूमिका निभाई थी।

नाजी जर्मनी के खिलाफ लड़ने वाले ''फिगर आफ रेसिस्टेंस'' के सम्मान में फ्रांसीसी डाक सेवा ला पोस्टे ने डाक टिकट जारी किया है। इस पर नूर को ब्रिटिश महिला सहायक वायु सेना (डब्ल्यूएएएफ) की वर्दी में दिखाया गया है। फ्रांसीसी रेसिस्टेंस उन समूहों का बल था, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस में नाजियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। नूर की जीवनी 'स्पाई प्रिंसेसः द लाइफ आफ नूर इनायत खान' की लेखिका श्राबनी बसु ने कहा, खुशी है कि फ्रांस ने नूर के सम्मान में डाक टिकट जारी किया। नूर ने फासीवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी जान दे दी। वह पेरिस में पली-बढ़ीं। नूर के सम्मान में ब्रिटेन और फ्रांस द्वारा डाक टिकट जारी किए गए हैं। अब समय है कि भारत भी डाक टिकट से उन्हें सम्मानित करे।

फ्रांस के डाक टिकट पर छपा नूर इनायत खान का चित्र। सौ. विकीटिब्रेस

मास्को में हुआ था जन्म : 1914 में मास्को में भारतीय सूफी संत पिता और अमेरिकी मां के घर जन्मी नूर-उन-निसा इनायत खान बचपन में ही लंदन चली गईं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस के पतन के बाद, परिवार इंग्लैंड भाग गया और नूर डब्ल्यूएएएफ में शामिल हो गईं। आठ फरवरी 1943 को उन्हें स्पेशल आपरेशंस एक्जीक्यूटिव में भर्ती किया गया। यह ब्रिटिश गुप्तचर सेवा थी जिसे युद्ध के दौरान कब्जे वाले क्षेत्रों में जासूसी, तोड़फोड़ व टोह लेने के लिए बनाया गया था। वह जून 1943 में फ्रांस में घुसपैठ करने वाली पहली महिला रेडियो आपरेटर बनीं।

13 सितंबर 1944 को दे दी गई फांसी : नाजी बलों ने उन्हें पकड़ लिया और दचाऊ यातना शिविर भेज दिया गया। यहां उन्हें 13 सितंबर 1944 को फांसी दे दी गई। वह 30 वर्ष की थी। उनकी अदम्य बहादुरी के लिए फ्रांसीसी रेजिस्टेंस पदक और सर्वोच्च नागरिक सम्मान क्राइक्स डे गुएरे से सम्मानित किया गया। 1949 में ब्रिटेन द्वारा मरणोपरांत जार्ज क्रास से भी दिया गया।

नेपाल में 56 दलों ने आम चुनाव में भाग लेने के लिए नाम दर्ज कराया

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाली कांग्रेस समेत 12 राजनीतिक दलों ने रविवार को चुनाव आयोग के साथ पंजीकरण कराया, जिससे अगले वर्ष पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव में भाग लेने के लिए पंजीकृत पार्टियों की संख्या 56 हो गई है। पार्टियों के लिए चुनाव आयोग में पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 26 नवंबर है। नेपाल में चुनाव आयोग के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई ने कहा, आगामी प्रतिनिधि सभा चुनाव में भाग लेने के उद्देश्य से चुनाव आयोग में पंजीकरण कराने वाली पार्टियों की संख्या 56 हो गई है।

प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस ने अपनी केंद्रीय समिति की बैठक में मार्च के चुनाव में भाग लेने का निर्णय लिया। पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली द्वारा नेतृत्व किए जा रहे नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने आम चुनाव में भाग लेने के लिए चुनाव आयोग के साथ अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है।

वियतनाम में बाढ़ से 90 लोगों की मौत

वियतनाम में भयावह बाढ़ के चलते तटीय प्रांत खान्ह होआ के जलमग्न न्हा त्रांग में फंसे लोगों को बचाने में जुटे बचाव दल के सदस्य। एएफपी

हनोई, एएनआइ : वियतनाम में बाढ़ ने कहर मचा रखी है। इससे मरने वालों की संख्या 90 हो गई है। हजारों घर जलमग्न हो गए हैं। अक्टूबर के अंत से वियतनाम के मध्य और मध्य हाइलैंड्स क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश और बाढ़ ने भारी नुकसान पहुंचाया है। पर्यावरण मंत्रालय ने बताया कि 12 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, रविवार को बाढ़ या भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों पर कई जगह यातायात बाधित रहा। वहीं, कुछ हिस्सों में रेलवे परिचालन अब भी बाधित है। बिजली कटौती के कारण भी लोग परेशान हैं। मौसम विज्ञानियों ने 25 नवंबर तक ह्यू, डा नांग और पूर्वी क्वांग न्गाई प्रांत में 60 से 120 मिमी और कुछ क्षेत्रों में 250 मिमी से भी अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। पर्यावरण मंत्रालय ने पांच प्रांतों में 34.3 करोड़ डालर के आर्थिक नुकसान की आशंका जाहिर की है। अधिकारियों को आशंका है कि यह आंकड़ा और बढ़ेगा।

****

पुछल्ले बल्लेबाजों ने बढ़ाई भारत की मुश्किल

दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में बनाए 489 रन मुथुसामी ने जड़ा टेस्ट करियर का पहला शतक, जेनसेन का अर्धशतक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में रविवार को भारतीय स्पिनरों के 'फ्लाप' शो ने दक्षिण अफ्रीका के पुछल्ले बल्लेबाजों को चमकने का अवसर दिया, जहां सेनुरन मुथुसामी (109) और मार्को जेनसेन (93) की बेहतरीन पारियों ने विश्व चैंपियन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 489 रन के स्कोर तक पहुंचा दिया। भारत ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना नुकसान के नौ रन बना लिए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम ने भारत के लिए सबसे अधिक परेशानी खड़ी की। मुथुसामी ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ा, जबकि जेनसेन ने भारतीय स्पिनरों पर खुलकर प्रहार करते हुए 93 रन ठोके। इसमें सात छक्के शामिल रहे। उनके सात छक्के भारत में किसी विदेशी बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक हैं। जेनसेन ने विवियन रिचर्ड्स और मैथ्यू हेडन (6-6 छक्के) का रिकार्ड तोड़ा। दक्षिण अफ्रीका के अंतिम चार बल्लेबाजों ने मिलकर 243 रन जोड़े। मुथुसामी और काइल वर्नेन (45) ने 88 रन की साझेदारी की। इसके बाद मुथुसामी और जेनसेन ने आठवें विकेट के लिए 97 रन जोड़े, जिसने भारत की पकड़ से मैच को दूर कर दिया। दक्षिण अफ्रीकी पारी 151.1 ओवर चली और भारतीय गेंदबाजों की थकान इस बात से झलकती थी कि इतिहास में पहली बार सभी पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों को 25 या उससे अधिक ओवर डालने पड़े।

नहीं नजर आया प्लान बी: कुलदीप यादव (4/115) ने पहले दिन की तुलना में अपनी गति बढ़ा दी, जिससे उन्हें हवा में मिलने वाली ड्रिफ्ट कम हो गई। इसका पूरा फायदा मुथुसामी, वर्नेन और जेनसन ने उठाया, जिन्होंने कुलदीप को हाथ से पढ़कर सहजता से खेला। बरसापारा स्टेडियम की पिच ने भी गेंदबाजों का साथ नहीं दिया, क्योंकि दूसरे दिन पिच बिल्कुल सपाट रही। कप्तान रिषभ पंत के पास भी कोई 'प्लान बी' नजर नहीं आया। भारत के दोनों फिंगर स्पिनर रवींद्र जडेजा (2/94) और वाशिंगटन सुंदर (0/58) का प्रदर्शन उम्मीद से काफी नीचे रहा। पिच पर न तो टर्न मिली, न उछाल। दोनों ही बल्लेबाजों को असहज करने में नाकाम रहे। दोनों लगातार तेज गति से गेंद डालते रहे, जो सफेद गेंद वाले क्रिकेट में तो चल जाता है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में विकेट नहीं दिला सकता। जसप्रीत बुमराह एकमात्र भारतीय गेंदबाज रहे जिन्होंने बीच-बीच में खतरा पैदा किया। दूसरी सत्र में उन्होंने थोड़ी रिवर्स स्विंग भी हासिल की, लेकिन जडेजा और सुंदर का दबाव न बना पाने की वजह से बुमराह भी लंबे समय तक प्रभाव नहीं डाल पाए। जेनसेन ने फ्रंटफुट पर आकर जडेजा और कुलदीप को कई बार लांग आन के ऊपर से छक्कों के लिए भेजा और भारतीय इकाई का मनोबल कमजोर कर दिया।

भारत की उम्मीदें अब बल्लेबाजों पर: भारतीय टीम अब उम्मीद करेगी कि उसके बल्लेबाज अनुकूल परिस्थितियों का अधिकतम लाभ उठाते हुए मुकाबले में वापसी करें। आखिरी बार किसी विदेशी टीम के 450+ रन बनाने के बाद भारत ने 2016 में टेस्ट मैच जीता था। चेन्नई में खेले गए इस मैच में करुण नायर ने तिहरा शतक जड़ा था और जडेजा ने दूसरी पारी में सात विकेट लिए थे। गुवाहाटी की लाल मिट्टी वाली पिचें दो दिन तक मजबूत रहती हैं पर तीसरे-चौथे दिन तेजी से टूटती हैं। ऐसे में टीम चाहेगी कि रवींद्र जडेजा उस पुराने जादू को फिर से दोहराएं।

सड़क की तरह सपाट है गुवाहाटी की पिच: कुलदीप

स्पिनर कुलदीप यादव ने मेहमान टीम के निचले क्रम को जल्दी आउट करने में नाकाम रहे गेंदबाजों का बचाव करते हुए बरसापारा स्टेडियम की पिच की तुलना 'सड़क' से की। कुलदीप से जब ईडन गार्डेंस की पिच से तुलना का सवाल पूछा गया तो उन्होंने व्यंग्य भरे लहजे में कहा कि कोलकाता का विकेट तो अलग था। यह तो सड़क की तरह सपाट है। इसलिए यह चुनौतीपूर्ण है और इसीलिए इसे टेस्ट मैच कहा जाता है। कुलदीप ने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने के लिए जुझारूपन दिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह हमेशा दबदबे की बात नहीं होती, बल्कि यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि आप एक अच्छी बल्लेबाजी पिच पर कैसे वापसी करते हैं। यह गेंदबाजों के लिए एक मुश्किल विकेट था।

« सेनुरन मुथुसामी • प्रेट्र

« मार्को जेनसेन • एएफपी

7 छक्के जेनसेन ने जड़े, जो भारत के विरुद्ध टेस्ट पारी में संयुक्त सर्वाधिक हैं। इससे पहले 2006 में लाहौर में शाहीद अफरीदी ने इतने ही छक्के लगाए थे

9 वें नंबर पर टेस्ट पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में जेनसेन दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे पहले टिम साउथी ने 2008 में इंग्लैंड के विरुद्ध अपने पदार्पण टेस्ट में इस नंबर पर नौ छक्के लगाए थे

3 बार जसप्रीत बुमराह ने एक टेस्ट पारी में 30 ओवर से ज्यादा गेंदबाजी की। बुमराह ने 32 ओवर फेंके, इससे पहले उन्होंने 2021 में इंग्लैंड के विरुद्ध चेन्नई में 36 और 2025 में ओल्ड ट्रेफर्ड में 33 ओवर डाले थे

2017 के बाद भारत ने तीसरी बार 150 ओवर तक फील्डिंग की। इससे पहले इंग्लैंड के विरुद्ध 2021 में चेन्नई में उसने 190.1 ओवर और 2023 में अहमदाबाद में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध 167.2 ओवर फील्डिंग की थी

एक पारी में द. अफ्रीका के लिए सर्वाधिक छक्के

7	एबी डिविलियर्स	आस्ट्रेलिय	केपटाउन	2009
7	क्विंटन डिकाक	वेस्टइंडीज	ग्रास आइलेट	2021
7	मार्को जेनसेन	भारत	गुवाहाटी	2025

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी: 489 (151.1 ओवर), 247/6 से आगे

	रन	गेंद	4/6
मुथुसामी का. यशस्वी बो. सिराज	109	206	10/2
वर्नेन स्टंप पंत बो. जडेजा	45	122	5/0
जेनसेन बो. कुलदीप	93	91	6/7
हार्मर बो. बुमराह	5	17	0/0
महाराज अविजित	12	31	1/0

अतिरिक्त: 21 (बा: 8, लेबा: 8, वा: 1, नोबा: 4)

विकेटपतन: 7-334 (वर्नेन, 120.3), 8-431 (मुथुसामी, 138.1), 9-462 (हार्मर, 143.1)

गेंदबाजी: बुमराह 32-10-75-2, सिराज 30-5-106-2, नीतीश 6-0-25-0, वाशिंगटन 26-5-58-0, कुलदीप 29.1-4-115-4, जडेजा 28-2-94-2

भारत पहली पारी: 9/0 (6.1 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
यशस्वी अविजित	7	23	1/0
राहुल अविजित	2	14	0/0

गेंदबाजी: जेनसेन 3.1-1-9-0, मुल्डर 3-3-0-0

राहुल बने वनडे के कप्तान पंत और जडेजा की वापसी

नई दिल्ली, प्रेट्र: दिग्गज बल्लेबाज केएल राहुल को रविवार को दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया, जबकि अनुभवी आलराउंडर रवींद्र जडेजा लगभग आठ महीने बाद वनडे टीम में लौट आए हैं। मुंबई में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। नियमित कप्तान शुभमन गिल कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए, जिसके बाद राहुल को टीम की कमान सौंपी गई है। राहुल की कप्तानी फिलहाल केवल इस सीरीज के लिए रखी गई है।

बीसीसीआइ के एक सूत्र ने बताया कि राहुल की कप्तानी केवल एक बार की है और इसे इसी तरह देखा जाना चाहिए। पंत को इस भूमिका के लिए इसलिए नहीं चुना गया, क्योंकि पिछले एक साल में उन्होंने सिर्फ एक ही वनडे खेला है। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि गिल की गर्दन की चोट जल्द ठीक हो जाएगी और वह न्यूजीलैंड के विरुद्ध जनवरी 2026 में होने वाली वनडे सीरीज में वापसी करेंगे। जडेजा की आखिरी वनडे उपस्थिति इस साल मार्च में दुबई में न्यूजीलैंड के विरुद्ध चैंपियंस ट्राफी फाइनल में थी। रुतुराज गायकवाड़ ने चयनकर्ताओं का ध्यान दक्षिण अफ्रीका-ए के विरुद्ध राजकोट में हुई अनाधिकारिक वनडे सीरीज में अपने प्रदर्शन से आकर्षित किया। उन्होंने तीन मैचों में 117, नाबाद 68 और 25 रन बनाए।

बुमराह, सिराज और अक्षर को आराम: अक्षर आस्ट्रेलिया के हालिया सफेद गेंद दौरे का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें इस वनडे सीरीज के लिए आराम दिया गया है। बुमराह आस्ट्रेलिया के विरुद्ध पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेले थे और एशिया कप व वेस्टइंडीज के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में भी हिस्सा लिया था। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी आराम दिया गया है।

केएल राहुल

टीम: केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरैल।

वनडे सीरीज का कार्यक्रम

तिथि	मैच	जगह
30 नवंबर	पहला वनडे	रांची
3 दिसंबर	दूसरा वनडे	रायपुर
6 दिसंबर	तीसरा वनडे	विशाखापत्तनम

दृष्टिबाधित महिला टीम बनी विश्व विजेता

दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व कप फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली, जेएनएन: भारत ने दृष्टिबाधित टी-20 महिला विश्व कप फाइनल में रविवार को कोलंबो के पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को सात विकेट से हराकर ट्राफी जीती। दृष्टिबाधित महिला विश्व कप का यह पहला आयोजन है।

भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया और फिर महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन अविजित 44 रनों की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रहीं। भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सहमेजबान श्रीलंका शुरुआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच ही जीत सका। पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली (600 रन) छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रहीं।

फाइनल मुकाबले में जीत के बाद तिरंगे के साथ भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम की सदस्य • एएफपी

लक्ष्य बने आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन

इस सत्र में विश्व टूर खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने

अल्मोड़ा के लक्ष्य ने अंतिम बार 2024 में कनाडा ओपन जीता था। 2024 के सैयद मोदी सुपर 300 खिताब के बाद से उनके खाते में कोई बड़ा खिताब नहीं जुड़ा था। हांगकांग सुपर 500 (2025) में वह उपविजेता रहे थे, लेकिन खिताब उनसे दूर रह गया था। इस जीत के साथ लक्ष्य 2025 सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने हैं। इससे पहले आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 में खिताब जीता था। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की जोड़ी और किदांबी श्रीकांत भी इस साल विभिन्न प्रतियोगिताओं के फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन खिताब नहीं जीत सके थे।

सिडनी, प्रेट्र: भारत के बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने रविवार को अपने करियर की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए आस्ट्रेलियन ओपन 2025 का खिताब जीता। पुरुष सिंगल्स के फाइनल में 24 वर्षीय लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को पूरी तरह दबदबे वाले अंदाज में 21-15, 21-11 से हराया। यह मुकाबला महज 38 मिनट चला, जिसमें भारतीय शटलर ने शुरुआत से अंत तक नियंत्रण बनाए रखा।

पेरिस ओलिंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद लक्ष्य की फार्म लगातार उतार-चढ़ाव से गुजर रही थी। इस सत्र की शुरुआत में चोटों ने भी उन्हें मुश्किल स्थिति में डाल दिया था, लेकिन आस्ट्रेलियन ओपन के इस प्रतिष्ठित सुपर 500 इवेंट में उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए अपना पहले खिताब का इंतजार खत्म किया। जीत के बाद लक्ष्य ने कहा, सीजन में कई उतार-चढ़ाव आए, शुरुआत में चोटें भी रहीं, लेकिन मेहनत जारी रखी। खुशी है कि इसे एक अच्छे नोट पर खत्म कर रहा हूं।

आसान नहीं था जापान के तनाका का मुकाबला: दुनिया के नंबर 26 तनाका इस साल आरलियन्स मास्टर्स और यूएस ओपन सुपर 300 खिताब जीत चुके थे। तेज गति वाले उनके खेल और स्मैशिंग पावर के बावजूद लक्ष्य ने बेहतरीन नियंत्रण, तेज नेट गेम और धारदार प्लेसमेंट के दम पर जापानी खिलाड़ी को खुलकर खेलने का मौका ही नहीं दिया। पहले गेम में लक्ष्य ने 6-3 की बढ़त तेजी से बनाई। तनाका बार-बार नेट में फंसकर और शाट लंबा मारकर अंक गंवाते रहे। बीच में तनाका ने कुछ शानदार क्रास कोर्ट स्मैश लगाकर अंतर कम करने की कोशिश की, लेकिन लक्ष्य 11-8 की बढ़त के साथ ब्रेक पर गए और फिर 21-15 से गेम अपने नाम किया।

दूसरा गेम पूरी तरह एकतरफा: दूसरा गेम पूरी तरह लक्ष्य सेन के नाम रहा। तनाका की गलतियां बढ़ती गईं और लक्ष्य ने अपनी गति, सटीकता और आक्रामकता में कोई कमी नहीं रखी। 8-4 की बढ़त के बाद लक्ष्य ने शानदार बैकलाइन जजमेंट, नेट पर दबदबा और शक्तिशाली स्मैश के दम पर स्कोर 17-8 तक पहुंचा दिया। कुछ देर बाद उन्होंने 19-8 की बढ़त बना ली और आखिरकार 20-10 पर मैच प्वाइंट हासिल किया। एक अवसर गंवाने के बाद लक्ष्य ने तेज क्रास कोर्ट रिटर्न के साथ मुकाबला और खिताब अपने नाम कर लिया।

ट्राफी के साथ लक्ष्य सेन • एएफपी

खेल डायरी

देवंदा ने जीती 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत के अमर सिंह देवंदा ने बैंकाक में आयोजित एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में छह घंटे 59 मिनट और 37 सेकेंड का राष्ट्रीय रिकार्ड समय निकालकर जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता का आयोजन इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ अल्ट्रारनर्स ने किया था। अमर इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 11 सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा हैं। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने रविवार को एक्स पोस्ट में कहा, अमर सिंह देवंदा ने भारत के लिए इतिहास रच दिया। उन्होंने 6:59:37 के राष्ट्रीय रिकार्ड समय के साथ एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप जीत ली।

सैयद मोदी बैडमिंटन चैंपियनशिप कल से

लखनऊ, प्रेट्र: पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत, ओलिंपियन नोजोमी ओकुहारा और एचएस प्रणय जैसे शीर्ष खिलाड़ी मंगलवार से शुरू हो रही सैयद मोदी इंडिया अंतरराष्ट्रीय एचएसबीसी विश्व टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए तैयार है। मौजूदा महिला डबल्स चैंपियन त्रीसा जाली और गायत्री गोपीचंद भी इस चैंपियनशिप में वापसी करेंगी। प्रतियोगिता में भारत के 152 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा दल भाग ले रहा है। उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष डा. नवनीत सहगल ने रविवार को घोषणा की कि कुल 240,000 डालर (करीब दो करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

स्पेन और इटली के बीच खिताबी जंग

बोलोग्ना, एएनआइ: स्पेन ने जर्मनी को 2-1 से हराकर डेविस कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की, जहां उसका मुकाबला मेजबान और मौजूदा चैंपियन इटली से होगा। छह बार की डेविस कप चैंपियन स्पेन ने जर्मनी को हराकर रविवार को होने वाले फाइनल में प्रवेश किया। डबल्स में मार्सेल ग्रानोयेर्स और पेद्रो मार्टिनेज ने केविन क्राविएट्ज और टीम पुट्ज को 6-2, 3-6, 6-3 से हराकर स्पेन के लिए फाइनल का टिकट पक्का किया। डेविड फेरर के नेतृत्व में खेल रही स्पेन की टीम ने शानदार शुरुआत की। सिंगल्स मुकाबले में पाब्लो करेनो बुस्ता ने जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 7-6(6) से हराकर स्पेन को बढ़त दिलाई। जर्मनी ने जबरदस्त वापसी करते हुए विश्व नंबर तीन अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जाउमे मुनार को 7-6(2), 7-6(5) से हराकर मुकाबला बराबर कर दिया।

स्मृति-पलाश की शादी टली

सांगली, प्रेट्र: भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना और संगीतकार पलाश मुच्छल की शादी अनिश्चितकाल के लिए टल गई है। स्मृति और पलाश की शादी रविवार को होनी थी, लेकिन सुबह क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास मंधाना की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

क्रिकेटर के मैनेजर ने बताया कि स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना सुबह नाश्ता कर रहे थे, तभी उनकी तबीयत खराब होने लगी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। स्मृति के पारिवारिक चिकित्सक डा. नमन शाह ने बताया कि उनकी स्थिति पर मेडिकल टीम लगातार नजर रख रही है। दोपहर करीब 1:30 बजे श्रीनिवास मंधाना को बाईं ओर सीने में दर्द हुआ। ईसीजी और अन्य रिपोर्ट में पाया गया कि कार्डियक एंजाइम बढ़े हुए हैं। ब्लड प्रेशर भी बढ़ा हुआ है, जिसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है। पूरी टीम लगातार निगरानी कर रही है।

पलाश और स्मृति मंधाना • प्रेट्र

फाइनल में भिड़ेंगे सिंडारोव-वेई यी

पणजी, प्रेट्र: उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंडारोव और चीन के ग्रैंडमास्टर वेई यी ने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर शतरंज विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। दोनों ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में स्थान भी पक्के कर लिए हैं। दोनों सेमीफाइनल के क्लासिकल मुकाबले ड्रा पर समाप्त हुए थे। सिंडारोव ने पहले रैपिड गेम में ब्लैक मोहरों से नोडिर्बेक याकूबोएव को मात देकर बढ़त बना ली। दूसरे सेमीफाइनल में वेई यी ने रैपिड प्रारूप में सफेद मोहरों से 57 चालों में ग्रैंडमास्टर आंद्रेई एसिपेंको को मात दी।

जेएससीए स्टेडियम में दिखेगा ब्लू जर्सी का इतिहास

संजीव रंजन • जागरण

रांची: भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 30 नवंबर को रांची के जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले वनडे मैच के लिए जब भारतीय टीम अपने ड्रेसिंग रूम में प्रवेश करेगी तो वहां का नजारा उन्हें बदला हुआ नजर आएगा।

जेएससीए स्टेडियम की ओर से भारतीय टीम को सरप्राइज दिया जाएगा। ड्रेसिंग रूम स्थित डाइनिंग स्पेस भी भारतीय खिलाड़ियों को अपने इतिहास की जानकारी देकर उन्हें खास अहसास कराएगा। भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम की दीवारों पर ब्लू जर्सी का पूरा इतिहास प्रदर्शन किया गया है, जिसमें विभिन्न दौर की जर्सियों का प्रदर्शन किया गया है। वहीं, डाइनिंग रूम में भारत की विश्व कप में हुई जीतों के सफर को आकर्षक ढंग से दर्शाया गया है। एक साधारण टीम से विश्व चैंपियन बनने तक के सफर में जर्सी के बदलते स्वरूप को दिखाया गया है। वहीं, डाइनिंग स्पेस में वनडे विश्व कप में खिलाड़ियों की उपलब्धियां से संबंधित तस्वीरों को लगाया गया है। दक्षिण अफ्रीका टीम के ड्रेसिंग रूम में भी उनकी जर्सी का विकास क्रम दिखाया गया है, जबकि डाइनिंग रूम में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप से जुड़ी उपलब्धियों को जगह दी गई है।

जेएससीए स्टेडियम में लगाई गईं खिलाड़ियों की जर्सी • जागरण

बार्सिलोना ने बड़ी जीत से मनाया कैंप नोऊ में वापसी का जश्न

फुटबाल डायरी

बार्सिलोना, एपी: बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा में एथलेटिक बिलबाओ पर 4-0 की शानदार जीत दर्ज करके अपने घरेलू स्टेडियम में कैंप नोऊ पर वापसी का जश्न मनाया। यूरोप के सबसे बड़े फुटबाल स्टेडियम कैंप नोऊ को नए सिरे से तैयार किया गया है। उसे पिछले दो साल से भी अधिक समय तक बंद रखा गया था और अब लगभग आधी क्षमता पर फिर से खोला गया है। इस स्टेडियम में लंबे समय बाद होने वाले इस मैच को देखने के लिए लगभग 45,000 प्रशंसक मौजूद थे।

पोलिश स्ट्राइकर राबर्ट लेवांदोवस्की ने मैच शुरू होने के चार मिनट के भीतर ही गोल कर प्रशंसकों को झूमने का मौका दिया। फेरान टोरेस ने लामिने यमाल के शानदार पास से दो गोल किए और फर्मिन लोपेज ने कैंप नोऊ में अपने पहले मैच में गोल दागा। जीत के बाद लेवांदोवस्की ने कहा, हमने शुरुआत से ही अच्छा खेल दिखाया और तीन अंक हासिल किए, लेकिन सबसे अहम बात कैंप नोऊ में वापसी है। यहां खेलने का मजा ही कुछ और है।

शीर्ष चार में पहुंचा विला

लीड्स, रायटर: स्ट्राइकर मार्गन रोजर्स के दो गोलों की मदद से एस्टन विला ने लीड्स यूनाइटेड को 2-1 से हराया और प्रीमियर लीग के शीर्ष चार में जगह बनाई। रोजर्स ने दूसरे हाफ में तीन मिनट में बराबरी का गोल किया और फिर 75वें मिनट में फ्री किक पर गोल किया।

बायर्न म्यूनिख की वापसी

बर्लिन: फ्राइबर्ग के विरुद्ध पिछड़ने के बाद बायर्न म्यूनिख ने 17 वर्षीय लेनार्ट कार्ल के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 6-2 से जीत दर्ज की। कार्ल ने एक गोल, एक असिस्ट और कई प्रभावशाली मूव्स से टीम की वापसी की शुरुआत हुई। माइकल ओलिसे ने दो गोल किए।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

फेरान टोरेस और लामिने यमाल • एएफपी

तारिक की हैटट्रिक से जीता पाक

टी-20 में हैटट्रिक लेने वाले पाकिस्तान के चौथे गेंदबाज बने उस्मान तारिक, जिंबाब्वे को 69 रन से दी शिकस्त

नई दिल्ली, जेएनएन: रावलपिंडी में रविवार को खेले गए त्रिकोणीय टी-20 सीरीज में उस्मान तारिक की शानदार हैटट्रिक की बदौलत पाकिस्तान ने जिंबाब्वे को 69 रन से शिकस्त दी। तारिक पाकिस्तान के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में हैटट्रिक लेने वाले चौथे गेंदबाज बने। इससे पहले पाक के लिए यह उपलब्धि मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हसनेन और फहीम अशरफ हासिल कर चुके हैं।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 195 रन बनाए। इसमें बाबर आजम ने सर्वाधिक 74 और साहिबजादा फरहान ने 63 रन बनाए। जवाब में जिंबाब्वे की टीम 19 ओवर में ही सभी विकेट खोकर 126 रन बना सकी। रयान बुल (67) और सिकंदर रजा (23) के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका। उस्मान तारिक ने 10 वें ओवर की दूसरी गेंद पर पर टोनी मुनयोंगा तीसरी गेंद पर तशिंगा मुसेकिवा और चौथी गेंद पर वेलिंगटन मसाकाद्जा को अपना शिकार बनाकर हैटट्रिक पूरी की।

इसके बाद उन्होंने टिनोटेंडा मापोसा को भी आउट कर मैच में कुल चार विकेट लिए। तारिक के अलावा मोहम्मद नवाज ने भी दो और नसीम शाह, मोहम्मद वसीम जूनियर व फहीम अशरफ ने एक-एक विकेट लिया।

संवाद

आवश्यक है इतिहास का शुद्धीकरण

दैनिक जागरण कृति सम्मान

इतिहास लेखक डा. ओमेंद्र रत्नू को उनकी पुस्तक 'महाराणा : सहस्र वर्षों का धर्मयुद्ध' के लिए इस वर्ष के 'दैनिक जागरण कृति सम्मान – हिंदी बेस्टसेलर (कथेतर श्रेणी)' से सम्मानित किया गया। उनसे धर्मेंद्र यादव की बातचीत के मुख्य अंश :

डा. ओमेंद्र रत्नू ईएनटी (नाक, कान व गला) सर्जरी के साथ-साथ इतिहास की 'सर्जरी' भी बखूबी जानते हैं। उनकी पुस्तक 'महाराणा: सहस्र वर्षों का धर्मयुद्ध' की एक लाख से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं। पाकिस्तान के अल्पसंख्यक हिंदुओं की पीड़ा पर लघु पुस्तक 'द हिंदूज आफ पाकिस्तानः ए जेनोसाइड फारगाटन' भी चर्चा में है। उनसे बातचीतः

● पाकिस्तानी हिंदुओं के बारे में लिखी पुस्तक का सारांश क्या है, इस पर थोड़ा प्रकाश डालिए ?

पाक हिंदुओं की स्थिति और पीड़ा पर 80 पेज की बुकलेट लिखी है, दो माह के भीतर इसका विस्तारित संस्करण भी आ रहा है। उसमें बताया जाएगा कि हिंदुओं के साथ कैसे छल किया गया। यह सच्चाई है कि [illegible] 1947 में नहीं मिली थी, [illegible] 26 मई, 2014 को जिस दिन [illegible] स्वतंत्रता दिवस है।

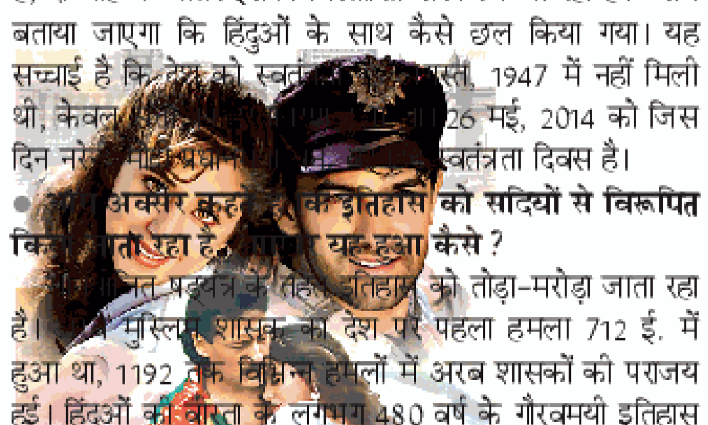

● [illegible] इतिहास को सदियों से विरूपित किया गया है [illegible] कैसे?

[illegible] तोड़ा-मरोड़ा जाता रहा है। [illegible] मुस्लिम शासकों ने देश पर पहला हमला 712 ई. में हुआ था, 1192 [illegible] अरब शासकों की पराजय हुई। हिंदुओं की [illegible] 480 वर्ष के गौरवमयी इतिहास को [illegible] राजपूत शासकों के [illegible] जो काम इस्लामिक विस्तारवादी तलवार से नहीं कर सके, वह कलम से किया गया।

● आप दावा करते हैं कि हल्दी घाटी की लड़ाई में महाराणा प्रताप की जीत हुई थी, जबकि कई इतिहासकार उनकी हार बताते हैं। आपका दावा इतिहास सम्मत कैसे है ?

उनकी हार की बात झूठ है। इस झूठ के तीन प्रमाण हैं। पहला, यदि 16 जून, 1576 को महाराणा प्रताप युद्ध हार गए थे तो फिर रेवेन्यू रिकार्ड के ताम्रपत्र पर सितंबर, 1576 में महाराणा प्रताप द्वारा उन्द्री व मोही जागीर देने की बात क्यों लिखी गई। जीता हुआ शासक ही जागीरें बांट सकता है। दूसरा, अगर अकबर की युद्ध में जीत होती तो सेनापति मानसिंह को पदावनत क्यों किया गया? इतिहास में दर्ज है कि युद्ध के बाद अकबर ने मानसिंह से एक साल तक बात नहीं की। तीसरा, यदि जून, 1576 में महाराणा प्रताप युद्ध हार गए थे तो अकबर को जनवरी, 1577 में फिर मेवाड़ पर हमला करने की क्यों आवश्यकता हुई।

● इतिहास शुद्धीकरण अभियान का क्या तात्पर्य है ?

गलत जानकारी हटाकर अब इतिहास को तर्कसम्मत, शोध व तथ्य आधारित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस शुद्धीकरण अभियान की शुरुआत इतिहासकार महर्षि सीताराम गोयल ने की। इस अभियान से मीनाक्षी जैन, आभाष मलधियार, विक्रम संपत जैसे नामचीन इतिहासकार जुड़े हैं।

कहानी

उर्मिला शिरीष
भोपाल, मध्यप्रदेश

जब बेटी घर से विदा होती है, तो मां को लगता है कि दिल का एक टुकड़ा उससे अलग हो रहा है। मां-बेटी के संबंधों पर भावपूर्ण कहानी...

विदा होती बेटियों की मां

कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। कपड़ों का ढेर, कई जोड़ी जूते, चप्पल, दवाएं, कास्मेटिक्स और भी न जाने क्या-क्या? 'इतना सामान! क्यों लेकर जाती हो? क्या ये चीजें वहां नहीं मिलती हैं!'

'सुनते हैं, ये चीजें वहां बहुत महंगी मिलती हैं।' मां बार-बार कमरे में आकर झांकतीं और दरवाजा बंद कर देतीं। इस फैले-पसरे सामान ने उन्हें उदास और दुखी कर दिया था। दूसरे दिन वे देखतीं कपड़ों को प्लास्टिक के बैग्स में भरकर रख दिया गया। यानी पैकिंग शुरू हो गई है। अब मात्र आठ दिन शेष रह गए हैं। उन्होंने दो-तीन बार अंगुलियों पर दिन और तारीखें गिनीं। मां के हृदय में हुलक-सी उठी और आंखों में आंसू बनकर उमड़ पड़ी। मन को तसल्ली दी- अगले साल फिर आ जाएगी। वह साल भर के लिए ही तो जा रही थी।

वे रात में निश्चिंत होकर सो जातीं। सुबह उठकर नहा-धोकर पूजा में बैठ जातीं और नीलिमा घूमने के लिए निकल जाती। घूमने के पहले नीलिमा के लिए दूध की चाय बनाती। मखाने भूनतीं। ट्रे में पानी और चाय का गिलास, कटोरी में मखाने लाकर रखकर देतीं।

'अब जब तुम्हें हमारी चाय बनानी आ गई है, तब तुम जा रही हो!' इस वाक्य के पीछे मां का दर्द छलक पड़ता। नीलिमा का ध्यान हटाने के लिए पूछती, "चाय कैसी बनी है?'

लौटकर आती तो देखती मां फोन पर बात कर रही हैं। नीलिमा समाचार सुनने बैठ जाती। रसोई में नाश्ते की तैयारी शुरू हो जाती। नाश्ते में ताजा औषधीय गुणों से भरपूर पौष्टिक नाश्ता ही बनता था। जब तक नीलिमा नहा नहीं लेती, मां उन्हें तैरती हुई नजरों से देखती रहतीं कि जाओ और नहा लो, यानी मां का जोर शुद्धता पर रहता। शरीर शुद्ध, मन शुद्ध, खानपान शुद्ध, कपड़े शुद्ध। पूरा वातावरण शुद्ध। शुरू-शुरू में नीलिमा को गुस्सा भी आ जाता था। पर मां कहतीं- 'जिस सड़क पर तुम घूमने जाती हो, वहां गाड़ी से दबे-कुचले-मरे कुत्ते-बिल्ली पड़े रहते। लोग घर में चूहों को मारने के लिए, चूहामार दवा खिला देते और वे आक्सीजन की तलाश में बाहर भागते और वहीं तड़प-तड़पकर मर जाते। घर का कचरा तो सड़क पर फेंकना आम बात है। वह सारी गंदगी तुम्हारे जूतों में, कपड़ों में चिपक जाती होगी। वही पांव तुम घर में, सोफों या बिस्तर पर लेकर बैठ जाती हो। उसी बिस्तर पर हम सोते हैं।' मां का विश्लेषण सुनकर नीलिमा चकित रह जाती। आते ही चेहरा धोना क्यों जरूरी है- 'धूल और धुआं, जिसमें प्लास्टिक की राख मिली रहती है, वह तुम्हारे चेहरे पर चिपक जाती है।' मां की इस वैज्ञानिक दृष्टि और पर्यावरण-प्रदूषण को लेकर होने वाली चिंता से नीलिमा स्वयं को नासमझ मानने लगी थी।

मां को कोई घरेलू महिला मात्र नहीं कह सकता था, क्योंकि वे आधुनिक समाज की कुरूपताओं पर चर्चा करती थीं। प्रकृति संरक्षण की चिंता करतीं, अपने हरे-भरे, फूलों से भरे, खुशबू में डूबे बचपन में लौट जाती थीं। वहां हजारों किस्से होते थे। वे किस्से, जो उनकी सखी-सहेलियों की कहानियों से भरे होते। वे किस्से, जो बड़े परिवार के बचे रहने की आधार भूमि थे। लेकिन आज उसी बड़े परिवार के छोटे रूप में सिमटने के कारणों से मां अक्सर उदास और दुखी हो जाती थीं।

'क्या हुआ मां?' नीलिमा ने पूछा।

'ये बैग कल चले जाएंगे और वो बाक्स भी चला जाएगा।'

'हां मां, सामान तो ले जाना पड़ता है।'

'कमरा खाली हो जाएगा।'

दूसरे दिन नीलिमा को खाली कमरा खाने को दौड़ रहा था। इतना खालीपन! जब चीजों के जाने पर इतना खालीपन और सन्नाटा हो सकता है तो इंसान के जाने पर कितना खालीपन लगता होगा। हम सब बार-बार आकर यूं ही सन्नाटे में छोड़कर चले जाते हैं। वही खालीपन बेशब्द मां के अंदर फैलता जा रहा था। नीलिमा समझ गई कि मां अपने आंसू छिपा रही हैं।

मां सोती हैं, तब नीलिमा रात में दो बार उन्हें देख आती थी। नींद न आने पर उनके बालों में तेल लगाती। कभी पीठ पर मालिश कर देती। पांव की नसें खिंचने पर पांव पकड़कर तब तक बैठी रहती, जब तक कि नसें उतर न जातीं। मां रात को भी टीवी लगा देतीं। मां को नेताओं, धर्मगुरुओं, कथावाचकों के नाम याद थे। मां राजनीतिक पार्टियों के बारे में जानती थी। एक दिन नीलिमा ने उन्हें किताब-कापी पकड़ा दी, 'पढ़ा-लिखा करो!' मां हंस दीं और अक्सर मां लोकसभा और विधानसभा चुनाव को लेकर प्रश्न करतीं। तब नीलिमा ने दोनों चुनावों के बारे में कापी पर सारा गुणा-भाग करके दोनों चुनावों का अंतर समझा दिया था। कई बार नीलिमा अपने दोस्तों से मां को मिलवाती। वे मां के व्यक्तित्व से अभिभूत हो जाते। बिना खिलाए-पिलाए, परिवार के बारे में पूछे बिना मां उनको जाने न देतीं। वही मां आज चुप हैं। बेचैन।

'मां, रात में किसी को सुला लेना। ...या भाई के पास चली जाना।'

'हम यहीं ठीक हैं। हमें यहीं ठीक लगता है।'

'फिर भी मां, रात में दो-तीन बार उठती हो, कभी पांव फिसल जाए तो...।' कहते-कहते नीलिमा सहम जाती।

'हम अपना खयाल रख लेते हैं। इस उम्र में हम अपने हिसाब से जीना चाहते हैं। कोई टोका-टाकी करे हमें बर्दाश्त नहीं होती और सब तो आते ही रहते हैं, हम अंदर से मजबूत हैं।'

नीलिमा ने देखा मां पूरी रात सोई नहीं हैं, 'क्यों नहीं सोईं?'

'कभी-कभी होता है। नींद उचट जाती है।' नीलिमा समझ गई मां को क्यों नींद नहीं आई है! मां उनकी उपस्थिति की आदी हो गई थीं।

मंगलवार की सुबह नीलिमा की फ्लाइट थी। वह चार बजे उठ गई। देखा, मां ने सारी तैयारी कर दी। चाय-नाश्ता, टिफिन सब तैयार हैं।

'मां यह सब कब बनाया?'

'ढाई बजे ही नींद खुल गई थी।'

'आज भी नहीं सोईं आप?'

'सो जाएंगे। दिनभर तो खाली रहेंगे।'

नीलिमा का मन किया दौड़कर मां से चिपक जाए और जोर-जोर से रो ले। पर नहीं, मां को भावुक नहीं करना है। इधर नीलिमा बाथरूम में जाकर अपने आंसू पोंछ रही है और उधर मां किचन में। एक-एक पल भारी होता जा रहा है।

'नाश्ता कर लो! दवाई खा ली? टिफिन रख लेना। देखो कोई चीज छूट ना जाए।' मां बार-बार याद दिला रही हैं।

'आपने चाय पी? हम बना देते हैं।' मां खामोश हैं। बोलेंगी तो रुलाई छूट जाएगी।

'मां!' नीलिमा तैयार होकर सामने खड़ी है। 'टाइम हो गया! टैक्सी आ गई।' उसने देखा अब मां जोर-जोर से रो रही हैं।

'मां, नहीं मां।' नीलिमा छोटी बच्ची की तरह मां की छाती से चिपककर रो रही है।

विदा होती बेटी के लिए मां की यह रुलाई कभी कम, कभी ज्यादा, कभी सामने, कभी पीछे, कभी मौन में, कभी स्वर में, कभी धरती से, कभी आसमान से आकर धंस जाती है! रुलाई कभी खत्म क्यों नहीं होती! जब से इस धरती ने स्वयं को रचाया-बसाया होगा, क्या तब से मांएं यूं ही, कभी नदी का रूप धारण करके, कभी झरना बनकर, कभी बादल बनकर, कभी ओस बनकर रोती रही हैं।

नीलिमा ने पलटकर देखा मां अब भी वहीं खड़ी हाथ हिला रही थीं। दूसरे हाथ से आंसू पोंछ रही थीं! मां के भीतर धंसा सन्नाटा और घर में पसरा सूनापन अब नीलिमा के भीतर फैलने लगा था, जबकि सड़क पर शोर सुनाई दे रहा था।

urmilashirish@hotmail.com

संगीतायन

चंदन तिवारी
रांची, झारखंड

चारों दुलहा में बड़का कमाल सखिया...

सीता-राम विवाह के अवसर पर गाए जाने वाले विवाह लोकगीतों में अनेक रचनाएं हैं, जो न केवल शास्त्रीय रागों पर आधारित हैं, बल्कि उनमें भक्ति व उल्लास समाया हुआ है...

विवाहपंचमी का उत्सव हो और गीत-संगीत न हो, यह हो ही नहीं सकता। सीता और राम का विवाह लोक के मन में रचा-बसा है। विवाह के उत्सव में गीत-संगीत की बड़ी भूमिका होती है।

स्वाधीनता के दो वर्ष बाद फिल्म आई थी 'राम विवाह'। इसका एक गीत बहुत प्रसिद्ध हुआ - चरण धरो धीरे-धीरे राजकुमारी...मिलेंगे पिया धीरे-धीरे जनकदुलारी...। संगीतकार शंकर राव व्यास ने इस गीत को राग चंद्रकौंस में निबद्ध किया था, जबकि गाया था उस समय की प्रख्यात पार्श्वगायिका गीता दत्त ने। राग चंद्रकौंस राग मालकौंस की ही प्रकृति का राग है। अंतर यह है कि राग मालकौंस में जहां कोमल निषाद का प्रयोग होता है, तो चंद्रकौंस में शुद्ध निषाद का। इतने से अंतर से भाव में जो करुणा और शांति होती है, उसमें उल्लास भी जुड़ जाता है। इस राग में गांधार व धैवत कोमल होते हैं, जबकि ऋषभ और पंचम स्वर वर्जित हैं।

पूर्वांचल में घर-घर में महिलाओं द्वारा जो विवाह के पारंपरिक लोक गीत गाए जाते हैं, वे शिव-पार्वती और राम-सीता विवाह के ही होते हैं। इन गीतों में राम से अपनत्व का भाव बरतते हुए उन्हें पहुना-दामाद-बहनोई रूप में अपना लिया गया है। राम-जानकी विवाह के पारंपरिक गीत उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के दायरे से निकालकर घर का सदस्य बना लेते हैं।

मिथिलांचल के दामाद होने के कारण राम पहुना रूप में लोकप्रिय हुए। यहां के पारंपरिक गीतों में राम रचे-बसे हैं -'आजु मिथिला नगरिया निहाल सखिया, चारो दुलहा में बड़का कमाल सखिया...'. लोकप्रिय है। इसके रचनाकार प्रताप सिन्हा बताये जाते हैं। प्रताप सिन्हा के राम विवाह के दो गीत देश भर में सुने जाते हैं। एक गीत, आजु मिथिला नगरिया और दूसरा गीत, ' ए पहुना एही मिथिले में रहूं ना...'। आजु मिथिला नगरिया... को कई लोगों ने गाया है, लेकिन राग भैरवी पर आधारित प्रिया मलिक का गाया विवाह गीत लोकप्रिय है। भक्ति प्रधान राग भैरवी में चार स्वर कोमल (रे, गा, धा, नि) लगते हैं और मध्यम शुद्ध होता है।

विवाहपंचमी के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों की चर्चा में एक पक्ष यह भी है कि जहां राम को लल्ला, दुल्हा, पहुना, बहनोई, दामाद रूप में देखा गया तो दुल्हन सीता की विदाई पर मिथिला के इलाके में उदासी और समदउन भी गाने की परंपरा है। कहते हैं कि जब राम मिथिला से चलने लगे तो उनके विदाई के दुख में गीत गाए गए। एक समदउन गीत है - बड़ रे जतन से सिया धिया पोसलों, से हो धिया राम नेने जाय... इस गीत को शारदा सिन्हा ने मदन प्रकाश के संगीत में गाकर अमर किया, जो राग भैरवी के निकट है। राम-सीता के विवाह प्रसंग पर आधारित विवाहगीत- 'सिया बन्नी दुल्हन, दूल्हा रघुराई' को मालिनी अवस्थी ने गाया है, उन्होंने स्वयं इस गीत की धुन राग बागेश्री में बनाई है। काफी थाट के इस राग में गांधार और निषाद कोमल लगते हैं और आरोह में पंचम स्वर वर्जित होता है। यह गीत भी मन में न केवल भक्ति का भाव जगाता है, बल्कि लोकजीवन की आत्मा को भी स्पर्श करता है।

chandan.tiwari59@gmail.com

भाषा की पाठशाला

कमलेश कमल
नई दिल्ली

दैनिक जागरण | हिंदी हैं हम

आज के शब्द : पर्याप्त, पर्याप्ति, यथोचित और यथेष्ट

आवश्यकता की पूर्ति हो जाए तो 'पर्याप्त', उस 'पूर्ति का भाव' और तृप्ति आ जाए तो 'पर्याप्ति', जितना उचित हो, बस उस सीमा तक मिले तो 'यथोचित', उचित या अनुचित से परे 'इच्छा की सीमा' तक मिल जाए तो 'यथेष्ट' और 'बहुत अधिक' हो तो 'काफी'। भाषिक विवेक इसी में निहित है कि हम आवश्यकता, इच्छा और औचित्य, तीनों के बीच भेद कर सकें और प्रसंगानुसार शब्द चुन सकें। आइए, देखते हैंः

'पर्याप्त' शब्द परि (अच्छी तरह) और आप्त (प्राप्त करना) से बना है। इसका अर्थ है- जो प्राप्त हो चुका या जो पूरी तरह से पूर्ण, भरा हुआ अथवा उपलब्ध हो। 'पर्याप्त' का संबंध आवश्यकता से है, इच्छा से नहीं। यदि किसी कार्य के लिए जितनी वस्तु या मात्रा की आवश्यकता थी, मिल गई तो वह पर्याप्त है। जैसे- 'आपके तर्क पर्याप्त हैं।' अर्थात निर्णय के लिए जितने तर्क चाहिए थे, वे पूरे हैं।

'पर्याप्ति' एक व्यापक शब्द है, जो पूर्णता, यथेष्टता, सक्षमता, उपयुक्तता, तृप्ति, संतोष, समाप्ति, अधिग्रहण इत्यादि का बोध कराता है। जैन धर्म में कुल छह प्रकार की पर्याप्तियां मानी गई हैं। इसका संबंध 'प्राप्ति के भाव' से है अर्थात इतना मिल जाए कि उद्देश्य या प्रयोजन पूरा हो जाए। जैसे [illegible] सफलता मिली।' का अर्थ है- प्रयासों की मात्रा इतनी थी कि लक्ष्य सिद्ध हो गया। इससे मिलता-जुलता एक शब्द 'परिप्राप्ति' भी है, जिसका अर्थ है- अच्छी तरह प्राप्ति या संपूर्ण उपलब्धि।

'यथोचित' शब्द 'यथा' (जैसा) + 'उचित' (उपयुक्त) से बना है। इसका अर्थ है- जितना उचित या उपयुक्त हो, उतना। यहां मापदंड 'औचित्य' है, न कि 'पर्याप्तता'। जैसे 'उसने यथोचित सम्मान प्राप्त किया।' अर्थात जितना सम्मान उसके कार्य के अनुसार उचित था, उतना मिला।

'यथेष्ट' 'यथा' (जैसा)+ 'इष्ट' (इच्छित, वांछित) से बना है। इसका अर्थ है जितना चाहा गया था, उतना प्राप्त होना। इसमें 'इच्छा' का तत्व निहित है, जबकि 'पर्याप्त' में 'आवश्यकता' का। जैसे 'उसे यथेष्ट धन मिला।' अर्थात जितने धन की उसने कामना की, उतना मिला। 'यथेष्ट' सकारात्मक प्रयोग में आता है, क्योंकि कोई व्यक्ति प्रायः शुभ या वांछनीय वस्तुओं की ही इच्छा करता है।

kamalkeekalam@gmail.com

आरजीवी निर्देशित फिल्म रंगीला होगी री-रिलीज

वार

कल 25 नवंबर, 2025 का पंचांग

कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : श्रीराम विवाहोत्सव
विशेष : बुध उदय
विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, हेमंत ऋतु मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष की पंचमी 22 घंटे 58 मिनट तक तत्पश्चात षष्ठी, उत्तराआषाढ़ा नक्षत्र तत्पश्चात श्रवण नक्षत्र, गंड योग तत्पश्चात वृद्धि योग, मकर में चंद्रमा।

मेष : शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

वृष : मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।

मिथुन : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा।

कर्क : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी।

सिंह : शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। वयात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

कन्या : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में किया गया प्रयास सार्थक होगा।

तुला : आर्थिक सफलता मिलेगी। संपत्ति में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

वृश्चिक : पुरुषार्थ सार्थक होगा। रिश्तों में निकटता आएगी। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु : आर्थिक जोखिम न उठाएं। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। रुका हुआ धन लाभ मिलेगा।

मकर : बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।

कुंभ : व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन व्यय होगा। भागदौड़ रहेगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।

मीन : धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा।

वर्ग पहेली-3169

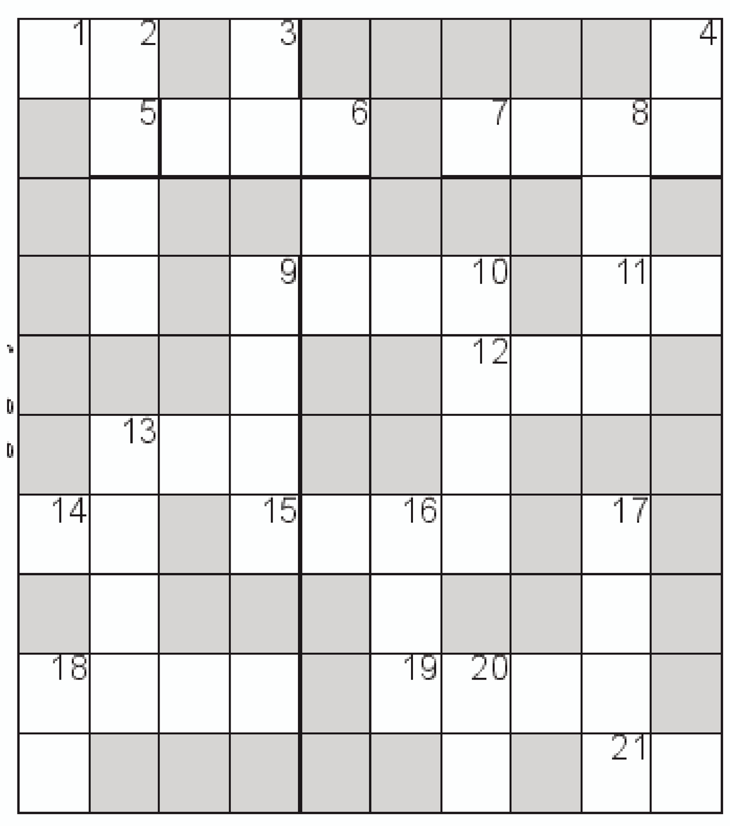

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं:
1. देह, शरीर (2)। 5. गमनागमन, आने-जाने का साधन (4)। 7. अत्यंत लक्षणों वाला (4)। 9. डकैती, लूटपाट (4)। 11. प्रसन्नता सूचक अव्यय (2)। 12. आरोप (3)। 13. खरा, जो नकली न हो (3)। 14. चमड़ा, ढाल, चर्म (2)। 15. एक प्रसिद्ध प्रवासी पक्षी (4)। 18. विष, जहर (4)। 19. चिपचिपा (4)। 21. शरीर की मोटी गोल हड्डी (2)।

ऊपर से नीचे:
2. खानाबदोश, घुमंतू (4)। 3. गोरैया से मिलती-जुलती एक चिड़िया (2)। 4. पदार्थ का अत्यंत छोटा टुकड़ा (2)। 6. प्रकार (3)। 8. नष्ट हो जाने वाला (4)। 9. वृंदावन में कृष्ण रचाते थे ... (4)। 10. नीला वस्त्र धारण करने वाला (4)। 13. अनूठा (4)। 16. प्रश्न, पूछने का भाव (3)। 17. मृत्यु, अंत, समाप्ति (4)। 18. अधिकार, हिस्सा (2)। 20. एक और उसका चौथाई हिस्सा मिलकर होगा (2)।

कल का हल

उ[1]	म	रा	व	जा	न[2]		प[3]	ह	रा[4]
ड़ा					रा		ल		य
न[5]	क	ल[6]			ध[7]	म	क		ब
		च		दा[8]	म				हा
अ[9]	म	र	ता[10]			खा[11]			दु
जा			ना			स[12]	मा[13]	हा	र
य				व[14]	ट		न		
ब		क[15]	ता	र			व[16]	ह	न[17]
घ		न		दा					र
र[18]	क्ष	क		न[19]	म	क	ह	रा	म

सुडोकू-3169

	3			9		1		6
	5	4		7				
9			4		8	3		7

6	7	9	4	1	5	3	2	8
3	4	8	2	6	9	1	7	5
4	5	3	1	8	6	7	9	2
2	9	1	7	5	3	4	8	6
7	8	6	9	2	4	5	3	1
5	6	7	3	9	8	2	1	4
8	3	2	5	4	1	9	6	7
9	1	4	6	7	2	8	5	3

राष्ट्रीय फलक

तेंदुओं ने महाराष्ट्र में गन्ने के खेतों को बना लिया अपना ठिकाना

ओमप्रकाश तिवारी ● मुंबई

- **खेतों में रह रहे तेंदुए ग्रामीणों के लिए भय और मुसीबत का कारण**
- **गत पांच वर्षों में तेंदुओं के हमलों की हो चुकी हैं 350 से ज्यादा घटनाएं**

महाराष्ट्र के तीन जिलों पुणे, नासिक व अहिल्यानगर में गन्ने के खेतों को तेंदुओं ने अपना ठिकाना बना लिया है। खेतों में रह रहे तेंदुए ग्रामीणों के लिए मुसीबत का कारण बन गए हैं। लोग तेंदुओं से बचने के लिए गले में नुकीली कीलों वाले पट्टे पहनकर घूमने को मजबूर हैं। ज्ञात हो, गत पांच वर्षों में इन तीन जिलों में तेंदुओं के हमलों की 350 से ज्यादा घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 170 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। गत तीन माह में ही इन तीन जिलों में 14 लोग तेंदुओं के हमलों में मारे जा चुके हैं। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए 11 करोड़ रुपये खर्च करने का निर्णय किया है।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पुणे, नासिक व अहिल्यानगर में हजारों हेक्टेअर में फैले गन्ने के खेतों में तेंदुए तीन पीढ़ियों से रहते आ रहे हैं। अब वह जंगल को भूल चुके हैं। गन्ने के खेत एवं आसपास बहती नदियां और नहरें उनके पनपने के लिए बेहतरीन वातावरण उपलब्ध कराते हैं। चूंकि, वे इन खेतों को ही अपना अभयारण्य समझने लगे हैं, इसलिए जब भी कोई इन खेतों की ओर जाता है या गन्नों की कटाई आरंभ होती है तो वे इसे अपने क्षेत्र में किया जा रहा अतिक्रमण मानकर किसानों पर हमला कर बैठते हैं। पूरे महाराष्ट्र में तेंदुओं की कुल संख्या 3800 बताई जाती है। खेतों में इनकी संख्या कितनी है, इसका सही अनुमान अभी नहीं लगाया जा सका है।

पुणे के पिंपरखेड़ गांव में खेत पर काम करने के दौरान गले में नुकीली कीलों वाली पट्टी पहने महिला। एएनआइ

पुणे एयरपोर्ट के अंदर दो बार देखा गया तेंदुआ

मिड डे, मुंबई : पुणे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के अंदर दो बार तेंदुआ देखा गया। इसके बाद वन विभाग और एयरपोर्ट अधिकारियों ने निगरानी बढ़ा दी है। एयरपोर्ट्स अथारिटी आफ इंडिया (एएआइ) ने वन विभाग को सूचित किया कि तेंदुआ पहली बार सुबह 5:30 बजे और फिर शाम 7:40 बजे बे नंबर 9 व टैक्सी लिंक के-4 क्षेत्र के पास देखा गया। वन विभाग ने कहा है कि तेंदुआ 15-20 दिनों से लोहेगांव क्षेत्र में निगरानी में है। उसे पकड़ने के लिए पिंजरा व कई कैमरे लगाए गए हैं। अधिकारियों ने एएआइ व वायुसेना को सलाह दी है कि वे एयरपोर्ट और एयर बेस के प्रतिबंधित व उच्च-सुरक्षा क्षेत्रों में तेंदुए के प्रवेश को रोकने के लिए एहतियाती उपाय करें।

लेकिन, इन आतंक को देखते हुए सरकार ने कई कदम उठाने का निर्णय किया है। तेंदुओं की आबादी को रोकने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र से इनके बंध्याकरण की विशेष अनुमति प्राप्त कर ली है।

आदमखोर तेंदुओं को पकड़कर पुणे के जुन्नर तालुका स्थित माणिक डोह रेस्क्यू सेंटर में रखने की शुरुआत की गई है। कुछ खतरनाक तेंदुओं को गोली मारने के आदेश भी दिए जा चुके हैं। वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में 200 पिंजरे लगाए हैं तथा एक हजार पिंजरों की खरीद की जाने वाली है। चूंकि तेंदुआ ज्यादातर इंसान को गर्दन से ही पकड़कर ले जाता है, इसलिए सरकार की ओर से गले में बांधने के लिए ऐसी पट्टियां वितरित की जा रही हैं, जिन पर नुकीली कीलें लगी हैं। ज्यादातर लोग दिन में भी ये पट्टे बांधे दिखाई देते हैं। ताकि तेंदुआ उन कीलों से डरकर हमला न करे। ग्रामीणों को लंबे डंडे में लगे त्रिशूल जैसे हथियार एवं झटका देनेवाली टार्च भी बांटी जा रही हैं। एआइ तकनीक से लैस सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिन पर तेंदुए की तस्वीर आते ही जोर से सायरन बजने लगता है। जिससे लोग सचेत हो जाते हैं।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के आरोपित जीशान के पिता व भाई हिरासत में

जासं, जालंधर : मुंबई में एनसीपी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के षड्यंत्र में शामिल कुख्यात गैंगस्टर जीशान अख्तर के पिता व भाई को जांच एजेंसियों ने हिरासत में लिया है। दोनों तीन माह से एक मस्जिद में रह रहे थे। हालांकि एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क ने ऐसी किसी जानकारी से इन्कार किया है।

13 अक्टूबर, 2024 को बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद पुलिस ने जीशान के पिता व भाई को हिरासत में लिया था, पर बाद में छोड़ दिया था। दोनों पत्थर और टाइल लगाने का काम करते हैं। शंकर गांव के लोगों का कहना है कि लोगों ने जीशान के परिवार से बातचीत बंद कर दी थी। इस कारण दोनों मस्जिद में रह रहे थे। हाल ही में जीशान का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसमें वह दावा कर रहा है कि लारेंस व अनमोल ने उससे बाबा सिद्दीकी की हत्या कराई। इसके बाद बिश्नोई गैंग उसे भी मारना चाहता था, लेकिन वह बच गया। उसने रोहित गोदारा गैंग ज्वाइन कर लिया है।

उदयपुर में नेत्रा मंटेना-वामसी गडिराजू का विवाह संपन्न

- **जग मंदिर में पूरी की गईं वैदिक रस्में, रात को डिनर और आफ्टर पार्टी**

उदयपुर में विवाह समारोह के दौरान (बाएं से) उद्योगपति रामा राजू मंटेना, पत्नी पद्मजा मंटेना, जेनिफर लोपेज, बेटी नेत्रा मंटेना, वामसी गडिराजू व अन्य। प्रेट्र

जागरण संवाददाता, उदयपुर

अमेरिका में भारतीय मूल के उद्योगपति रामा राजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना और वामसी गडिराजू का विवाह रविवार को उदयपुर के जग मंदिर में संपन्न हुआ। सुबह से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रस्में शुरू हुईं और दोपहर में दुल्हा-दुल्हन ने एक-दूसरे को माला पहनाई।

शादी समारोह में हालीवुड व बालीवुड के सितारे भी शामिल हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे जूनियर ट्रंप जोधपुरी सूट में नजर आए। साउथ अफ्रीका के मशहूर डीजे ब्लैक काफी भी विशेष प्रस्तुति देने उदयपुर पहुंचे। इसके अलावा, जेनिफर लोपेज ने शादी में प्रदर्शन करते हुए भारतीय संस्कृति में ढलकर मेहमानों को मंत्रमुग्ध किया।

शाही मेहंदी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां : शनिवार रात हुई मेहंदी नाइट में अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और नोरा फतेही ने डांस परफार्मेंस से मेहमानों का मनोरंजन किया। इसके अलावा, 'सर्कस डू सोलेइल' के कलाकारों ने रोमांचक कलाबाजियां पेश कीं। 'बलून लेडी' की प्रस्तुति ने सभी को चकित कर दिया, जिसमें कलाकार 50 मीटर ऊंचाई पर हवा में करतब दिखा रही थीं। वैवाहिक रस्मों के बाद सिटी पैलेस के जनाना महल में मेहमानों के लिए डिनर आयोजित किया गया।

****

विज्ञानी चार्ल्स डार्विन ने दुनिया के सामने रखी 'थ्योरी आफ इवोल्यूशन'

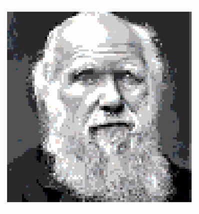

1859 में आज ही चार्ल्स डार्विन की किताब आन द ओरिजिन आफ स्पीशीज बाय मीस आफ नेचुरल सेलेक्शन प्रकाशित हुई थी। इस किताब में एक अध्याय था, 'थ्योरी आफ इवोल्यूशन'। इसमें बताया गया था कि कैसे हमारे पूर्वज बंदर से विकसित होकर आधुनिक इंसान बने। इसने दुनिया के इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी।

इकलौते अनसुलझे विमान हाईजैक को दिया गया अंजाम

1971 में आज ही अमेरिकी एयरलाइन के विमान को हाईजैक करके भारी-भरकम रकम और पैराशूट की मांग की गई। मांग पूरी होने पर हाईजैकर ने पैराशूट से छलांग लगा दी। आजतक उसका पता नहीं चल सका। विमान अपहरण का यह इकलौता अनसुलझा मामला माना जाता है।

सर छोटूराम ने किसानों के हित में पारित कराए कई कानून

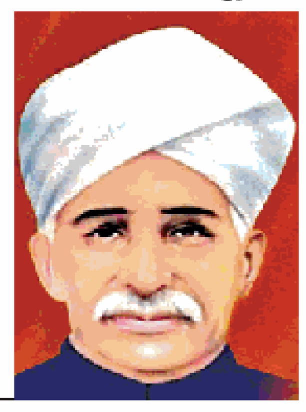

प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ सर छोटूराम (रिछपाल) का जन्म 1881 में आज ही हरियाणा के झज्जर जिले में हुआ था। बचपन में साहूकार द्वारा किसान पिता का अपमान होता देख कर किसानों के शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने की ठानी। पेशेवर जीवन की शुरुआत 1912 में वकालत से की। देश के किसानों को एक करने के लिए यूनियनिस्ट पार्टी का गठन किया। 1937 में वह अविभाजित पंजाब के राजस्व मंत्री बने और किसानों को सशक्त बनाने और किसान समर्थक कानून बनाने में अहम भूमिका निभाई।

बिहार में स्तनपान कराने वाली माताओं के दूध में यूरेनियम

चिंताजनक ▸ अध्ययन में 40 स्तनपान कराने वाली माताओं के दूध का विश्लेषण किया और सभी नमूनों में यूरेनियम पाया गया

शिशुओं के लिए स्वास्थ्य का खतरा, अन्य राज्यों में और अध्ययन की उम्मीद

नई दिल्ली, एएनआइ : हाल में किए गए एक अध्ययन में बिहार के छह जिलों में स्तनपान कराने वाली माताओं के दूध में यूरेनियम (यू- 238) के चिंताजनक स्तरों का पता चला है, जिससे उनके शिशुओं के लिए गंभीर स्वास्थ्य चिंताएं पैदा हो रही हैं। विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं ने पाया कि स्तन के दूध के माध्यम से यूरेनियम का संपर्क शिशुओं के लिए महत्वपूर्ण गैर कार्सिनोजेनिक स्वास्थ्य खतरा पैदा कर सकता है। अध्ययन के सहायक लेखक और दिल्ली एम्स के डा. अशोक शर्मा ने कहा, अध्ययन में 40 स्तनपान कराने वाली माताओं के दूध के नमूनों में यूरेनियम (यू-238) पाया गया। हालांकि, 70% बच्चों में कैंसर न होने वाला स्वास्थ्य खतरा दिखा, लेकिन कुल यूरेनियम लेवल तय स्तर से कम था। उम्मीद है कि मांओं और बच्चों दोनों पर इससे बहुत कम असर पड़ेगा। सबसे अधिक औसत संदूषण खगड़िया जिले में और सबसे उच्च व्यक्तिगत मान कटिहार जिले में पाया गया। यूरेनियम का संपर्क तंत्रिका विकास में बाधा और आइक्यू में कमी जैसे जोखिम पैदा कर सकता है। इसके बावजूद स्तनपान को बंद नहीं किया जाना चाहिए और यह शिशु पोषण का सबसे लाभकारी स्रोत बना रहता है, जब तक कि चिकित्सकीय रूप से अन्यथा संकेत न दिया जाए।

बच्चों पर पड़ सकता है इसका असर : अध्ययन से पता चला कि 70% बच्चों का एचक्यू > 1 था, जो स्तन के दूध के जरिए यूरेनियम के संपर्क में आने से होने वाले संभावित गैर-कार्सिनोजेनिक स्वास्थ्य

प्रतीकात्मक

जोखिम को दिखाता है। इसमें अगर लंबे समय तक यूरेनियम से संपर्क बना रहे तो किडनी, तंत्रिका, संज्ञानात्मक और मानसिक स्वास्थ्य के नतीजे पर असर पड़ सकता है , जिसमें कम आइक्यू और मानसिक विकास में देरी शामिल है। उन्होंने कहा कि हालांकि, दूध के नमूनों में देखे गए यूरेनियम की सांद्रता (0-5.25 ug/L) के आधार पर अध्ययन अभी भी यह नतीजा निकालती है कि शिशु स्वास्थ्य पर वास्तविक प्रभाव संभवतः कम है, और माताओं द्वारा अवशोषित अधिकांश यूरेनियम मुख्य रूप से मूत्र के माध्यम से उत्सर्जित होता है, न कि स्तन के दूध में संकेंद्रित होता है।

अन्य राज्यों में भी हो अध्ययन : डा अशोक ने यह भी कहा कि ऐसे अध्ययन अन्य राज्यों में भी किए जाएंगे ताकि भारी धातुओं की उपस्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके। हम अन्य राज्यों में भारी धातुओं की जांच करने की प्रक्रिया में हैं और उनके मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव का अध्ययन करना आवश्यक है। यह अध्ययन बिहार के अलग-अलग जिलों से रैंडम तरीके से चुनी गई 40 दूध पिलाने वाली महिलाओं पर की गई, जिसमें स्तन के दूध में यू 238 की मात्रा का पता लगाया गया। टेस्ट किए गए सभी सैंपल में यूरेनियम था और सबसे ज्यादा लेवल कटिहार जिले में देखा गया। हेल्थ रिस्क असेसमेंट से पता चला कि बच्चे अपने शरीर से यूरेनियम को निकालने की कम क्षमता के कारण खास तौर पर कमजोर होते हैं।

अन्य देशों ने भी किया अध्ययन : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) पीने के पानी में यूरेनियम के लिए 30 माइक्रोग्राम प्रति लीटर का अस्थायी सीमा निर्धारित करता है, जबकि कुछ देशों जैसे जर्मनी ने 10 माइक्रोग्राम प्रति लीटर के सख्त सीमाएं अपनाई हैं। भारत में यूरेनियम संदूषण की रिपोर्ट 18 राज्यों के 151 जिलों में की गई है, जिसमें बिहार में 1.7 प्रतिशत भूजल स्रोत प्रभावित हैं। वैश्विक स्तर पर कनाडा, अमेरिका, फिनलैंड, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, यूनाइटेड किंगडम, बांग्लादेश, चीन, कोरिया, मंगोलिया, पाकिस्तान, और निम्न मेकोंग डेल्टा क्षेत्र में उच्च यूरेनियम स्तर देखे गए हैं। वर्तमान शोध बिहार में यू238 की निगरानी की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।

मस्ती 4

फिल्म रिव्यू

प्रमुख कलाकार : विवेक ओबराय, रितेश देशमुख, आफताब शिवदासानी, अरशद वारसी, तुषार कपूर, नर्गिस फाखरी, एलनाज नौरोजी, रूही सिंह, श्रेया शर्मा
निर्देशक : मिलाप मिलन जावेरी, **अवधि :** दो घंटे 24 मिनट

सस्ती है ये मस्ती

हंसाने में असफल रही। सौ. फिल्म टीम

साल 2004 में रिलीज मस्ती एडल्ट कामेडी जानर में पसंद की गई थी। इस फ्रेंचाइज को फिर ग्रैंड मस्ती, ग्रेट ग्रैंड मस्ती और अब नौ साल बाद मस्ती 4 के साथ आगे बढ़ाया गया है।

कहानी तीन दोस्त मीत (विवेक ओबेराय), अमर (रितेश देशमुख) और प्रेम (आफताब शिवदासानी) की है, जो अपनी-अपनी पत्नियों से खुश नहीं हैं। उनका दोस्त कामराज (अरशद वारसी) कहता है कि उसकी बीवी मेनका (नर्गिस फाखरी) उसे लव वीजा देती है यानी एक सप्ताह तक वह किसी भी लड़की के साथ रह सकता है। तीनों अपनी पत्नियों से लव वीजा मांगते हैं, लेकिन इसके बदले पत्नियों को भी लव वीजा चाहिए।

मस्ती और ग्रैंड मस्ती की कहानी तुषार हीरानंदानी के साथ मिलकर लिख चुके मिलाप इस एडल्ट कामेडी को वह ढंग से नहीं बना पाए। कामेडी के नाम पर केवल फूहड़ता है। महिला पात्र केवल बिकनी पहनने और बेवकूफाना हरकतें करने के लिए रखे गए हैं। एक महिला पात्र का यह कहना कि अकेली रहती हूं, सुबह उठकर आई पिल (इमरजेंसी गर्भनिरोधक गोलियां)खाती हूं... या फिर पत्नी के लिए यह कहना कि अब गई साली... जैसे संवाद मिलाप और फारुख धोंडी के लेखन पर सवाल खड़े करते हैं कि वे कामेडी के नाम पर दर्शकों के सामने क्या परोस रहे हैं। घोड़े की खाल में आफताब और रितेश का सीन जैसे शूट किया गया है, उससे बेहतर वीडियो आज के बच्चे अपने फोन से बना लेते हैं।

विवेक ओबेराय, रितेश देशमुख और आफताब शिवदासानी में केवल रितेश ही हैं, जो अपने अभिनय से थोड़ा बहुत हंसा पाते हैं। अरशद वारसी और नर्गिस फाखरी फिल्म में क्यों हैं, उसका जवाब न ढूंढ़ना ही बेहतर है। बाकी तीनों मुख्य अभिनेत्रियां हिंदी बोलने के लिए संघर्ष करती रह जाती हैं। बिहार पुलिस अधिकारी के रोल में तुषार कपूर न वहां की बोली पकड़ पाते हैं, ना हंसा पाते हैं।

प्रियंका सिंह

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

इधर-उधर की

हल्क बनने के चक्कर में लगाया ऐसा पेंट, छूट ही नहीं रहा रंग

मैड्रिड, एजेंसी: सुपर हीरो हल्क की तरह दिखने के चक्कर में एक शख्स ने पूरे शरीर को हरे रंग से रंग लिया। जब उसने उसे हटाना चाहा तो वह साफ ही नहीं हो रहा था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेन के बेनिडोर्म शहर में एक ब्रिटिश नागरिक केन को त्वचा से हरा रंग हटाने के लिए छह बार नहाना पड़ा। कई दिनों तक स्टीम बाथ लेना पड़ा। उसने हल्क बनने को मेकअप की जगह गलती से टेक्सटाइल पेंट यानी कपड़ों पर इस्तेमाल होने वाला रंग लगा लिया था। केन ने उस दिन पहले ही बांह पर पेंट का परीक्षण किया था, लेकिन जब पेंट त्वचा पर घंटों तक लगा रहा, तो उसे हटाने में मशक्कत करनी पड़ी।

केन ने गलती से लगा लिया टेक्सटाइल पेंट। इंटरनेट मीडिया

जल महोत्सव की जगमगाहट

गुजरात के गांधीनगर में विश्व धरोहर सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में रविवार को जल महोत्सव के दौरान अडालज की बावड़ी को रंग-बिरंगी रोशनी से जगमग किया गया। इसे निहारने के लिए भारी संख्या में पर्यटक जुटे। वर्ष 1498 में निर्मित यह ऐतिहासिक बावड़ी अपने अंदर कला, विज्ञान और इतिहास को समेटे हुए है। प्रेट्र

पीएम 2.5 के कारण आर्थराइटिस के मरीजों के लिए बढ़ी चुनौती

अनुसंधान

नई दिल्ली: उत्तर भारत जब ठंड के मौसम में प्रवेश कर रहा है, ऐसे में डाक्टर जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए दोहरी खतरे की चेतावनी दे रहे हैं। पिछले दो महीनों में गठिया के मरीजों में जोड़ों के दर्द के लिए परामर्श में वृद्धि हुई है। यूरोपीय मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक 2025 के अध्ययन में पाया गया कि महीनों तक पीएम 2.5 जैसे बारीक कणों के संपर्क में रहने से आर्थराइटिस विकसित होने का खतरा 12 से 18 प्रतिशत बढ़ जाता है, जो यह दर्शाता है कि खराब वायु गुणवत्ता और ठंडा मौसम मिलकर जोड़ों के दर्द और सूजन को बढ़ा सकते हैं।

कई मामलों में ठंड जोड़ों के चारों ओर की मांसपेशियों को कस देती है, रक्त प्रवाह को धीमा कर देती है और जोड़ों के चारों ओर के ऊतकों को संकुचित कर देती है। ये कारक आस्टियोआर्थराइटिस (ओए) या रूमेटोइड आर्थराइटिस (आरए) वाले मरीजों में दर्द को बढ़ाने के लिए पर्याप्त हैं। गुरुग्राम के पारस हेल्थ के डा. अरविंद मेहरा ने कहा, पिछले कई हफ्तों में गठिया के मामलों में वृद्धि देखी है, विशेषकर बुजुर्गों और उन लोगों में जिनके पहले से ही जोड़ों की समस्याएं हैं। ठंडे तापमान के कारण जोड़ों के चारों ओर रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है, जिससे वे कठोर हो जाते हैं, जबकि सांस में लिए गए प्रदूषक सूजन के रास्तों को उत्तेजित करते हैं, जो दर्द व सूजन को बढ़ा सकते हैं। मरीजों के लिए ठंड व जहरीली वायु का संयोजन शरीर पर बुरा प्रभाव डालता है। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

शेफाली शाह ने कहा, मैंने अपनी कब्र खुद खोदी

इन दिनों केंद्रीय भूमिकाएं कर रही हैं शेफाली। फाइल

करीब बीस साल पहले प्रदर्शित हुई फिल्म वक्त : द रेस अगेंस्ट टाइम में अभिनेत्री शेफाली शाह ने अभिनेता अक्षय कुमार अभिनीत पात्र की मां की भूमिका निभाई थी। जबकि उस समय उनकी उम्र अक्षय से कम थी। उसमें शेफाली के पात्र के पति की भूमिका हिंदी सिनेमा महानायक अमिताभ बच्चन ने निभाई थी। हालांकि, कम उम्र मे ऐसी भूमिका निभाने को लेकर शेफाली को पछतावा होता है। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बोला, 'मैं हिंदी सिनेमा इंडस्ट्री के दो पसंदीदा व्यक्तियों विपुल शाह व अमिताभ बच्चन के साथ काम करना चाहती थी। इसलिए मैंने वो फिल्म की थी। उस समय मैंने यह सोचा था कि अभिनेत्री तो वही है जो ऐसी भूमिका निभाए जो वो नहीं है। उम्र भी उसी दायरे में आती है। हालांकि, मुझे गलत समझा गया। आगे शेफाली यह भी स्वीकार करती हैं कि उन्हें इससे नुकसान हुआ। वह कहती हैं कि मेरे पति ने ये रोल करने से रोका था। अमित जी (अमिताभ बच्चन) ने उन्हें सुझाव दिया था कि आप इस रोल में शेफाली को क्यों नहीं लेते हैं? तब उन्होंने कहा था कि मुझे नहीं लगता है कि वो इस रोल में फिट होगी। फिर एक दिन मैंने अपने बालों पर पाउडर डाल लिया और फिर कहा कि देखो मैं उम्रदराज और परिपक्व दिख सकती हूं। मैंने फिर भी कहा कि मैं करूंगी, मैंने अपनी कब्र खुद ही खोदी थी।

ठंडी रही फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर की शुरुआत

दीवाली पर प्रदर्शित फिल्म थामा और एक दीवाने की दीवानियत के बाद टिकट खिड़की पर हिंदी फिल्मों के धमाके का इंतजार इस सप्ताह भी नहीं खत्म हुआ। इस सप्ताह दो फिल्में 120 बहादुर तथा मस्ती 4 दो फिल्में प्रदर्शित हुईं। जिसमें से फरहान अख्तर और राशि खन्ना अभिनीत फिल्म 120 बहादुर को समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। देशभर में करीब 2725 स्क्रीन पर प्रदर्शित हुई 120 बहादुर को शुक्रवार को सिर्फ 2 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। साल 1962 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच युद्ध की वास्तविक घटना पर आधारित इस फिल्म की शनिवार को कमाई बढ़त के साथ 3.25 करोड़ रुपये रही। पहले दो दिनों में फिल्म ने घरेलू टिकट खिड़की पर कुल 5.25 करोड़ रुपये कमाए। वहीं मस्ती फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म मस्ती 4 को समीक्षकों का साथ नहीं मिला। इस फिल्म को शुक्रवार को सिर्फ 2.25 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। शनिवार को मामूली बढ़त के साथ फिल्म की कमाई 2.35 करोड़ रुपये रही। पहले दो दिनों में इस एडल्ट कामेडी फिल्म की कुल कमाई करीब 4.6 करोड़ रुपये रही। अब टिकट खिड़की की निगाहें अगले सप्ताह प्रदर्शित होने जा रही कृति सैनन और धनुष अभिनीत फिल्म 'तेरे इश्क में' पर टिकी हैं।

फिल्म 120 बहादुर में फरहान अख्तर। फाइल

संन्यास लेने वाली खबरों के बाद बोले अली, आने वाला है नया धारावाहिक

इंटरनेट मीडिया के इस दौर में क्या कब वायरल हो जाए और किसी तस्वीर को लेकर किसी खबर से जोड़कर दिखा दे इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है। कुछ दिनों पहले कामेडियन और अभिनेता अली असगर के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था। जिसमें हज पर गए अली की एक पुरानी तस्वीर को साझा कर कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उन्होंने अब रब का रास्ता पकड़ लिया है और अभिनय से संन्यास ले लिया है। अब अली ने स्वयं उन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इन खबरों को असत्य बताते हुए अपने अगले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह फिलहाल कई अन्य प्रोजेक्ट्स के साथ व्यस्त हैं। जल्द ही उनका एक नया धारावाहिक आने वाला है, जिसमें वह कामेडी से कुछ अलग करते हुए नजर आएंगे। कुछ ऐसी काम, जिसके लिए उन्हें काफी लंबा इंतजार करना पड़ा। बता दें कि अभिनय से संन्यास लेने की अली की जो तस्वीर वायरल हुई, वो पिछले साल की है, जब अली हज पर गए थे। उस दौरान उन्होंने स्वयं वह तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की थी। अली के अनुसार, वह काफी धार्मिक व्यक्ति हैं, लेकिन अभिनय सदैव उनका पेशा और जुनून दोनों रहेगा।

अपनी कामेडी भूमिकाओं के लिए लोकप्रिय हैं अली। इंस्टाग्राम (@kingaliasgar)

आरजीवी निर्देशित फिल्म रंगीला होगी री-रिलीज

कहानी ऐसी हो, जो बांधे रखे : राम गोपाल वर्मा

सात सवाल

फिल्मों के री रिलीज के इस दौर में निर्देशक राम गोपाल वर्मा (आरजीवी) की फिल्म शिवा के बाद अब रंगीला भी री-रिलीज हो रही है। तीस साल पहले रिलीज हुई आमिर खान, उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्राफ अभिनीत इस फिल्म के पात्रों को आरजीवी ने अपने आसपास ढूंढा था। उनसे मोबाइल फोन पर हुई बातचीत के अंश।

● **री-रिलीज का यह ट्रेंड कैसा लग रहा है? 30 साल पहले रंगीला बनाते समय तब लगा था कि यह हिट होगी?**

– ट्रेंड अच्छा है, लेकिन नया नहीं है। इन दिनों फिल्में थिएटर में चल नहीं रही हैं। ऐसे में सिनेमाघर भरने के लिए री-रिलीज का सहारा लिया जा रहा है। जो अच्छा ही है, क्योंकि आज की पीढ़ी को यह फिल्में बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिल रहा है। बाकी कोई भी फिल्मकार फिल्म तभी बनाता है, जब उसे लगता है कि उसकी कहानी दर्शकों को पसंद आएगी। अपनी डेब्यू फिल्म शिवा से लेकर अब तक मैंने हमेशा वही बनाया है, जो मैं देखना चाहता हूं।

● **इस साल रोमांटिक फिल्म सैयारा ने अच्छी कमाई की। रंगीला भी रोमांटिक फिल्म है। दोनों में क्या कोई अंतर दिखाई देता है?**

– मुझ पर सैयारा फिल्म का भावनात्मक प्रभाव रह गया है। मुझे वह कहानियां पसंद हैं, जो वास्तविकता के करीब होती हैं, जिसमें परिस्थिति के अनुसार गाने होते हैं, जैसा मैंने रंगीला फिल्म में भी दिखाया था। सैयारा ब्लाकबस्टर फिल्म है। उसे देखकर लगता है कि आज भी प्यार जिंदा है। मैं ज्यादातर लव स्टोरी या म्यूजिकल फिल्म नहीं देखता था। लेकिन द साउंड आफ म्यूजिक फिल्म देखी, तो उस फिल्म के पात्रों ने मुझे रंगीला बनाने के लिए प्रेरित किया था।

● **रंगीला में मिली, मुन्ना, राज कमल, इन पात्रों को कहां ढूंढा?**

– (हंसते हुए) आमिर का किरदार मुन्ना मेरे दोस्त से प्रेरित था, जो बीटेक के पहले साल में पढ़ रहा था। कालेज में उसे एक लड़की से प्यार हो गया था। उस लड़की को खुश करने के लिए वह रंगीन जूते पहनकर आया था, उन्हीं रंगीन जूतों से प्रेरित होकर मैंने आमिर को ऊपर से लेकर नीचे तक पीले रंग का ड्रेस पहनाया था। जैकी का किरदार राज कमल हमारे यहां साउंड और म्यूजिक में एक महिला थी, उससे प्रेरित होकर बनाया था। वहीं मिली का पात्र जूनियर आर्टिस्ट होगा, यह ख्याल श्रीदेवी की मम्मी, जो जूनियर आर्टिस्ट थी, वहां से आया था कि उनकी बेटी सुपरस्टार बनती है। मुझे फिल्म में यह दिखाना था कि आकांक्षाएं कैसे व्यक्ति को सफल बना सकती हैं।

● **आज के दौर में एक्शन फिल्मों में दिखाई जा रही हिंसा को कैसे देखते हैं?**

– जब मैंने शिवा फिल्म बनाई थी, तो उसे बनाने की प्रेरणा मैंने ब्रूस ली के रिटर्न आफ द ड्रैगन, अमिताभ बच्चन की 70 के दौर की फिल्म के पात्रों से ली गई थी, उन्हें एक बोतल में मिलाकर मैंने मसाला फिल्म शिवा बनाई थी। इसलिए खून-खराबा नहीं था, क्योंकि उन फिल्मों में नहीं था। आज भी एक्शन में खून-खराबा दिखाना जरूरी नहीं है।

● **हिंदी फिल्में बाक्स आफिस पर संघर्ष कर रही हैं, लेकिन दक्षिण भारत पैन इंडिया फिल्में बना रहा है। वाराणसी फिल्म को बड़े स्तर पर लांच किया है...**

– साउथ फिल्म इंडस्ट्री की फिल्मों में पहले से ही हीरोइज्म को दिखाया जाता रहा है। हिंदी इंडस्ट्री में पिछली सदी के अंतिम दशक में लव स्टोरी और म्यूजिकल फिल्में ज्यादा बनने लगी थीं। उन्होंने हीरोइज्म वाली फिल्में बनाना बंद कर दिया था। इसलिए साउथ इस मामले में बाक्स आफिस पर उनसे आगे निकल गया।

● **मनोज ने कहा था कि हारर कामेडी फिल्म पुलिस स्टेशन में भूत फिल्म में आपका 2.0 वर्जन दिखेगा। क्या नया होगा ?**

– यह तो दर्शक बताएंगे। मेरा बोलना सही नहीं होगा। ऐसा कहा जाता है कि मेरी यूएसपी हारर फिल्में हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें गैंगस्टर और ड्रामा जानर भी जुड़ना चाहिए

● **आपकी फिल्म सरकार फ्रेंचाइज की चौथी फिल्म बनने को लेकर खबरें हैं...**

– हां, यह फिल्म बन रही है। सरकार फिल्म भी हो सकता है कि रीरिलीज हो। गैंगस्टर और क्राइम ड्रामा हमेशा काम करता है। बस ध्यान इस बात का रखना चाहिए कि कहानी ऐसी हो, जो दर्शकों को बांधे रखे। करने जैसी हो।

(प्रियंका सिंह)

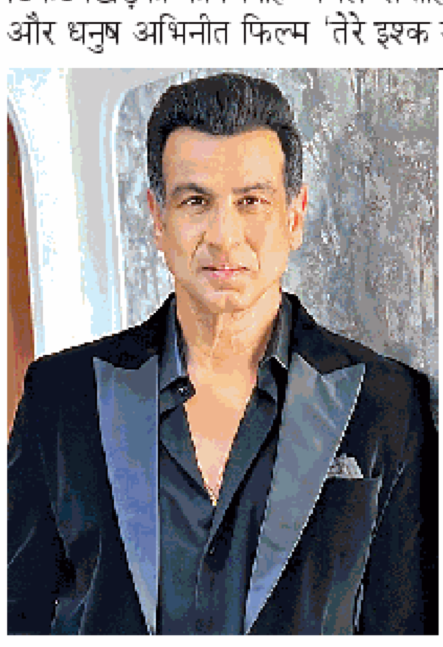

रोनित ने लिया इंटरनेट मीडिया से लिया ब्रेक। इंस्टाग्राम (@ronitboseroy)

प्लीज मुझे मत भूलना : रोनित बोस राय

कई कलाकार जहां हर गतिविधि की जानकारी इंटरनेट मीडिया पर साझा करते हैं वहीं अभिनेता रोनित बोस राय पर्सनल ग्रोथ पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इंटरनेट मीडिया से ब्रेक लेंगे। इस साल मां फिल्म में नजर आए अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ब्रेक की घोषणा की। उन्होंने बताया कि वह खुद का 'नया' और बेहतर वर्जन ढूंढने पर काम कर रहे हैं और इसके लिए उन्हें कंफर्ट और पुरानी, बुरी आदतों को पीछे छोड़ना होगा। रोनित ने बताया कि यह एक अस्थायी ब्रेक होगा और वह जल्द ही वापस करेंगे। साथ ही उन्होंने कमेंट सेक्शन को भी डिसेबल कर दिया है। उन्होंने लिखा कि मैं जिंदगी में एक ऐसी जगह पहुंच गया हूं जहां मुझे अपने और परिवार के लिए एक नया रास्ता बनाना है। एक ऐसा रास्ता जो उम्मीद है कि मुझे एक इंसान, रिश्तों और अभिनेता के तौर पर बेहतर बनाएगा। यह ऐसा रास्ता है जिस पर मैं पहले कभी नहीं चला। आराम और पुरानी बुरी आदतों को पीछे छोड़ो। कूदो और लीक से हटकर जियो। । आगे उन्होंने लिखा कि डिजिटल से अलगाव मेरे मानसिक और स्पिरिचुअली मजबूत होने और मेरे नए वर्जन (जिसे उम्मीद है आप सब ज्यादा पसंद करेंगे) को खोजने में एक अहम वजह है। साथ ही कहा कि मैं वापस आ जाऊंगा। प्लीज मुझे मत भूलना।

आपरेशन खुकरी में केंद्रीय भूमिका में होंगे रणदीप

पिछले साल प्रदर्शित फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर से अभिनेता रणदीप हुडा ने निर्देशन में कदम रखा था। । इसी बीच खबरें आई कि वह साल 2000 में सिएरा में भारतीय सेना द्वारा अंजाम दिए गए आपरेशन खुकरी पर बन रही फिल्म का न सिर्फ हिस्सा होंगे बल्कि उसे निर्देशित भी करेंगे। इतना ही नहीं रणदीप अभिनय और निर्देशन के साथ निर्माता राहुल मित्रा के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। अब इस फिल्म की पटकथा अपने अंतिम चरणों में है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले साल की पहली तिमाही में शुरू करने की योजना है। इससे पहले वह अपनी टीम के साथ मिलकर बाकी कलाकारों की कास्टिंग करेंगे। यह फिल्म आपरेशन खुकरी का हिस्सा रहे मेजर राजपाल पूनिया और उनकी बेटी दामिनी पूनिया द्वारा लिखी इसी शीर्षक वाली किताब पर आधारित है। बता दें कि साल 2000 में अफ्रीकी देश सिएरा लिओने में गृह युद्ध के बीच फंसे 223 गोरखा राइफल्स के जवानों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय सेना ने आपरेशन खुकरी चलाया था। इससे पहले इस विषय पर निर्माता सुनीर खेत्रपाल और फिल्मकार अभिषेक दुधैया भी फिल्म बनाने की घोषणा कर चुके हैं।

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

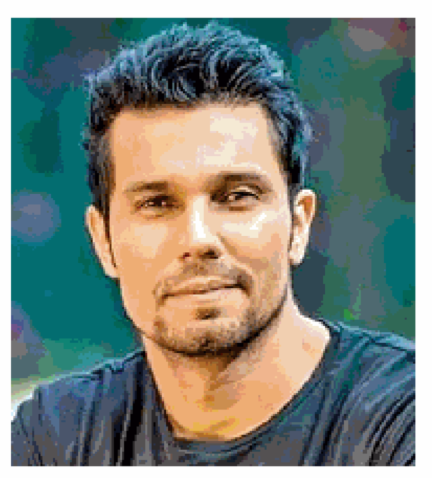

फिल्म को निर्देशित भी कर रहे हैं अभिनेता रणदीप हुडा।

****